सेंसेक्स	80,746.78
निफ्टी	24,414.40
सोना	90750
चांदी	99000
डॉलर	84.72

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 08 मई 2025
वैशाख शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 222
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आंधी-बारिश से 19 लोगों की मौत

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने देश के 26 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी है। मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में ओलावृष्टि की भी चेतावनी है। गुजरात में भी मौसम की मिजाज बिगड़ा हुआ है। आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में देश में अबतक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार में आसमानी बिजली की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हुई। वहीं गुजरात में 14 लोगों के मरने की खबर है।

कौशल राज दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ बने

वाराणसी। वाराणसी के कमिश्नर और डीएम रहे आईएएस कौशल राज शर्मा को 3 साल के लिए दिल्ली में प्रतिनियुक्ति दी गई है। उन्हें दिल्ली जल बोर्ड का सीईओ बनाया गया है। 15 दिन पहले ही उनका वाराणसी से लखनऊ ट्रांसफर किया गया था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कौशल राज को सचिव बनाया था। लखनऊ आने के 15 दिन के अंदर ही उनकी जिम्मेदारी बदलने का फरमान आ गया। कौशल राज शर्मा को प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में बुलाया गया। इससे पहले वाराणसी के कमिश्नर रहे दीपक अग्रवाल को भी वाराणसी से सीधे दिल्ली बुलाया गया था। वह भी पीएम मोदी के करीबी थे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में करोड़ों की गोल्ड लूट

समस्तीपुर। समस्तीपुर में बुधवार को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 5 करोड़ के सोने की लूट हुई है। जानकारी के मुताबिक, बदमाश 15 लाख कैश भी लेकर भागे हैं। घटना नगर थाना क्षेत्र के काशीपुर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की है। बैंक डिप्टी मैनेजर शशिभूषण कुमार ने बताया, सुबह साढ़े 11 बजे हम लोग बैंक में काम कर रहे थे। इसी दौरान 8 से 9 की संख्या में बदमाश आए। कुछ बदमाश बाहर भी खड़े थे। 45 मिनट तक लूटपाट की। गन पॉइंट पर लॉकर खुलवाए। करीब 15 लाख कैश और 5 करोड़ के गोल्ड लेकर फरार हो गए। आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अपराधियों की पहचान के लिए बैंक के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद के कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाया गया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सूद ने 25 मई 2023 को पद संभाला था। अधिकारियों ने बताया कि उनके कार्यकाल को बढ़ाने का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की बैठक में लिया गया, जिसमें भारत के सीजेआई संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल थे।

चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 24 मई से और एक साल की अवधि के लिए, सूद के कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी दी। सूद कर्नाटक कैडर के 1986 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक के रूप में काम कर रहे थे जब उन्हें केंद्रीय जांच ब्यूरो का निदेशक नामित किया गया था।

बदला पूरा...कंधार से पहलगाम तक 25 मिनट में 25 साल का हिसाब बराबर...नौ आतंकी ठिकाने तबाह...

ऑपरेशन सिंदूर...टेरर कैंप बने तंदूर

- पाकिस्तान से मुकाबले के लिए भारत की चौतरफा तैयारी...18 एयरपोर्ट बंद... 430 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के 16वें दिन भारत ने आखिरकार बदला ले लिया है। भारतीय वायुसेना ने देर रात ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक की। भारत ने ड्रोन और अत्याधुनिक हथियारों से 9 टारगेट सेट किए और 24 अटैक कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया। पहलगाम हमले का भारत ने ऐसा करारा जवाब दिया है कि इस बार कोई सबूत नहीं मांगेगा, क्योंकि पाकिस्तान के तमाम लोग चश्मदीद भी हैं।

भारत ने बुधवार आधी रात करीब डेढ़ बजे ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर, मुरीदके, बाघ, गुलपुर, सवाई, बिलाल, बरनाला, महमूना कोटली और मुजफ्फराबाद में ताबड़तोड़ हमले किए। ये वही ठिकाने हैं, जहां से भारत पर आतंकी हमले की साजिश रची जा रही थी और उन्हें अंजाम दिया जा रहा था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया है। यह कार्रवाई खुफिया एजेंसी रॉ के इनपुट पर की गई है। सेना ने 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें जैश-ए-मोहम्मद के 4, लश्कर-ए-तैयबा के 3 और हिजबुल मुजाहिदीन के 2 आतंकी ठिकाने शामिल हैं। भारत ने आतंकी अजहर मसूद और हाफिज सईद को गहरी चोट दी और उनके आतंकी कैंप को मिट्टी में मिला दिया। इस बात को पाकिस्तान की आवाम भी चीख-चीख कर कह रही है।

अब कोई नहीं मांगेगा सबूत

भारत सेना के एयर स्ट्राइक में करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। अस्पतालों में घायल आतंकवादियों की लाइन लगी है। हर तरफ एंबुलेंस दौर रहे हैं। ये हम नहीं बल्कि तमाम इंटरनेशनल मीडिया संस्थान कह रहे हैं। ये संस्थाएं पाकिस्तान के हालात की तस्वीरें ला रही हैं। इससे पता चलता है कि भारत ने पहलगाम का बदला कैसा लिया। इन हमलों को राफेल, सुखोई जैसे फाइटर जेट्स या फिर बेहद आधुनिक ड्रोन से अंजाम दिया गया। इसके बारे में तो स्थिति आज दिन में साफ होगी जब सेना की ओर से आधिकारिक तौर पर बयान जारी किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों से स्पष्ट है कि भारत ने कितने व्यापक स्तर पर तबाही मचाई है। इन तस्वीरें इंटरनेशनल फोटो एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने जारी की है। इसमें तबाही के मंजर और पाकिस्तान के अस्पतालों में घायलों को पहुंचाती एंबुलेंस दिख रही हैं। इतना ही नहीं लोग अपने-अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित ठिकाने पर जाते दिख रहे हैं। इसके अलावा आतंकी ठिकाने की तबाही के वीडियो और तस्वीरें सबके सामने आई हैं।

पूरा पाकिस्तान चश्मदीद

पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डॉयरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी माना कि कहा कि भारत ने हमला किया है और मिसाइलें दागी गई हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के मस्जिदों से बकायदा ऐलान किया जा रहा था कि लोग घरों को छोड़ दें और सुरक्षित जगहों पर पहुंचे। इस दौरान घरों में कोई भी मौजूद न रहे। लोग घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाते नजर आए। पाकिस्तान की सरकार की तरफ से ये संदेश जनता तक पहुंचाने के लिए कहा गया था। भारत के एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान से जो वीडियो आ रहे हैं, उसमें खुद पाकिस्तान के लोग चीख-चीख बता रहे हैं कि आतंकी अजहर मसूद के ठिकाने पर मिसाइल से हमले किए गए हैं। इसमें पाकिस्तान की आवाम खुद बता रही है कि भारतीय सेना ने कैसे हमला किया है। इसके अलावा वीडियो में देख सकते हैं कि आतंकी ठिकाने से आग की लौ भी उठती दिख रही है। ये आतंकियों के ठिकाने को मिट्टी में मिलाने का सबसे बड़ा सबूत है। अहमद शरीफ चौधरी ने रात ही कहा कि भारत के हवाई हमलों में अब तक 8 नागरिक मारे गए हैं जबकि 35 घायल हुए हैं।

पाकिस्तान को मिला कल्पना से परे जवाब

पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी ने आतंकियों और आतंक के आकाओं को साफ चेतावनी दे दी थी कि उन्हें कल्पना से परे जवाब मिलेगा। भारतीय सेना ने बुधवार आधी रात पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने को जिस तरह से नेस्तनाबूद किया है। इसके अलावा 100 से ज्यादा आतंकियों को भारतीय जवानो ने मार गिराया। भारतीय सेना ने ड्रोन और अत्याधुनिक हथियारों से ताबड़तोड़ 24 अटैक कर पाकिस्तान की नींद उड़ा दी। इतना ही नहीं पाकिस्तान में आतंकियों की लाशें बिछा दी। भारत ने मिसाइल से हमला कर पाकिस्तान को धुआं-धुआं कर दिया। भारत की इस कार्रवाई की पाकिस्तान को भनक नहीं लग पाई, जब तक पाकिस्तान कोई कदम उठाता तब तक भारत ने काम तमाम कर दिया।

भारत ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाया

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया। वीडियो में आतंकी ठिकानों को तबाह करने की आवाजें साफ तौर पर सुनी गईं। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद को बड़ी चोट दी है। भारतीय विमानों की गड़गड़ाहट के बीच ऑपरेशन जैश-ए-मोहम्मद का ठिकाना नेस्तनाबूद हो गया। बहावलपुर में जैश का मर्कज सुभान अल्लाह तबाह हो गया। धमाकों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा तो वहीं मुरीदके में मरकज ए तैयबा को भी उड़ा दिया गया। मरकज में लश्कर के आतंकी ट्रेनिंग लिया करते थे। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, लाहौर और पंजाब में स्थित आतंकी ठिकानों पर करारा हमला किया है। जिन ठिकानों पर हमले हुए हैं, उनमें लाहौर स्थित मुरिदके मस्जिद भी है। यह हाफिज सईद की मस्जिद है, जहां कसाब ने ट्रेनिंग ली थी। भारत का पहला निशाना यही मस्जिद थी। पीओके में मुजफ्फराबाद की 2 आतंकी ठिकाने ध्वस्त हुई हैं, जहां आतंकी ट्रेनिंग लेते थे। यहां आतंकियों को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जाती थी। इसके अलावा, मंसहरा और कराची में अन्य चार मस्जिदों को भी बम और मिसाइलों से उड़ा दिया गया है। यह भी आतंकियों की भर्ती का केंद्र थी।

भारतीय सेना के ऑपरेशन की तारीफ

भारतीय सेना के ऑपरेशन की देश भर में तारीफ हो रही है। पूरा देश जय हिंद के नारों से गूंज उठा है। राजनेता, अभिनेता सहित तमाम बड़े चेहरों के रिएक्शन सामने आए हैं। भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद लोगों के चेहरों गजब का जोश नजर आ रहा है और लोग 'भारत माता की जय' और जय हिंद के नारे अपने-अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर खत्म होने के साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने x हैंडल पर रात दो बजकर 46 मिनट पर भारत माता की जय लिखा वहीं। इसके बाद बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने भी जय हिंद जय हिंद की सेना लिखा। इसके बाद से देशभर के बड़े नेता और अभिनेता तक ऑपरेशन सिंदूर को लेकर इंडियन आर्मी की हौसला आफजाई कर रहे हैं।

मसूद अजहर अपनों की मौत पर फूट-फूटकर रोया

मसूद अजहर ने बयान जारी कर बताया है कि हमले में उसके परिजनों के अलावा चार करीबी सहयोगी भी मारे गए हैं। बहावलपुर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हुए हमले में जैश ए मोहम्मद चीफ मसूद अजहर की बड़ी बहन और उसके पति, भांजे और उसकी पत्नी और अन्य भतीजों और परिवार के पांच बच्चों की मौत हुई है। हमले में मसूद अजहर के करीबी सहयोगी और उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगियों की भी मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में अपनों के मारे जाने पर मसूद अजहर फूट-फूटकर रोया। भारत के हमले में आतंकी कारी मोहम्मद इकबाल की भी मौत हुई है। कारी इकबाल ही कोटली में चलने वाले आतंकी कैंपों का कमांडर था। कारी इकबाल के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बिलाल आतंकी कैंप के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है।

जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय है मरकज सुभान अल्लाह

मरकज सुभान अल्लाह कराची-तोरखाम राजमार्ग पर बहावलपुर के बाहरी इलाके में स्थित है। यह जैश ए मोहम्मद का मुख्य आतंकी प्रशिक्षण केंद्र है, जो 15 एकड़ इलाके में फैला है। मरकज सुभान अल्लाह जैश का संचालनात्मक मुख्यालय माना जाता है और 2019 में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले की योजना यहीं बनाई गई थी। मौलाना मसूद अजहर का घर मरकज सुभान अल्लाह में ही है, लेकिन फिलहाल पाकिस्तानी सेना ने उसे भारत के हमले के डर से किसी अज्ञात स्थान पर छिपाया हुआ है। जैश ए मोहम्मद को भारत ने साल 2001 में भारत ने आतंकी संगठन घोषित किया था। उसके बाद से कई अन्य देश भी इसे आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं। मरकज सुभान अल्लाह का निर्माण साल 2015 में हुआ है और इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने फंडिंग दी। साथ ही जैश ने अरब और अफ्रीकी देशों से भी फंड इकट्ठा किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में अलर्ट

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई के तौर पर 6-7 मई की रात पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर जोरदार हमला किया और उसे नेस्तनाबूद कर दिया। भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत मिसाइल हमलों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव अपने चर पर है। इसके चलते देश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसके चलते उत्तरी और पश्चिमी भारत के कम से कम 18 एयरपोर्ट्स को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इन बंद एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं।

200 से ज्यादा उड़ाने रद्द

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फ्लाइट ऑपरेशन्स पर भारी असर पड़ा है। अब तक 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। अकेले इंडिगो ने लगभग 165 फ्लाइट कैंसिल की हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से भी 35 से ज्यादा फ्लाइट्स (23 डिपार्चर, 8 अराइवल और 4 इंटरनेशनल फ्लाइट्स) रद्द कर दी गई हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार को श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर और जोधपुर के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसकी जानकारी देते हुए एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत में उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। साथ ही इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके। बता दें कि कुल मिलाकर इंडिगो ने 165 फ्लाइट कैंसिल की है।

पाक सेना की गोलीबारी में पुंछ में दस लोगों की मौत

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी सेना ने रातभर दर्जनों अग्रिम गांवों पर गोलाबारी की, जिसमें एक महिला और दो बच्चों समेत दस लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए हैं। सभी सात मौतें पुंछ में हुई हैं, गोलीबारी में सबसे ज्यादा प्रभावित पुंछ ही हुआ है। पाकिस्तानी सेना ने पुंछ, राजौरी और उरी में गोलीबारी की है। गोलीबारी में घरों को भी नुकसान पहुंचा है। कई वाहन जल गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने उत्तरी कश्मीर के तंगधार में नियंत्रण रेखा के पास आम कश्मीरी नागरिकों को निशाना बनाया है। तोपखाने की गोलाबारी में एक कश्मीरी नागरिक का पूरा घर जलकर खाक हो गया। रक्षा सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर भारत द्वारा मिसाइल हमले किए जाने के बाद पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। इस पर भारतीय सेना भी जवाबी कार्रवाई की है। सूत्रों ने बताया कि छह और सात मई की रात में पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकियों से जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भारी गोलीबारी की है। तंगधार में नियंत्रण रेखा के पास मनमाने तरीके से गोलीबारी की। पाकिस्तान की ओर से पुंछ में की गई अंधाधुंध गोलीबारी में दस नागरिकों की जान चली गई। जबकि 50 से अधिक घायल हो गए हैं।

बलूचों ने मार डाले 14 पाकिस्तानी सैनिक

भारत द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर की गई एयरस्ट्राइक से पहले पाकिस्तान को बलूचिस्तान से भी झटका मिला है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसके स्वतंत्रता सेनानियों ने दो अलग-अलग हमलों में पाकिस्तान सेना के 14 जवानों को मार गिराया है। बीएलए के प्रवक्ता जियंद बलोच के अनुसार, पहला हमला बोलन के माच इलाके में शोरकंद क्षेत्र में किया गया, जहां पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाकर रिमोट कंट्रोल्ड इक्षड़ से हमला किया गया। इस विस्फोट में सेना की एक गाड़ी पूरी तरह तबाह हो गई और 12 सैनिक मारे गए। मरने वालों में पाकिस्तानी सेना का स्पेशल ऑपरेशंस कमांडर तारीक इमरान और सुबेदार उमर फारूक भी शामिल हैं।

आतंकियों के ये ठिकाने तबाह

सेना ने एयर स्ट्राइक के 9:30 घंटे बाद सुबह 10:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी और आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1:05 बजे और 1:30 बजे के बीच ऑपरेशन हुआ। 25 मिनट में पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए।

पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी।

मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी।

कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पुंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे।

भिम्बर का बरनाला कैंप। यहां हथियार चलाना सिखाया जाता है।

कोटली का अब्बास कैंप। यह एलओसी से 13 किमी दूर है। यहां फिदायीन तैयार होते हैं।

सियालकोट का सरजल कैंप। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या के आतंकवादियों को यहीं ट्रेन किया गया था।

सियालकोट का हिजबुल महमूना जाया कैंप। पठानकोट हमला यहीं प्लान किया गया।

मुरीदके का मरकज तैयबा कैंप। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे।।

मस्जिद सुभान अल्लाह बहावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था। यहां रिक्रूटमेंट, ट्रेनिंग दी जाती थी। बड़े अफसर यहां आते थे।

छग में लाल आतंक पर प्रहार, करेंगुट्टा में 40 से अधिक नक्सली ढेर

बीजापुर। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के करेंगुट्टा इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। अब तक 22 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कुल मारे गए नक्सलियों की संख्या 40 से अधिक बताई जा रही है। यह मुठभेड़ करेंगुट्टा और नम्बी के बीच स्थित एक पहाड़ी क्षेत्र में हुई, जो कि घने जंगलों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला इलाका माना जाता है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत चल रहे ऑपरेशन के 16वें दिन सुरक्षाबलों को यह बड़ी सफलता हाथ लगी है।

सूत्रों के अनुसार, मारे गए नक्सलियों के बरामद हुए शवों को नम्बी लाया गया है। सुरक्षाबल अब भी इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं और बाकी नक्सलियों के शवों को लाने की तैयारी की जा रही है। माना जा रहा है कि नक्सली अपने कई साथियों के शव लेकर भाग भी चुके हो, जिसकी पुष्टि के लिए सर्च ऑपरेशन को और तेज किया गया है।

लगातार दबाव में नक्सली

करेंगुट्टा में पिछले दो सप्ताह से चल रहा ऑपरेशन नक्सलियों पर बड़ा दबाव बना रहा है। सुरक्षाबलों ने रणनीतिक ढंग से जंगलों में गश्त और घेराबंदी तेज कर रखी थी। इस मुठभेड़ को अब तक का सबसे बड़ा मुठभेड़ माना जा रहा है, जिसमें नक्सलियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है।

स्थानीय ग्रामीणों से भी जुटाई जा रही जानकारी

सुरक्षाबल स्थानीय ग्रामीणों से भी संपर्क कर नक्सल गतिविधियों की जानकारी जुटा रहे हैं। साथ ही, आशंका जताई जा रही है कि इलाके में कुछ और नक्सली दल छिपे हो सकते हैं, जिसके चलते सर्च ऑपरेशन को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

2040 तक भारतीय एस्ट्रोनॉट चांद पर जाएगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय एस्ट्रोनॉट 2040 तक चंद्रमा पर पहुंचेगा। आने वाले हफ्तों में एक भारतीय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में जाने वाला है। भारत के लिए यह गर्व की बात है। चंद्रमा के अलावा मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं। पीएम मोदी बुधवार को स्पेस एक्सप्लोरेशन पर ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। पीएम ने कहा कि चंद्रयान- 1 ने चंद्रमा पर पानी की खोज में मदद की। चंद्रयान-2 मिशन कामयाब रहा। चंद्रयान-2 हाई रेजोल्यूशन तस्वीरें भेजी थीं। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के साउथ पोल के बारे में हमारी समझ और बढ़ाई है। हमने रिकॉर्ड टाइम में क्रायोजनिक इंजन बनाया है। हमने एक ही लॉन्चिंग में 100 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे। हम 34 देशों के 400 से ज्यादा सैटेलाइट्स भेज चुके हैं।

स्पेस सेक्टर में भारत की यात्रा शानदार रही है

पीएम मोदी ने कहा, अंतरिक्ष सिर्फ एक गंतव्य नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्रा इसी भावना को दर्शाती है। 1963 में एक छोटे रॉकेट को लॉन्च करने से लेकर चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनने तक, हमारी यात्रा उल्लेखनीय रही है। अंतरिक्ष में भारत की जर्नी सराहनीय है। हमारे रॉकेट पेलोड से कहीं ज्यादा ले जाते हैं। भारत के पूर्व छात्र महत्वपूर्ण वैज्ञानिक मील के पत्थर हैं। पीएम ने कहा कि हमने स्पेस में दो सैटेलाइट्स की डॉकिंग की, यह अपने आप में बेहद खास है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा का मकसद किसी अन्य देश के साथ रेस लगाना नहीं है, इसमें सबको साथ लेकर ऊंचाई तक जाना है।

चिन्नौर चावल की ऑफलाइन और ऑनलाइन मार्केटिंग की स्ट्रेटजी बनाई जाएगी

कृषि विभाग के पास मार्केटिंग का कोई प्लान नहीं, 15 दिन पूर्व दिए निर्देश पर भी तैयारी नही, नरवाई जलाने पर प्रकरण भी बनाये, साथ ही विकल्प भी उपलब्ध कराएं, कृषि विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। 15 दिन पूर्व कलेक्टर मृणाल मीना ने कृषि उपसंचालक को जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल की मार्केटिंग स्ट्रेटजी बनाने के निर्देश दिए गए थे। बुधवार को आयोजित बैठक में जब चिन्नौर चावल की मार्केटिंग के सम्बंध में जानकारी ली गई तो कृषि उपसंचालक श्री राजेश खोब्रागढ़े कोई स्ट्रेटजी नही बता पाएं। कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त करते हुए 15 दिनों और अतिरिक्त समय दिया है। अब इसके लिए कृषि विभाग और कृषि मंडी के व चिन्नौर चावल के नोडल अधिकारी मनोज पटले ऑफलाइन और ऑनलाईन दोनों तरह की स्ट्रेटजी बनाकर प्रस्तुत करेंगे। कृषि विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने नरवाई प्रबंधन के सम्बंध में भी जानकारी ली। कृषि उपसंचालक श्री खोब्रागढ़े ने बताया कि सेटेलाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 नरवाई जलाने की घटनाएं रिकॉर्ड हुई है। इनमें से 2 पर एफआईआर दर्ज और दोनों पर ही

अर्थदंड भी किया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि अब तक विभाग मौखिक ही सुझाव दे रहा है। किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए उपयुक्त यंत्रों की जानकारियों के साथ वे यंत्र योजनाओं के माध्यम उपलब्ध भी कराएं। कलेक्टर श्री मीना ने नरवाई प्रबंधन में उपयोगी कृषि यंत्र सुपर बेलर के लिए 50 और सुपर सीडर के क्लियर 70 से 80 यंत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है।

प्रदेश के बड़े नगरों में चिंनोर के स्टॉल लगाने के भी निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य रूप से चिन्नौर चावल की मार्केटिंग के लिए प्रदेश के 10 बड़े शहरों में ऑफलाइन स्टॉल लगाने की तैयारियां करने के निर्देश दिए है। साथ ही एफपीओ के माध्यम से चिन्नौर की अलग अलग स्थानों पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए है। बैठक में आत्मा परियोजना की परियोजना संचालक अर्चना डोंगरे सहित कृषि विभाग के एसडीओ व एसएडीओ भी मौजूद रहे।

शासकीय हाईस्कूल हिर्री की छात्रा पल्लवी कौशल ने 98.4 प्रतिशत लेकर प्रदेश की प्रावीण्य सूची मे पाया नौवां स्थान

किरनापुर(पद्मेश न्यूज) । क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलगांव के पोषित ग्राम गोपालपुर निवासी देवेंद्र कौशल तथा पदमा कौशल की सुपुत्री कुमारी

पल्लवी कौशल ने माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल की हाइस्कूल कक्षा 10 वी बोर्ड परीक्षा में जिले में 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय से प्रथम स्थान तथा मध्यप्रदेश की प्रावीण्य सूची में 9 वा स्थान प्राप्त कर अपने माता,पिता विद्यालय शासकीय कन्या हाइस्कूल हिर्री तथा जिले और तहसील तथा परिवार का नाम रोशन कर सभी को गौरवान्वित किया है। कुमारी पल्लवी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता के साथ गुरुजनों को देते हुए सिविल सेवा के क्षेत्र मे जाकर देश की सेवा करने की बात कही है। छात्रा की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य के एस मरावी, अनिता बढ़ई, ज्योति चित्रिव,निधि पारधी, तेजलाल देवे, शैलेन्द्र बोपचे,सीमा गेडाम, सुरेखा भीमटे, नितेश राहंगडाले, प्रभा सोनी, पवन कुमार बिसेन, आर के दोनोडे, साधना गोंडाने, अनुपमा भारद्वाज, गीता चौधरी सहित समस्त विद्यालय परिवार एवं नाते रिश्तेदारों ने बधाईयां देते हुए छात्रा पल्लवी के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शासकीय हाइस्कूल बेलगांव का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल बेलगांव विकासखण्ड किरनापुर का कक्षा दसवी का वार्षिक परीक्षा परिणाम सत्र 2024-25 का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। जानकारी मे विद्यालय के

प्राचार्य श्री गणेश प्रसाद सोनी ने बताया कि विद्यालय के 33 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे । जिसमें 26 विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए ।प्रथम स्थान स्वाति समरीते 87 प्रतिशत अंक लेकर प्राप्त किया। उसी प्रकार द्वितीय स्थान आराधना रहांगडाले 85त्न,तृतीय स्थान अरमान तुरकर 82.8त्न विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 90 त्न रहा ।विद्यालय के प्राचार्य श्री गणेश प्रसाद सोनी श्री हेमराज कावड़े श्री किशोर कुमार सिरसाज, श्री निकेश कुमार गौतम, श्री शिवकुमार मेश्राम,श्री राजेन्द्र कुमार पारधी ,श्री राजेश कुमार वंजारी ,श्री रंजित रहांगडाले पदस्थ सभी शिक्षको ने अपने कर्तव्य निष्णा के साथ कार्य कर विद्यालय के परीक्षा परिणाम को गौरवांवित किया। विद्यालय के समस्त शिक्षक समुदाय की ओर से परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियो को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विद्या भारती सरस्वती हाईस्कूल किरनापुर के छात्र संदीप सिंह लिल्हारे ने प्रदेश में लहराया परचम

किरनपुर(पद्मेश न्यूज)। हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा कक्षा दसवीं मे सत्र 2024- 25 में विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर हाईस्कूल किरनापुर के छात्र संदीप सिंह लिल्हारे पिता गोवर्धन लिल्हारे ने 491 अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रवीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय

ही नहीं अपितु पूरे जिले का नाम रोशन किया । जानकारी मे विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम 92.2 प्रतिशत रहा। जिनमें 90 प्रतिशत से ऊपर 11 छात्रों ने बाजी मारी और 80 प्रतिशत से ऊपर 16 छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया जो इस प्रकार है संदिप सिंह लिल्हारे 98.2 प्रतिशत अंक,लियाना मर्सकोले 97.6,प्राची भोंगाडे 96.8,श्वेता खोटेले 94.4 ,प्रगति भण्डारकर 94,अथर्व बोरकर 94,आरोही तिवारी 92.2,आंचल पालेवार 92,मुदित तिवारी 91.6,दिपांशी पांडे 91 ,प्रियांशी सिरसागंज 90.6,सपना बागडे 90.2,मेघा धारणे 89.6,मोहिनी गेडाम 89.4,यश पटले 88.4,शूभम सूर्यवंशी 86.2,साक्षी नेवारे 85.4,आदित्य भूते 85,नंदिनी नेरकर 84.8 ,प्राची बागडे 84.4,गरिमा सोनी 84,नैतिक मराठे 83,अभिजीत सिंह तोमर 82.4 सिया जमाने 82,मयंक मातरे 81.6,साहिल भूते 81.6,रिषभ गौतम 80.6,मयूर देशमुख 80 प्रतिशत अंक हासिल किया है। समस्त भैया बहिनों की इस गौरवपूर्ण सफलता पर विद्यालय के अध्यक्ष,व्यवस्थापक ,समस्त समिति सदस्य एवं विद्यालय के प्राचार्य , सभी आचार्य आचार्याओ ने इन सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम के साथ सार्थक पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज) । मध्य प्रदेश बोर्ड भोपाल द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025 का रिजल्ट 6 मई 2025 को घोषित किया गया जिसमें किरनापुर नगर की अंग्रेजी माध्यम की अग्रणी शिक्षण संस्थान बाबा जुमदेवजी जनकल्याण समिति वारा किरनापुर द्वारा संचालित सार्थक पब्लिक स्कूल किरनापुर की कक्षा 10वी की छात्रा तनवी पिता रामकुमार राणा ने 96.8 प्रतिशत प्राप्त कर सार्थक स्कूल का नाम रोशन किया ,साथ ही किरनापुर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं कक्षा 12वी में साइंस ग्रुप की छात्रा समीक्षा वैद्य ने स्कूल में टॉप किया है ।कक्षा 10वी में पायल सूर्यवंशी 95.5 प्रतिशत, पूर्वज नागफासे 95.2 प्रतिशत,गुंजल डोंगरे 93.6,आर्या भास्कर 93.2 प्रतिशत,शिखर दशहरे 93.2,गोकुल चौधरी 90प्रतिशत,अर्चना पांचे 88.8त्न,जिज्ञासा खरे 86.2त्न,हरप्रीत सिंह ग्रोवर 85.4त्न अंक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया है ।संस्था प्रमुख इंजीनियर जितेंद्र भोंडेकर , एवं शिक्षकों ने सभी बच्चों के शानदार प्रदर्शन के लिए बच्चों को ढेरों शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मौलाना आजाद हायर सेकेंडरी स्कूल डोगरिया का सराहनीय रहा परीक्षा परिणाम

बायोलॉजी साइंस विषय मे हाफिज जियाउल्लाह अंसारी रहे प्रथम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मौलाना आजाद एजुकेशन सोसाइटी डोगरिया(कायदी) जिला बालाघाट द्वारा संचालित मौलाना आजाद हायर सेकेंडरी स्कूल का बोर्ड परीक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम 91 प्रतिशत रहा ।बता दे की माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र.भोपाल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा 2025 में मौलाना आजाद हायर सेकेंडरी स्कूल से कक्षा दसवीं में तौफिक सिद्दीकी ने 85प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह अबू तल्हा अल्तमश ने 83प्रतिशत ,रेहान अख्तर कुरैशी ने 74प्रतिशत, मुनीबुररहमान ने 66प्रतिशत, मुदस्सिर अंसारी में 64प्रतिशत, मोहम्मद आकिब खान ने 63प्रतिशत, मोहम्मद हाशिम जमाल ने 61प्रतिशत

अंक लेकर स्कूल की टॉप लिस्ट में स्थान प्राप्त किए हैं ।वही हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा (12वीं)में बायोलॉजी साइंस विषय मे जियाउल्लाह अंसारी ने 74प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया ।इसी तरह मोहम्मद नूरुल हुदा ने 70प्रतिशत मोहम्मद शोएब ने 69.5 प्रतिशत मोहम्मद अरमान ने 69प्रतिशत शाहनवाज खान ने 65प्रतिशत सिबगतउल्ला खान ने 64.3प्रतिशत लेकर स्कूल की टॉप लिस्ट में स्थान प्राप्त किए हैं।

आधुनिक शिक्षा से जुड़े मदरसे के बच्चे

यहां एक बात विशेष तौर से उल्लेखनीय है कि मौलाना आजाद एजुकेशन सोसाइटी द्वारा उक्त हायर सेकेंडरी स्कूल को विशेष तौर पर मदरसे के बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए संचालित किया जाता है ।इसमें हाई स्कूल की मेरिट लिस्ट में आए सभी बच्चे कुरान हिफ्ज कर रहे हैं। तथा हायर सेकेंडरी (12वीं)में प्रथम स्थान प्राप्त जियाउल्लाह अंसारी मुकम्मल हाफिज है एवं अन्य सभी बच्चे भी कुरान हिफ्ज कर रहे हैं ।इस अवसर पर समिति के सचिव डॉक्टर फारूक अहमद अंसारी संस्था के नाजिम (प्रबंधक) मौलाना मोहम्मद इरशाद साहब ,स्कूल के प्राचार्य मोहम्मद रफीक साहब एवं सभी स्टाफ ने खुशी का इजहार किया तथा छात्रों एवं उनके अभिभावकों को बधाई प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

संदीपनि विद्यालय मलांज खण्ड का उत्कृष्ट रहा परीक्षा परिणाम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 6 मई को घोषित हाई स्कूल और हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा 2025 के परिणामों में संदीपनि विद्यालय मलांजखण्ड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस वर्ष हाईस्कूल का 98.11 प्रतिशत और हायर सेकंडरी का परीक्षा परिणाम 98.7 प्रतिशत रहा। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में कृतिका तुरकर ने 91.8 प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि वैभव बेरकर ने 91.2 प्रतिशत प्राप्त कर द्वितीय स्थान और खुशबू बंजारा ने 91 प्रतिशत प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। 10 वी कक्षा में 106 विद्यार्थियों में से 72 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में, 30 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में तथा 02 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, केवल 02 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। वही हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा में वाणिज्य संकाय की छात्रा सुम्मैया खान ने 85.4 प्रतिशत प्राप्त कर शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जीव विज्ञान संकाय की छात्रा साक्षी अर्मो ने 81.8 प्रतिशत प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, कला संकाय की छात्रा चित्ररेखा यादव ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा गणित संकाय की छात्रा तुलसी साहू ने 79.2 प्रतिशत प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12 वी में कुल 79 विद्यार्थियों में से 68 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में, 10 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण रहे, केवल 01 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहा। हायर सेकंडरी में गणित संकाय, जीव विज्ञान संकाय, कला संकाय और वाणिज्य संकाय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा और कृषि संकाय में 1 छात्र के अनुत्तीर्ण होने के कारण परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत नहीं रहा। विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों ने इस उत्कृष्ट परिणाम के लिए छात्रों की मेहनत और समर्पण को श्रेय दिया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के कुशल मार्गदर्शन और संस्था प्राचार्य के कुशल नेतृत्व ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी छात्रों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रो का भी परीक्षा परिणाम अतुलनीय

10 वीं का परिणाम 94.58 प्रतिशत तो 12वी का 85.46 प्रतिशत रहा परिणाम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा मंगलवार को कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें बालाघाट जिले का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 88.07 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का परिणाम 80.01 प्रतिशत रहा। प्रभारी जनजातीय सहायक आयुक्त श्री राहुल नायक ने जानकारी देकर बताया कि बालाघाट जिले के आदिवासी विकासखंड बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा में संचालित संस्थाओं का भी परीक्षा परिणाम काफी सराहनीय रहा। जिसमे कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 94.58 प्रतिशत तथा कक्षा 12वी का परिणाम 85.46 रहा। जो जिले के परीक्षा परिणाम से कक्षा 10वीं का 6.51 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 5.45 प्रतिशत से अधिक है।

इस वर्ष 18 संस्थाओं का 100 प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

प्रभारी जनजातीय सहायक आयुक्त श्री नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 संस्थाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। इन 18 संस्थाओं में कक्षा 10वीं की 12 संस्थायें शाउमावि भंडेरी, सीएम राईज आमगांव, शासउमावि विठली, शास हाई स्कूल जैतपुरी, शास हाई स्कूल मोवाला, शास हाई स्कूल समनापुर, शासउमावि डाबरी, शास कन्या हाई स्कूल मौहगांव, शास हाई स्कूल कन्या दमोह, शास हाई स्कूल जमुनिया, शास हाई स्कूल सोनगुडडा, शासउमावि रेलवाही, शास हाई स्कूल पण्ड्रापानी, शासउमावि गुदमा, शासउमावि कन्या उकवा, शास हाई स्कूल कन्या लिंगा और शास हाई स्कूल खुरमुंडी, शासउमावि कुमादेही शामिल है। इसी तरह कक्षा 12वीं की 06 संस्थाओं में शासउमावि बिठली, शास उमावि भंडेरी, शास उमावि रेलवाही, शास उमावि डाबरी, शासउमावि मानेगांव, शासउमावि गुदमा रही। वहीं कक्षा 10वीं में शासकीय बालक उमावि उकवा में एक बालक का नाम प्रदेश की मेरिट सूची मैं आठवां स्थान प्राप्त किया है।

शहंशाह ए भरवेली पीर बाबा के उर्स मुबारक पर निकाला गया शाही संदल

लंगर ए आम और अजीमो शान कव्वाली सहित विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन बुधवार सुबह कुल शरीफ की फातिया के साथ उर्स का किया गया समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी शहंशाह ए भरवेली हजरत सैय्यद पीर बाबा चिश्ती र. ह. अलैह के सालाना उर्स मुबारक पर रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।

जिसकी शुरुआत 5 मई को दरगाह शरीफ में गुस्ल शरीफ, कुरान खानी और मिलाद शरीफ के साथ की गई थी ।बाबा के इस 44वे सालाना उर्स मुबारक पर उस कमेटी की जानिब से 3 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।जिसके तहत 6 मई मंगलवार की देर शाम उर्स मुबारक के मौके पर मगरिब की नमाज के बाद खादिम के घर से बाबा के आस्ताने के लिए शाही संदल निकाला गया ।उर्स मुबारक पर निकाले गए इस शाही संदल में भरवेली, बालाघाट, नागपुर सहित अन्य जगहों से बाबा के चाहने वाले अकीदत मंद काफी तादाद में शामिल हुए ।इस शाही संदल में आखड़े को भी शामिल किया गया। जिसमे युवाओं द्वारा लट्ठ घुमने का करतब दिखया गया ।देर शाम उर्स मुबारक के अवसर पर निकाला गया यहां शाही संदल भरवेली से हीरापुर, इमली टेकरा कॉलोनी, से सिवनी कैंप परिसर का गस्त करते हुए बाजार चौक से सीधे दरबार शरीफ पहुँचा। जहां बाबा के आस्ताने में इस उर्स और संदल में उपस्थित अकीदतमन्दों द्वारा फूल चादर पेश कर देश में अमनो आमान की दुआएं की गई। तो वही रात को लंगर ए आम का आयोजन किया गया ।जिसके उपरांत दरगाह परिसर में रात्रि में ईशा की नमाज के बाद शमा महफिल का आयोजन किया गया। जिसमें अजमेरी ग्रुप से कव्वाल जनाब राजिक खान अजमेरी ने एक से बढ़कर एक कलाम पेश किए ।वही इसके अगले दिन बुधवार 7 मई को कुल शरीफ की फातिहा के बाद 3 दिवसीय उर्स मुबारक का समापन किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत हट्टा जनपद पंचायत बालाघाट

आम सूचना

(नीलामी 13/05/2025)

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की स्थावर सम्पति हाई स्कूल चौक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स कुल कमरों की संख्या 09 नीलामी 13/05/2025 दिन मंगलवार को समय प्रात: 10.30 बजे से ग्राम पंचायत कार्यालय हटटा में निर्धारित शर्तो के आधार पर किया जावेगा। नीलामी की शर्तें कार्यालीन समय में देखी जा सकती है। ठेके लेने वाले इच्छुक नीलामी समय पर उपस्थित होकर एवं निर्धारित अमानत राशि 11.30 बजे तक जमा कर बोली बोल सकते है। । किन्ही कारणवश नीलामी स्थगित होने पर आगामी तिथि की सूचना ग्राम पंचायत भवन के सूचना पटल पर चस्पा: कर / मुनादी कर की जावेगी।

आवश्यक शर्ते-

1. नीलामी बोली लगाने के पूर्व प्रक्षित कीमत की दस प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। बोली में स्थानीय बोलीकर्ता को प्राथमिकता दी जावेगी।
2. बोलीकर्ता द्वारा बोली पूर्व जमा की गयी अमानत राशि बोली समाप्ति के पश्चात् तक बोलीकर्ता को वापस नही की जावेगी।
3. नीलामी उपरांत सर्वाधिक बोलीकर्ता को पूर्ण राशि निर्धारित किश्तों में जमा करना अनिवार्य होगा ।
4. बोलीकर्ता को पंचायत द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवेदन, बोली लगाने के पूर्व फोटो परिचय पत्र एवं पता हेतू राशनकार्ड की, आधार कार्ड, वोटर आई डी. की स्व प्रमाणित छायाप्रति मोबाईल नंबर जमा करना अनिवार्य होगा ।

टीप:- शर्ते पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है ।

क्रं.	ग्राम पंचायत का नाम	स्थल का नाम	निर्धारित दिन	नीलाम
१	हट्टा	ग्राम पंचायत हट्टा	मंगलवार	कमरों की संख्या 09

राजेंद्र पिछोड़े, सचिव, ग्राम पंचायत हटटा — वीरेंद्र बिसेन, उपसरपंच, ग्राम पंचायत हटटा — उमेश सोनेकर, सरपंच, ग्राम पंचायत हटटा

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि मेरे पूर्व में मेरा नाम. NAVISH FATMA NAHED ALI KHAN था, जिसे बदलकर कर दिया है. NAVISH FATMA HUZAIF ALI कर दिया है.मुझे NAVISH FATMA HUZAIF ALI W/O HUZAIF ALI नाम से जाना पहचाना जाए।

सही
NAVISH FATMA HUZAIF ALI
W.N.12.आबकारी टोला बैहर
जिला-बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत पाथरी जनपद पंचायत किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पाथरी मे वित्तिय वर्ष 2025-26 मे मनरेगा,5 वां वित्त राज्य आयोग,15 वां वित्त आयोग,विधायक/ सांसद विकास निधि,सर्व शिक्षा,परफार्मेंस ग्रांट, एसबीएम, जनपद एवं जिला स्तर के कार्य एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत निर्माण कार्यों हेतु आरसीसी पाईप,पुलिया,चेक डैम/स्टॉप डेम, सीसी सड़क, आरसीसी नाली निर्माण, शासकीय भवन निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत, खराड़ी, मुरम, मिट्टी परिवहन, सीमेंट गिट्टी, लोहा आदि क्रय करने तथा वाईब्रेटर, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग, टेंकर, ट्राली, पम्प, सेनेटरी, नल फिटींग सामग्री, नल जल मोटर रिपेयर सामग्री, एलईडी, लैम्प, बल्ब, स्ट्रीट लाईट, फर्नीचर,कंप्यूटर सामग्री,लैपटॉप, प्रिंटर क्रय व मरमत एवं स्टेशनरी अभिलेख की सामग्री उपलब्ध कराने के लिये निविदा प्रकाशन तिथि के 7 दिनों के भीतर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है ।निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

कांता नगपुरे- सरपंच
संतोष कुथे- उपसरपंच
देवेश्वरी बिसेन- सचिव
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पाथरी

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है, 25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+ मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है

सिविल वर्क/इन्टीरयर वर्क देखरेख हेतु ITI/Polytechnic युवती की आवश्यकता है
वेतन - 10000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ऑपरेशन सिंदूर
जिला अस्पताल में चिकित्सको ने कसी कमर, तो होमगार्ड भी हुआ तैयार

ऑपरेशन सिंदूर को बताया गौरव का पल, फौजियो और देश का हौसला बढ़ाने अस्पताल में जुटे स्वास्थ्य और पुलिस कर्मी, सीएस ने कहा जरूरत पड़ी तो एक का वेतन और ब्लड डोनेट करेंगे स्वास्थ्य कर्मी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पहलगांव आतंकी हमले के बाद मंगलवार की देर रात्रि भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए है। ऑपरेशन सिंदूर का नाम देकर किए गए इस हवाई हमले में पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकाने को निशाना बनाया गया है।जिसमें कई लोगों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर है। मंगलवार देर रात्रि इस जवाबी कार्यवाही के बाद से ही दोनों देशों के बीच भयानक युद्ध छिड़ने की आशंका बनी हुई है।जिसको दृष्टिगत रखते हुए देश भर में फौजियों और देश का हौसला बढ़ाने के लिए माकडील सहित अन्य आयोजन किया जा रहे हैं इसी कड़ी में फौजियो और देश का मनोबल बढ़ाने, जिला अस्पताल में बुधवार 7 मई को सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, पूर्व सीएचएमओ डॉ. मनोज पांडेय, पुलिस अधिकारी, अस्पताल के डॉक्टर्स, स्वास्थ्य कर्मी और पुलिस कर्मियों ने राष्ट्रगान के साथ देश के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। जहां उन्होंने आगामी समय में होने वाली हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने का संकल्प लिया।तो वहीं जरूरत पड़ने पर रक्तदान शिविर लगाने, स्थिति बिगड़ने पर अपनी छुट्टियों को रद्द कर मानव सेवा में लगे रहने और एक दिन का वेतन भारतीय सेना कोष में जमा कराए जाने की भी बात कही।

आज पूरे भारतीय उत्साहित है

इस दौरान सिविल सर्जन, पूर्व सीएचएमओ ने बताया कि किस प्रकार आतंकियों ने 22 अप्रैल को निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी। जिसके जवाब में भारतीय सेना की इस कार्यवाही ने उस गम में उत्साह भरने का काम किया है। आज पूरा भारतीय, उत्साहित है कि देश की भारतीय सेना ने पाक में घुसकर, आतंकियों और उनके ठिकानों को नेस्तानाबूत करने का काम किया है।

सिविल लाइन होमगार्ड कार्यालय में आयोजित की गई विशेष बैठक

उधर सिविल लाइन स्थित होमगार्ड कार्यालय में भी जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर आगामी समय में हर परिस्थिति के लिए तैयार होने के निर्देश दिए गए। जहां नेहरू युवा केंद्र और होमगार्ड इकाई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में युद्ध के दौरान होने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराते हुए सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों की जानकारी दी गई। तो वहीं उन्होंने मानव सेवा के लिए हर समय 24 घंटे तैयार रहने समझाईश दी। इसके अलावा आयोजित इस बैठक में आगामी समय में होने वाली बारिश को देखते हुए जगह-जगह बाढ़ आपदा प्रबंधन आदि की जानकारी देते हुए वहां पर भी मदद के लिए हमेशा तैयार रहने की बात कही गई।

हम सेना को हर सम्भव मदद के लिए तैयार है-निलय जैन

सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि देश की सेना, आतंकियों पर जवाबी कार्यवाही कर रही है। हम, वहां उनका साथ देने तो नहीं जा सकते, लेकिन उनका हौंसला बढ़ाकर, हम उनके साथ होने का भरोसा दिला सकते है। इसी भाव को लेकर, आज जिला अस्पताल में स्वास्थ्य और पुलिसकर्मियों ने मिलकर, भारतीय सेना के शौर्य को याद किया और देश के लिए इस कार्यवाही को गौरांवित करने का पल बताया। उन्होंने बताया कि यदि जरूरत पड़ी तो जिला अस्पताल का सारा स्टॉप डॉक्टर्स, नर्सेस और हर एक स्वास्थ्य कर्मी, सेना वेलफेयर फंड में अपनी एक दिन की वेतन देकर, सेना को आर्थिक और मानसिक मदद देने का काम करेगा। उन्होंने बताया कि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में भारतीय सेना के साथ देश का हर नागरिक खड़ा था, खड़ा है और खड़ा रहेगा।

डिप्टी कलेक्टर ने रात्रि कालीन भ्रमण में छात्रावासों की वर्तमान स्थिति का लिया जायजा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। इन दिनों जिले में स्थित अनुसूचित जनजातीय छात्रावासों की वर्तमान स्थिति, छात्रावासों में छात्रों का रहन सहन एवं छात्रों के खान पान को लेकर डिप्टी कलेक्टर व प्रभारी जनजातीय सहायक आयुक्त राहुल नायक द्वारा जायजा लिया जा रहा है। सोमवार को डिप्टी कलेक्टर नायक द्वारा रात्रिकाल में तहसील कटंगी एवं खैरलांजी के कुल 03 छात्रावासों (आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास कटंगी, आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास खैरलांजी एवं अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास खैरलांजी) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में पायी गई अनियमितता के संबंध में अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा छात्रावास में निवासरत छात्रों से समक्ष में चर्चा की गई। इस दौरान छात्रों द्वारा छात्रावास में हो रही कतिपय समस्या से अवगत कराया गया। समस्याओं पर चर्चा कर डिप्टी कलेक्टर श्री नायक ने शीघ्र समस्या के निवारण के निर्देश दिए। साथ ही छात्रावास अधीक्षक के छात्रावास में उपस्थित नहीं रहने, रात्रि विश्राम न करने एवं छात्रावास में साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखने के फलस्वरूप कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये। वहीं आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास खैरलांजी के निरीक्षण में छात्रावास में ताला बंद रहने एवं संबंधित अधीक्षक के उपस्थित नहीं रहने के संबंध में, अधीक्षक को कारण, कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये। डिप्टी कलेक्टर व जनजातीय सहायक आयुक्त श्री नायक ने छात्रावास में निवासरत छात्रों को गुणवत्ता युक्त, पौष्टिक भोजन एवं छात्रावास में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये गये है।

वर्षो से कम कर रहे मजदूरों को निगम ने किया बेरोजगार

काम से निकाले गए मजदूरों ने जताई आपत्ति, कार्यालय संभागीय प्रबंधक को सौपा ज्ञापन
काम पर वापस रखे जाने की लगाई गुहार, मांग पूरी न होने पर हड़ताल की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों में वन विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले कॉरपोरेशन निगम में पिछले कई वर्षों से काम करने वाले श्रमिकों को काम से निकाला जा रहा है जहां वारासिवनी, लालबर्रा लामता और उकवा सहित अन्य रेंज को मिलाकर अब तक करीब 30 मजदूरों को काम से बंद किया जा चुका है।जिसको लेकर विभिन्न निगम से निकाले गए मजदूर खासा नाराज हैं। जिन्होंने वर्षों से काम कर रहे मजदूरों को अचानक काम से निकालने जाने पर अपनी आपत्ति जताते हुए निकाले गए सभी मजदूरों को वापस काम पर रखे जाने की मांग की है। जहां अपनी इस मांग को लेकर उन्होंने कार्यालय संभागीय प्रबंधक बालाघाट को एक ज्ञापन सौपा है जिसमें उन्होंने वर्षों से काम कर रहे किसी भी मजदूर को बेरोजगार न करने और हाल ही में बजट का हवाला देकर काम से निकाले गए सभी मजदूरों को वापस काम पर रखे जाने की गुहार लगाई है। जहां उन्होंने मांग पूरी न होने पर सभी श्रमिकों को साथ लेकर हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

बजट का बहाना बनाकर अब तक 30 मजदूरों को निकाला जा चुका है- अशोक

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कॉरपोरेशन निगम में काम करने वाले श्रमिक अशोक ने बताया कि वे वर्ष 2009 से कॉरपोरेशन निगम में श्रमिक के पद पर काम कर रहे हैं। जिन्हें 1 मई 2025 को बिना पूर्व कोई सूचना दिए काम से निकाल दिया गया है।उन्हें 1 अप्रैल को रेंज ऑफिस से फोन आया था कि तुम्हें काम से बंद कर दिया गया है रेंजर से बात करो। जब हमने रेंजर मैडम से बात की तो उन्होंने निगम में बजट नहीं होने की बात कहते हुए काम से बंद किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी रेंज से 5-6 श्रमिकों को मिलाकर अब तक करीब 30 मजदूरों को अचानक काम से बंद कर उन्हें बेरोजगार कर दिया गया है। जबकि यह मजदूर पिछले 10-15 वर्षों से निगम में काम कर रहे हैं। ऐसे समय में हमारे परिवार का पालन पोषण कैसे होगा यह समझ नहीं आ रहा है। जबकि पिछले वर्ष 2024 में काम करने के लिए निगम में कुछ मजदूरों की भर्ती भी की गई है।यदि बजट की ही दिक्कत है तो नए मजदूरों को काम से निकलना चाहिए लेकिन यहां वर्षों पुराने मजदूरों को काम से निकालकर उन्हें बेरोजगार करने का काम किया जा रहा है। हमारी मांग है कि यदि काम से निकलना है तो सभी मजदूरों को बाहर निकाले या फिर निकाले गए सभी मजदूरों को दोबारा काम दिया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो समस्त मजदूरों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन कर हड़ताल की जाएगी।

कोटवार संघ ने तहसीलदार पर लगाया अपमानित करने का आरोप

अपशब्द कहे जाने पर जताई नाराजगी,सौपा ज्ञापन, कोटवारों को अपमानित करने वाली घटनाओं पर रोक लगाने की करी मांग, मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर में एक तहसीलदार द्वारा कोटवार को अपशब्द कहकर अपमानित करने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिस पर अपनी कड़ी नाराजगी जताते हुए मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए मामले की जांच कर आए दिनों होने वाली ऐसी घटनाओं पर रोक लगाए जाने की मांग की है। उन्होंने अधिकारी वर्ग द्वारा कोटवार वर्ग को इसी तरह से अपमानित करने व अपशब्दों पर लगाम न लगाने पर कोटवार संघ के बैनर तले आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

ऐसे शब्द हमारे आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं

मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया कि बैहर कोटवार परमेश्वर दास टाड़िया 23 अप्रैल को बैहर तहसील कार्यालय में मासिक ड्यूटी करने गए थे।जहां एक तहसीलदार द्वारा सिविल ड्रेस में होने की वजह से उन्हें अपशब्द बोलकर अपमानित किया गया है,यह अपमान कोटवार संघ के लिये निदंनीय है साथ ही कोटवार संघ के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटना है। जिसके उपरांत कोटवार परमेश्वर दास टाडिया द्वारा कोटवार संघ बैहर अध्यक्ष को मामले की जानकारी दी गई ।जिसपर 24 अप्रैल को कोटवार संघ की बैठक आहूत की गई।जिसमें में यह चर्चा की गई तहसीलदार द्वारा बोला गया अपशब्द कोटवार संघ के लिये न्यायोचित नही है एवं कोटवार संघ के लिये दुखद है।हमारी मांग है की ऐसी मनमानी एवं अपशब्दों पर रोक के लिए उचित कदम उठाया जाए।यदि हमारी इस समस्या का निराकरण नही किया जाता तो कोटवार संघ द्वारा आगामी समय में आदोंलन किया जाएगा।

हम छोटे कर्मचारियों को अपशब्द कहकर अपमानित न किया जाए- दीपक

सौपे गए ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ तहसील बैहर अध्यक्ष दीपक कुमार उईके ने बताया कि अभी 15 दिन पूर्व तहसीलदार बैहर में आए थे जिनकी मानसिक ड्यूटी के तहत एक कोटवार सिविल ड्रेस में तहसील कार्यालय पहुंचा था।जिसे तहसीलदार ने अपशब्द कहकर अपमानित किया गाली-गलौज की। हमारी मांग है कि हम छोटे कर्मचारी हैं हमारी ड्यूटी लगाई जाए लेकिन इस तरह अपशब्दों का उपयोग कर छोटे कर्मचारियों को अपमानित न किया जाए। इसी मांग को लेकर आज हम कलेक्टर कार्यालय आए हैं।

अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार

एक युवक की मौत-एक युवक घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाना अंतर्गत रजेगांव का रोड पर स्थित ग्राम परसवाड़ा और हल्बीटोला के बीच अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं एक युवक घायल हो गया। घायल युवक हंसराज नगपुरे 35 वर्ष ग्राम जाम थाना लालबर्रा निवासी है। 6 मई की रात्रि यह घटना उस समय हुई जब दोनों युवक के किरनापुर के सिवनी खुर्द शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। घायल युवक के हंसराज नगपुरे को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है मृतक युवक राजू उर्फ धर्मेंद्र पिता मोतीलाल धामड़े 27 वर्ष ग्राम जाम लालबर्रा निवासी है जिसकी लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोतीलाल धामड़े ग्राम जाम निवासी खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी और दो बेटे है।बड़ा बेटा बस ड्राइवर है। राजू उर्फ धर्मेंद्र बालाघाट में रहकर प्राइवेट जॉब कर रहा था। 6 मई को रात्रि में राजू उर्फ धर्मेंद्र धामड़े अपने गांव के हंसराज नगपुरे के साथ मोटरसाइकिल में किरनापुर क्षेत्र में आने वाले ग्राम सिवनी खुर्द शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। और शादी में शामिल होने के बाद रात्रि 11:00 बजे करीब दोनों मोटरसाइकिल में सिवनी खुद से अपने घर जाम लौट रहे थे। तभी किरनापुर से रजेगांव की ओर आते समय ग्राम हल्बीटोला और परसवाड़ा के बीच कोई अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया ।अज्ञात वाहन की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार राजू उर्फ धर्मेंद्र धामड़े की मौत हो गई वहीं हंसराज नगपुरे घायल हो गया जिससे किरनापुर अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। 7 मई को किरनापुर पुलिस ने मृतक युवक राजू उर्फ धर्मेंद्र धामड़े की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

गर्रा माध्यमिक स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल के परीक्षा परिणाम रहे शत प्रतिशत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम 6 मई को घोषित कर दिए गए हैं जिसमें जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत गर्रा माध्यमिक स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल के परीक्षा परिणाम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शत प्रतिशत रहे हैं । आपको बता दे की माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. द्वारा 6 मई को घोषित कक्षा 10 वीं एवं कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम के अनुसार प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शास. उच्च. माध्य. विद्यालय गर्रा लालबर्रा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। संस्था के शिक्षक एमन्त ठाकरे ने बताया कि कक्षा 10 वीं में कुल दर्ज संख्या 60 थी , जिसमे 59 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें प्रथम श्रेणी में-49, द्वितीय श्रेणी मे -10 , तृतीय श्रेणी मे निरंक , स्वाध्यायी परीक्षार्थी सहित कुल 59 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए तथा कोई भी परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण नही हुए । इस प्रकार कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा हैं । कक्षा दसवीं में कु. मिताली चौहान पिता परमलाल चौहान ने 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, कुमारी मीनाक्षी भलावी ने 88.4 प्रतिशत प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, इसी प्रकार कु. अंजलि तेलासे ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया ,इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में कुल दर्ज 48 में से 47 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, जिसमे नियमित विद्यार्थी 40 मे से 40 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए । कुल 48 में से प्रथम श्रेणी में - 31 , द्वितीय श्रेणी में 15 , तृतीय श्रेणी में- 01, एवं अनुत्तीर्ण -01 स्वाध्यायी परीक्षार्थी सहित कुल 47 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए तथा 01 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहा । इस प्रकार हायर सेकेंडरी परीक्षा का परिणाम नियमित परीक्षार्थी के अनुसार शत प्रतिशत रहा। कक्षा 12वी मे कु.माही चौहान पिता परमलाल चौहान (बायो) ने 89.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, आयुष शरणागत (गणित) ने 84.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं कु. प्रांशी कावरे(बायो) ने 78.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्रीमती विद्या रामटेके ने माध्य. शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त किया तथा परीक्षा व इससे संबंधित कार्यों का सुचारू रुप से संचालन करने पर तथा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय परिवार के समस्त कक्षा शिक्षकों व शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित कर परीक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की हैं ।

पाकिस्तान पर किए गए हवाई हमले पर एबीवीपी ने जताया हर्ष

बाइक रैली निकालकर, जवानों के शौर्य को किया नमन, पटाखे फोड़ ,आतिशबाजी कर बांटी मिठाइयां

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर देर रात किए गए हवाई हमले पर पूरा देश जश्न मना रहा है। जिसकी एक झलक बुधवार देर शाम बालाघाट नगर में भी देखने को मिली। जहां पाकिस्तान पर किए गए हवाई हमले पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने हर्ष जताते हुए नगर में एक बाइक रैली निकालकर, भारतीय सेना जवानों के शौर्य को नमन किया। तो वहीं काली पुतली चौक में जमकर आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी।आपको बताए कि, मंगलवार की अर्द्धरात्रि के बाद भारतीय सेना ने पाक और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों को, एयरस्ट्राईक करके तबाह कर दिया। जिसके बाद से पूरे देश में बीते 22 अप्रैल को पहलगाम घाटी में निर्दोष पर्यटकों की आतंकियो के हमले से मौत के बाद से छाई हुई मायुसी के बाद खुशी दिखाई दे रही है।भारतीय सेना की इसी जवाबी कार्यवाही पर हर्ष जताते हुए, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आतिशबाजी कर लोगों का मुंह मीठा कराया है। इससे पूर्व परिषद कार्यकर्ताओं ने हाथो में तिरंगा लिए, शहर में एक मोटर सायकिल रैली निकाली। जो नगर का भ्रमण करते हुए काली पुतली चौक पहुंची। जहां परिषद जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सेना की कार्यवाही पर खुशी का इजहार किया। जहां आतिशबाजी कर लोगों को मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया।ज्ञात हो कि इस रैली का उद्देश्य भारतीय सेना के साहसिक कदम को सम्मान देना और देशवासियों में एकता, जोश व राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना था।इस दौरान सुब्रत जैन, कलश असाटी, राहुल बुर्डे, कुनाल सहारे, उमंग पालेवार, कुबेर सिंह, अनिकेत लखेरा, सैंकी जैसवाल, मार्शल कटरे,अमन दशरिये, अभिषेक परिहार, अंश चौबे, उदय बंबुरे, मोहित लिल्हारे, देव बिसेन, संदीप माहुले, और कृत्यग बिसेन, सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस जवाबी कार्यवाही से पूरा देश खुश है-अग्रवाल

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने बताया कि पहलगाम की बेसरन घाटी में पाक समर्थित आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों की धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिससे पूरा देश, आक्रोशित और आंदोलित था। सरकार से मांग की जा रही थी कि इसका करारा जवाब दिया जाए और जिस तरह से भारत सरकार की अनुमति के बाद भारतीय सेना ने आतंकियो के ठिकानों पर एयरस्ट्राईक कर बमबारी से उन्हें ध्वस्त किया है, उससे पूरा देश, खुश है और इसी खुशी में आज हमने आतिशबाजी करके लोगो का मुंह मीठा कराया है। देश की रक्षा करने वाली हमारी सेना पर हर भारतीय को गर्व है। आतंकवादियों पर की गई कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब किसी भी हमले का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

यमदूत बनकर हाईवे मार्ग में धमाचौकड़ी मचा रहे आवारा मवेशी

सड़क में बैठने से यातायात हो रहा प्रभावित, दुर्घटनाओं को दे रहे आमंत्रण, राहगीर एवं ग्रामीणों ने आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं पशु मालिकों पर कार्यवाही करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से होकर गुजरे बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के अलावा हाई स्कूल मार्ग, गुजरी पहुंच मार्ग, अमोली-समनापुर राज्य मार्ग एवं सर्राटी नदी पुल सहित हाईवे मार्ग किनारे स्थित ग्रामों में जगह-जगह आवारा मवेशी यमदूत बनकर घुम रहे है एवं धमाचौकड़ी मचा रहे है। जिससे आवागमन प्रभावित होने के साथ ही हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। वहीं इन आवारा मवेशियों के धमाचौकड़ी के चलते रोजाना हादसे भी घटित हो रहे है। इस तरह हाईवे मार्ग में खुलेआम घुम रहे आवारा पशु वाहन चालकों व राहगीरों के लिए यमदूत साबित हो रहे है। साथ ही किसानों के द्वारा रबी सीजन में धान की फसल लगाई गई है जिसे भी आवारा मवेशी रात्रि के समय खेतों में पहुंचकर धान की फसल को भी नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इन आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने की कार्यवाही की नही जा रही है। जिससे सबसे अधिक परेशानी राहगीरों व किसानों को हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने की कार्यवाही नही की जा रही है जिसके कारण लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

आवारा मवेशी किसानों की फसल को भी कर रहे बर्बाद, किसानों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि इन दिनों नगर मुख्यालय में आवारा मवेशियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है जिनके द्वारा हाईवे मार्ग में शांति नगर स्थित मजार के पास, हाईस्कूल रोड, सर्राटी नदी पुल, जैन स्थानक भवन के सामने सहित अन्य स्थानों में धमाचौकड़ी करने के साथ ही सड़क के बीचों-बीच बैठकर आराम किया जाता है। जिसके कारण मार्ग से गुजरने वाले चौपहिया-दुपहिया वाहनों, साइकिल चालकों व पैदल आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। साथ ही ये आवारा मवेशी रास्ते के बीचों-बीच झुंड बनाकर खड़े हो जाते है जिससे परेशान वाहन मालिकों को गुजरते समय इन आवारा पशुओं को हटाने हेतु अपने वाहन का हार्न बजाना पड़ता है एवं कई बार तो ऐसी स्थिति बन जाती है कि ये मवेशी रास्ते से हटने को तैयार नही होते। जिसके कारण रास्ता जाम होने की स्थिति बन जाती है, साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। साथ ही वर्तमान समय में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है जिसके चलते शाम से लेकर देररात्रि तक लोगों का हाईवे मार्ग सहित अन्य मार्गो से आवागमन होते रहता है। वहीं रोड़ के बीच व किनारे में आवारा मवेशी खड़े व बैठे रहने के कारण आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इन आवारा मवेशियों के मालिकों पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है। इसलिए वे बेझिझक होकर अपने मवेशियों को खुला छोड़ दे रहे है जो राहगीरों व ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनते जा रहे है। साथ ही नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पनबिहरी, औल्याकन्हार, मानपुर, पांढरवानी, कटंगटोला, रामजीटोला, अमोली में किसानों के द्वारा अपने खेतों में रबी धान की फसल लगाई गई है परन्तु आवारा मवेशी रात्रि के समय खेतों में पहुंचकर फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही किसानों के द्वारा अपनी फसलों में लगी बीमारी की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाई का भी छिड़काव किया जाता है जिसके सेवन से भी पूर्व में मवेशियों की मौत भी हो चुकी है उसके बावजूद भी पशु मालिक अपने मवेशियों को खुल छोड़ दे रहे है। नगर के जागरूक नागरिकों ने ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा, सहित हाईवे रोड़ किनारे स्थित पंचायतों के सरपंच, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग से धर-पकड़ अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भिजवाकर पशु मालिकों पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजे प्रशासन

लालबर्रा मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवारा मवेशी सड़कों पर घुमते रहते है जिससे आवागमन भी बाधित होता है। साथ ही फसलों को भी नुकसान पहुंचाते है। पूर्व में सभी ग्राम पंचायतों में आवारा मवेशियों के लिए कांजी हाऊस हुआ करते थे जहां पर किसान अपनी खेतों की नुकसानी करने वाले आवारा मवेशियों को लाकर बंद कर देते थे जिन्हे पशु मालिक के द्वारा जुर्माना की राशि देकर छुड़ाया जाता था। जिससे पशुमालिक अपने पशुओं को आवारा छोड़ने से बचते थे और अपने पशुओं को सुरक्षित घर पर ही बांधकर रखते थे परन्तु वर्तमान समय में अधिकांश पंचायतों में कांजी हाऊस नजर नही आ रहा है। जिसके कारण भी पशुमालिक अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे है और यही मवेशी नगर मुख्यालय सहित ग्राम पंचायतों के रोड़ में जगह-जगह शाम के बाद धमाचौकड़ी मचाते हुए नजर आ रहे है। जिसके कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही है जिससे कई लोग काल के गाल में समा चुके है एवं रोजाना छोटी-मोटी दुर्घटनाएं घटित होते रहती है। उसके बावजूद भी प्रशासन आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं पशु मालिकों पर कोई कार्यवाही नही कर रहे है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है।

आवागमन होता है बाधित - दीनदयाल

स्थानीय नागरिक दीनदयाल पंचेश्वर ने बताया कि बालाघाट सिवनी हाईवे मार्ग पर मजार के पास सहित अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में आवारा मवेशी बैठे रहते है जिससे बड़े वाहन मार्ग से नहीं निकल पाते है, आवागमन बाधित होता है और इन आवारा मवेशियों के कारण कई बार जाम की स्थिति भी निर्मित होने के साथ ही आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित होते रहती है। पशु मालिकों को अपने पशुओं को घरों में ही बांधकर रखना चाहिये जिससे ये मवेशी आवारा सड़कों पर न घुमे और इनकी वजह से जो दुर्घटनाएं घटित हो रही है, आवागमन बाधित हो रहा है उसमें सुधार आ सके। प्रशासन से हमारी यही मांग है कि वे इन आवारा मवेशियों पर सख्त कार्यवाही करे जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके।

आवारा मवेशी को पकड़कर गौशाला भेजे प्रशासन - मुकेश

पंच मुकेश पटले ने बताया कि यह बालाघाट सिवनी हाईवे मार्ग है जो कि एक व्यस्तम मार्ग है जिससे 24 घंटे छोटे बड़े भारी वाहन बड़ी संख्या में आवागमन करते हैं परंतु निरंतर देखने में आ रहा है कि सर्राटी पुल से लेकर अहिंसा द्वार तक आवारा मवेशियों के द्वारा धमाचौकड़ी मचाने के साथ ही बीच सड़क में बैठकर यातायात व्यवस्था को बाधित किया जाता है जिससे राहगीरों को आवागमन में बहुत परेशानी होती है और दुर्घटना घटित होने की भी संभावना बनी रहती है एवं कई बार इन आवारा मवेशियों के कारण दुर्घटनाएं घटित भी हो चुकी है प्रशासन से मांग है कि आवारा मवेशियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें पकड़ कर गौशाला भेजा जाये।

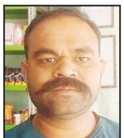

पुनः कार्यवाही कर आवारा मवेशियों को भेजा जायेगा गौशाला - अनीस

सरपंच अनीस खान ने बताया कि सड़क पर घुम रहे आवारा मवेशियों के मालिकों को हमारे द्वारा अनेक बार समझाईश दी गई है कि वे अपने मवेशियों को सड़कों पर आवारा न छोड़े उसके बावजूद उनके द्वारा अपने मवेशियों को सड़कों पर आवारा छोड़कर यातायात व्यवस्था को बाधा पहुंचाने का काम किया जा रहा है और इन आवारा मवेशियों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित होते रहती है। इसके पूर्व भी हमारे द्वारा आवारा मवेशियों पर कार्यवाही कर उन्हें पकड़कर गौशाला भेजा गया था परंतु फिर पशु मालिक पर कोई असर नहीं पड़ रहा है, हम पुनः यह कार्यवाही कर आवारा मवेशियों को गौशाला भेजेंगें। श्री खान ने बताया कि नगर में जो आवारा मवेशी घुम रहे है वह हमारी आसपास की ग्राम पंचायतों के है, हमारे द्वारा इन ग्राम पंचायतों से चर्चा कर संयुक्त रूप से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौ शाला भेजने की कार्यवाही की जायेगी और पशु मालिकों से भी अपील है कि वे अपने मवेशियों को सुरक्षित अपने घरों पर बांधकर रखे, सड़कों पर आवारा न छोड़े।

रमपुरी सरपंच कन्हैया राहंगडाले ने अपने पद से दिया इस्तीफा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 6 कि.मी. दूर स्थित ग्राम पंचायत रमपुरी सरपंच कन्हैया राहंगडाले के द्वारा संविदा शाला शिक्षक वर्ग 3 में नियुक्ति होने के कारण अपने सरपंच पद से इस्तीफा दे दिया है और शासकीय प्राथमिक शाला सिहोराटोला में संविदा शिक्षक वर्ग 3 का पदभार ग्रहण कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री राहंगडाले ने सन् 1996 से 1999 तक औपचरिककेत्तर शिक्षा अनुदेशक के पद पर रहकर अपनी सेवाएं दी लेकिन बाद में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था जिसके बाद इन्होनें अपनी लड़ाई हाई कोर्ट में लड़ी जहां पर जीत होने के बाद उन्हे पुनः बहाल करने आदेश जारी हुआ है और इसी के चलते उन्हे संविदा शाला शिक्षक वर्ग 3 के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री राहंगडाले के द्वारा ग्राम पंचायत रमपुरी में सन् 2005 से 2010 तक और 2022 से 2025 तक निरंतर सरपंच पद पर रहकर अपनी सेवाएं दी गई परंतु शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ा होने, अध्यापन कार्य में रूचि होने एवं संविदा शाला शिक्षक पर चयनित होने के चलते उन्होनें सरपंच पद से अपना इस्तीफा देकर शासकीय सेवा को चुना है। श्री राहंगडाले मिलनसार, मृदुभाषी एवं सरल, सहज व्यक्ति है जिन्होने सरपंच के पद पर रहकर जहां एक ओर जनसेवा की तो वही दूसरी ओर इन्होने कांग्रेस में ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव सहित अन्य पदों पर रहकर अपना अमूल्य समय पार्टी को दिया और संगठन को मजबूर बनाने में सहयोग किया। उनके इस शासकीय सेवा में चयनित होने पर चित परिचितों, स्नेहीजनों, मित्रगणों एवं परिवार में हर्ष व्याप्त है।

कक्षा 10 वी बोर्ड परीक्षा में शीतल बिसेन ने 97.2 प्रति. अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम किया रौशन

स्कूल प्रबंधन ने उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाकर किया सम्मानित, दी शुभकामनाएं

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा 6 मई को कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में बोर्ड परीक्षा का बेहतर परीक्षा परिणाम रहा है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय के पांढरवानी स्थित लिटिल स्टार कान्वेट स्कूल की कक्षा 10 वीं की छात्रा शीतल बिसेन ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय में प्रथम एवं ब्लाक की टापर सूची में भी स्थान प्राप्त कर विद्यालय और माता-पिता का नाम गौरवांवित किया है। बुधवार को लिटिल स्टार कान्वेंट स्कूल में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित कर कक्षा दसवीं में 97.2 प्रतिशत से उत्तीर्ण छात्रा शीतल बिसेन सहित अन्य छात्र-छात्राओं को स्कूल प्राचार्य श्रीमती राणा तरन्नुम के द्वारा मेडम पहनाकर सम्मानित करते हुए उनके उ%जवल भविष्य की कामना की है। वहीं स्कूल में कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। चर्चा में स्कूल की प्राचार्य श्रीमती राणा तरन्नुम ने बताया कि कक्षा 10 वीं, 12 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा घोषित किया गया है। जिसमें स्कूल का कक्षा 10 वीं, 12 वीं का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा है और कक्षा 10 वीं में शीलत बिसेन ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवांवित की है। साथ ही छात्रा शीतल बिसेन ने बिना कोचिंग के स्कूल की पढ़ाई व सेल्फ स्टडी कर कक्षा दसवीं में 500 में से 486 अंक प्राप्त की है, मैं ब%चों से यही कहना चाहूंगी की वे स्कूल नियमित रूप से आये और सेल्फ स्टडी व शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन में पढ़ाई करें वे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। श्रीमती तरन्नुम ने बताया कि इसी तरह कक्षा 10 वीं में प्राजल सराठे ने 94 प्रतिशत, स्वरित बोंदरे ने 93 प्रतिशत, सोनल बिसेन ने 90 प्रतिशत, विजय तुलसीकर, अर्शिया ने 87 प्रतिशत, मयूर परिहार, अनमोल बडघरे ने 86 प्रतिशत, प्राची मात्रे ने 85 प्रतिशत, मुस्कान बिसेन, प्रशांत पथिक ने 84 प्रति., नोमान, रिया पटले, रिया भोंगाडे ने 83 प्रति., प्रवीन ने 81 प्रति., तमन्ना बडबाइक, कृष्णा बिसेन ने 75 प्रतिशत अंक से परीक्षा उत्तीर्ण किये है। वहीं कक्षा 12 वीं में विज्ञान समूह में तनजिरा खान ने 85 प्रतिशत, आर्यन चौरे ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है एवं रिध्दी बडघरे, उम्मेकुलयुम, आर्शिया, सक्षम अवधिया एवं कृषि संकाय में आरव, आयन भी अच्छे अंको से उत्तीर्ण होकर विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम गौरवांवित किया है। सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है। उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करने वालों में स्कूल प्राचार्य श्रीमती राणा तरन्नुम सहित अन्य शिक्षकगण शामिल है।

इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमो मे 10वीं परीक्षा के आधार पर होगा प्रवेश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बालाघाट प्राचार्य ने प्रेष विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया गया है कि जिले में इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमो मे छात्रों का प्रवेश 10वीं परीक्षा के आधार पर सुनिश्चित होगा। वर्तमान में संस्था मे 03 वर्गीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के चार ब्रांच संचालित है। इन ब्रांचों में प्रवेश एवं कॉउंसलिंग के लिए पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेज संस्था में सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग संकाय संचालित हैं। प्रवेश के लिए प्रत्येक ब्रांच में 75 सीट उपलब्ध है। वहीं ईट्रक अभ्यर्थी को 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। काउंसलिंग एवं प्रवेश के लिए आधार कार्ड, 02 फोटो, 10 वी की अंकसूची, मूलनिवास, जाति एवं आय प्रमाण पत्र एवं टीसी आवश्यक है। साथ ही ईडब्ल्यूएस, विकलागं, बीपीएल, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, एनसीसी/सैनिक संवर्ग में प्रवेश चाहने वाले के लिये संबंधित श्रेणी के प्रमाण पत्र की भी आवश्यता होगी। वहीं विकलांग श्रेणी के अभ्यर्थी को रजिस्ट्रेशन एवं च्वाइस फिलिंग करने के पूर्व विकलागंता सह उपयुक्तता प्रमाणपत्र की आवश्यता होगी, जो कि विकलांग पुनर्वास केंद्र महातान जबलपुर से जारी किया जाता है। छात्रों द्वारा रजिस्ट्रेशन के www.dte.mponline.gov.in वेबसाइट का इस्तेमाल किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन 01 जून तक किये जायेंगे।

डिजाइनिंग, कटिंग और सिलाई के तौर तरीकों के साथ मार्केटिंग व बाजार की मांग जैसे पहलू जाने

31 दिनों के प्रशिक्षण में 29 महिलाओं ने सीखें टेलर वूमेन गारमेंट्स

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा महिलाओं के लिए 31 दिवसीय टेलर वूमेन गारमेंट्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुधवार को समाप्त हुए कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित 29 महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। इस प्रशिक्षण में 29 महिलाओं ने भाग लिया और सभी ने परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सिलाई और गारमेंट निर्माण के क्षेत्र में कौशल अर्जित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवतियों और महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वूमेन गारमेंट्स की डिजाइनिंग, कटिंग, सिलाई और फिनिशिंग जैसे तकनीकी कौशल के साथ-साथ उद्यमिता विकास पर भी गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को न केवल सिलाई के गुर सिखाए गए, बल्कि उन्हें व्यवसाय शुरू करने, बाजार की मांग को समझने और ग्राहक संतुष्टि जैसे व्यावसायिक पहलुओं की भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का समन्वयन अंकित लिल्हारे ने किया, जिनके कुशल निर्देशन में प्रशिक्षण सुचारू रूप से संपन्न हुआ। समापन समारोह में सेंट आरसेटी के निदेशक ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, यह प्रशिक्षण न केवल तकनीकी कौशल प्रदान करता है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य है कि ये प्रशिक्षणार्थी अपने कौशल का उपयोग कर न केवल अपने परिवार का सहारा बनें, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाएं। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर यासमीन शेख ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई के बारीक कौशल सिखाए और प्रत्येक प्रतिभागी की प्रगति पर व्यक्तिगत ध्यान दिया। यासमीन शेख की विशेषज्ञता और समर्पण की प्रशिक्षणार्थियों ने जमकर सराहना की। समापन समारोह में सभी 29 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जो उनके नए कौशल और मेहनत का प्रतीक हैं। इस अवसर पर सेंट आरसेटी के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन समारोह के दौरान, कई प्रशिक्षणार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। कु. पूजा उज़्बेगल, कु. अल्पना बसने, कु. रजनी बिजेवार और श्रीमती रानू नगपुर ने विशेष रूप से कहा कि यह प्रशिक्षण उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगा। उन्होंने बताया कि इसने उन्हें न केवल एक नया कौशल सिखाया है, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना भी दी है। उनकी टिप्पणियां इस बात का संकेत देती हैं कि यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में भी योगदान देता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट आरसेटी, बालाघाट की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और युवतियों को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। इस तरह के कार्यक्रम न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं, बल्कि सामाजिक समावेशन और लैंगिक समानता को भी प्रोत्साहित करते हैं।

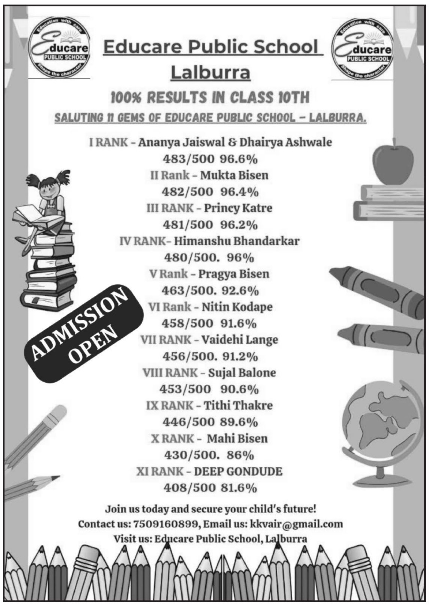

अज्ञात महिला ने कलवन बाई से नगदी और सोने के जेवरात की चोरी

पुलिस प्रशासन के द्वारा चोरी की घटना पर नही लगाया जा रहा अंकुश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र में अज्ञात महिलाओं के द्वारा भोले भाले लोगों के साथ चोरी करने का सिलसिला निरंतर जारी है। जहां अज्ञात महिलाओं के द्वारा बुलंद हौसलों के साथ ग्रामीण क्षेत्र की बुजुर्ग महिलाओं को अपना निशाना बनाया जा रहा है। जिस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा वर्तमान तक अंकुश नहीं लगाया जा सका है। ऐसा ही एक मामला नगर के तहसील कार्यालय दीनदयाल चौक के पास में प्रकाश में आया है। जहां पर भतीजे की शादी से लौट रही बुजुर्ग महिला कलवन बाई बाहेश्वर को एक अज्ञात महिला के द्वारा बहला फुसलाकर उसके कान के सोने फूल और नगदी राशि चोरी कर ली गई है। मामले में महिला के द्वारा थाने में आकर शिकायत दर्ज करवाकर अज्ञात महिला पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

भतीजे की शादी से वापस अपने घर थानेगांव जा रही थी कलवनबाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार कलवन बाई बाहेश्वर पति गेंदालाल बाहेश्वर उम्र ६५ वर्ष ग्राम थानेगांव निवासी अपने भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए ग्राम बुदबुदा के धानीटोला गई हुई थी। जहां से विवाह कार्यक्रम संपन्न होने के बाद ७ मई २०२५ की दोपहर में अपने गाँव थानेगाँव वापस आ रही थी। इसी दौरान महिला बस स्टैण्ड वारासिवनी में उतरी जहां से उसे थानेगांव के लिए बस पकड़ना था। तभी एक अनजान महिला अचानक उसके पास आकर बोली कि मैं भी थानेगाँव जा रही हूँ साथ ही विभिन्न प्रकार की बातें करने लगी। जिसके बहकावे में आकर कलवन बाई ने उसे अपने साथ रख लिया जहां से दोनों सिविल अस्पताल में गए। वहां बात करने लगी कि तुम्हें पेंशन मिलती है नहीं मिलती है अनेक प्रकार की बाते पूछने के बाद उसने कहा कि मैं तुम्हें तहसील अफिस से १२०००० दिलवा दुंगी। कहकर मुझसे नगदी १३०० रुपये लिये एवं कान के फूल भी उतरवा लिया। उसने कालवन बाई को तहसील आफिस के बाहर रुकने को कहा जहां से वह दोबारा वापस नहीं आई। इसके बाद महिला के द्वारा घटना की जानकारी अपने ग्राम के लोगों को दी गई। जिन्होंने उसे पुलिस थाने में लेकर गए जहां महिला के द्वारा पुलिस को लिखित आवेदन देकर घटना की जानकारी देते हुए की गई धोखाधड़ी या चोरी में उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

नगर में भोले भाले बुजुर्गों को लूटने का चल रहा गोरखधंधा

नगर के बस स्टैंड में अज्ञात महिलाओं के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की भोली भाली बुजुर्ग महिलाओं को लूटने का कार्य बीते करीब दो तीन वर्षों से चल रहा है। जिसमें यह महिलाएं कटंगी से वारासिवनी बस में सफर कर अपने टारगेट को चुनकर उसे नजदीकी बढ़ाती है। विभिन्न प्रकार की चर्चा कर बहला फुसलाकर उनके साथ खड़े रहते हैं। बातों ही बातों में उनके बैग पर्स या शरीर में पहने हुए कीमती सोने चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो जाते हैं। जिसके बाद महिलाएं इधर उधर मदद की गुहार लगाते रहती है । यह केवल कलवन बाई के साथ पहली घटना नहीं हुई है इसके पहले भी बस स्टैंड में अनेको घटनाएं घटित हो चुकी है। हालांकि पुलिस प्रशासन के द्वारा वर्तमान तक किसी भी अज्ञात महिला को मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया है जो पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही है।

अज्ञात महिला के द्वारा पेंशन दिलाने के नाम पर की ठग्गी- कलवन बाई

पीड़िता कलवन बाई ने बताई की मैं अपने भतीजे के विवाह कार्यक्रम में शामिल होने धानिटोला गई हुई थी। जहां से वापस अपने गांव थानेगांव जाने के लिए बस स्टैंड वारासिवनी में आई हुई थी। तभी एक अज्ञात महिला मेरे पास आई जो मेरे साथ बात करने लगी जिसके कहने पर मैं सिविल अस्पताल में गई थी। जहां उसके

द्वारा अपना उपचार करने के बाद मुझे कहा गया कि तुम्हें पेंशन मिलती है तो मैं नहीं कहा जिस पर उसने दिलाने का आश्वासन देते हुए मेरे से १३०० मांगे और मेरे कान के फूल भी उतार लिए। मुझे तहसील कार्यालय के पास खड़े रहने कहा और वह उसके बाद फरार हो गई थाने में हमने शिकायत किये है।

पुलिस प्रशासन को अज्ञात महिला के खिलाफ कठोर कार्यवाही करना चाहिए-लक्ष्मीकांत बैस

थानेगांव सरपंच लक्ष्मीकांत बैस ने बताया कि हमें सूचना मिली कि हमारे गांव की किसी महिला के साथ कोई घटना हो गई है। जिस पर हमने आकर देखा तो थानेगांव निवासी कलवन बाई पति गेंदालाल बाहेश्वर जो धानी टोला में अपने रिश्तेदार के यहां से विवाह कार्यक्रम से लौट रही थी। इस दौरान बस स्टैंड में एक अज्ञात महिला के द्वारा उसके साथ चर्चा कर बातो ही बातो में कान के

सोने के फूल और १३०० रूपये लेकर फरार हो गई है। मामले में हमारे द्वारा वारासिवनी थाने में शिकायत की गई है। यह पहली घटना नहीं है ऐसी कई घटनाएं बस स्टैंड में घटित होती है जो हमें सुनने में आती है। पुलिस प्रशासन को कठोर कार्यवाही करना चाहिए और यह जो अज्ञात महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र की बुजुर्ग महिलाओं को अपना निशाना बनाती है उन पर अंकुश लगाना चाहिए।

गायत्री उच्च. माध्य. विद्यालय डोंगरमाली का सराहनीय रहा परीक्षा परिणाम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरमाली स्थित गायत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का कक्षा दसवीं और कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सराहनीय रहा। जिसमें विद्यार्थियों के द्वारा प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की गई। जिसमें कक्षा दसवीं में कुल दर्ज ५२ विद्यार्थियों में

४९ विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण किया है। जिसमें ३ विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे । इसमें खुशी नवल किशोर मचाडे ९६.६प्रतिशत, शक्ति महेश लिल्हारे ८८.६ प्रतिशत, रोहिणी भागचंद भगत ८३.८ प्रतिशत, मिताली छगननान नगपुरे ८०.६ प्रतिशत, वर्षा सुनेंद्र दमाहे ७५.८ प्रतिशत, नातिश छोटेलाल चौधरी ७५.४ प्रतिशत, निमेश विनोद पटले ९६.२ प्रतिशत, प्रियंका कृष्ण कुमार नगपुरे ८६ प्रतिशत, आदित्य उमेश भालाधारे ८०.८ प्रतिशत, पवन दिलराज लिल्हारे ७७.४ प्रतिशत, प्रिंसी संकेत पांडे ७५.६ प्रतिशत,सानिया नहीर शेख ७५ प्रतिशत हासिल किए हैं। वहीं अन्य विद्यार्थियों में ने भी बेहतर परीक्षा परिणाम प्राप्त किया है । इसी प्रकार कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम भी बेहतर रहा जिसमें कुल दर्ज ७७ विद्यार्थियों में ५९ विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। ८ विद्यार्थी को पूरक आई है तो वहीं १० विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं। जिसमें सारिका सूरजलाल जमरे ८२.२७ प्रतिशत ,प्रेरणा जीवन कुमार पेण्टाकर ७२.६ प्रतिशत, पंकज पन्नालाल शरणागत ७२.७२ प्रतिशत, अभिलाषा वामनराव बोपुलकर ७५.६ प्रतिशत, नीतू सोहनलाल बधारे ७८.४ प्रतिशत, आकाश दशाराम जमरे ७५.२५प्रतिशत, पल्लवी भोजराम दशहरे ७२.२ प्रतिशत हासिल कर परिवार व गांव का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाएं स्कूल स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शासकीय उच्च. माध्य. विद्यालय गर्रा का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गर्रा का सत्र २०२४-२५ का वार्षिक परीक्षा परिणाम जिसमें कक्षा बारहवी ९० प्रतिशत , कक्षा १० वीं का रिजल्ट १०० प्रतिशत रहा। कक्षा १२ वीं में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिसमें रक्षा बिसेन ८३.८, अभय खरे ७८.६ , वैदिति चौधरी ७८.५ ने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं कक्षा दसवी १०वीं में ५४ विद्यार्थी प्रथम श्रेणी, १८ द्वितीय श्रेणी एवं १ विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ। ८५ प्रतिशत से ऊपर वाले विद्यार्थी जिसमें रक्षा रमेश चौधरी ९३.८,पूनम माहुले ९३,आर्यन बेले ९२.८, दिव्या बिसेन ९१.८, शिवानी गेंदलाल ९१.४,माही डालीराम गौतम ९१.६,शिखा क्षीरसागर ८९.४ ,निलम पांचे ९०.४ सहित अन्य विद्यार्थीयों के नाम प्रमुख है। इस दौरान शाला के प्राचार्य देवेन्द्र ठाकरे,डिलेन्द्र ठाकरे, दिनेश नगपुरे,दिलीप सैययाम,विष्णु पटले, राजेन्द्र ठाकरे,टोपेश चौधरी, सुशांत चौहान, दिलीप पटले,सुरेन्द्र पारधी,विद्याप्रकाश पटले एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सामूहिक विवाह के नवदम्पतियों को चेक वितरण प्रारंभ

प्रत्येक नवदंपति को दिया जा रहा ४९००० का चेक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह योजना के तहत नवदंपति बने जोड़ों को डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी विवाह सहायता राशि उपलब्ध नहीं हुई थी। जिसमें बालाघाट एक्सप्रेस दैनिक समाचार के द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की राशि का इंतजार कर रहे नव दंपति शीर्षक से ६ मई को समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जनपद पंचायत के द्वारा ७ मई को विवाह सहायता राशि के चेक वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। इस दौरान जनपद पंचायत वारासिवनी में नवदंपति जोड़ों की भीड़ लगी रही जिनके द्वारा बारी बारी से अपने विवाह की स्वीकृति आदेश एवं ४९००० रुपये का चेक अधिकारियों के हस्ते प्राप्त किया गया। विदित हो की जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत २३ मार्च को शासन के निर्देशानुसार सामूहिक विवाह वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में आयोजित किया गया था। जहां पर क्षेत्र के करीब ३७९ जोड़ों के द्वारा विवाह के लिए पंजीयन करा कर विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जिसमें हिंदू ,बौद्ध एवं आदिवासी रीति रिवाज के माध्यम से संबंधित जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया गया था। इसके बाद सभी जोड़े परिणय सूत्र में बंध कर नव दंपति जीवन अपना प्रारंभ कियें थे। ऐसे में उक्त लोगों के द्वारा डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी विवाह सहायता राशि प्राप्त नही होने पर लगातार जनपद पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाए जा रहे थे। जिन्हें संतोष जनक जवाब नहीं दिया जा रहा था जिसके समाचार प्रकाशन के बाद जनपद पंचायत कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा तत्काल नवदंपति हितग्राहियों को विवाह सहायता राशि के साथ शादी स्वीकृति आदेश का भी वितरण किया गया। जिसमें लगातार समस्त नवदंपतियों को यह वितरण किया जाएगा। इस दौरान शादी स्वीकृति आदेश लेकर नगर पालिका जाने के लिए कहा जा रहा है क्योंकि विवाह नगरीय क्षेत्र में हुआ था । जिससे समस्त नव दंपतियों का विवाह प्रमाण पत्र नगर पालिका के माध्यम से बनाया जाना है। जो शादी स्वीकृति आदेश के माध्यम से बनाना है इस दौरान बड़ी संख्या में नव दम्पति पत्नी के साथ उपस्थित हुए जहां पत्नी के आधार कार्ड से पहचान कराकर उसे राशि और आदेश दोनों वितरण किया गया। इस दौरान योजना का चेक और आदेश प्राप्त करने के बाद नवदंपतियों के चेहरे खिले हुए नजर आए। उनके द्वारा बताया गया कि हम सब गरीब वर्ग के लोग हैं इसलिए योजना में हमारे द्वारा भाग लेकर विवाह किया गया था। यह राशि की हमें बहुत ज्यादा जरूरत थी क्योंकि गृहस्थी का सामान हमें खरीदना है। जिसके लिए लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। कई प्रकार की समस्याएं भी आ रही थी हालांकि अब चेक हमें प्राप्त हो गया है जिससे हम अपने गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्रीयां खरीद सकते हैं।

इनका कहना है

शासन की योजना सामूहिक विवाह का आयोजन २३ मार्च को किया गया था जिसमें क्षेत्र के ३७९ जोड़ों के द्वारा भाग लिया गया था। जिनकी सहायता राशि जनपद में प्राप्त हो चुकी है अब वह सभी नव दंपतियों को चेक के माध्यम से राशि का वितरण किया जा रहा है। साथ ही शादी स्वीकृति आदेश भी विवाह प्रमाण पत्र बनाने के लिए दिए जा रहे हैं।

अशोक पांडे
लेखपाल जनपद पंचायत
वारासिवनी

कक्षा दसवीं में रूद्र व अंश ने अच्छे अंक प्राप्त कर बढ़ाया माता पिता का मान

आईडियल एकेडमी व गांधी विद्या मंदिर स्कूल रहा शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा मंगलवार ६ मई को घोषित कक्षा १०वीं और कक्षा १२वीं के परीक्षा परिणाम में बालाघाट जिले ने एक

बार फिर गौरवशाली प्रदर्शन किया है। जिले के १७ छात्रों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर ना केवल जिले का नाम रोशन किया बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ा दी। इसमें कक्षा १० वीं से १२ छात्र और कक्षा १२ वीं से ५ छात्र शामिल हैं। कक्षा १० वीं में बालाघाट जिले ने प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि कक्षा १२ वीं में १७ वां स्थान हासिल किया है। वारासिवनी के कक्षा दसवीं में रुद्र वर्मा ने ७२ प्रतिशत ,अंश वर्मा ने ९३.६ प्रतिशत एवं शौर्य गजभिये ने ९३.६ प्रतिशत हासिल कर परिवार व क्षेत्र का मान बढ़ाया हैं। गांधी विद्या मंदिर वारासिवनी से दसवीं में शिपाली नरेंद्र पटले ९५.४ प्रतिशत, अंश राजकुमार वर्मा ९४ प्रतिशत, चित्रांश राजेश हड़गे ९२ प्रतिशत, मिताली मिनेश नगपुरे ९१.२ प्रतिशत, दिप्ती रामेश्वर नागेंद्र ९१ प्रतिशत, साक्षी योगेश कुमार ठाकरे ९० प्रतिशत, मेष युवराज बिसेन ८९ प्रतिशत, प्रतीक डिलेश्वर भैरम ८९.४ प्रतिशत, प्रीति अनिल भगत ८६.२ प्रतिशत और डाली नेपाल बिसेन ८५ प्रतिशत प्राप्त किया। कक्षा १२ वीं में नियती प्रमेंद्र हेडाऊ ९१ प्रतिशत, नंदनी लक्ष्मण बिसेन ९० प्रतिशत, सुनीधि गणेश कुमार चौहान ८९ प्रतिशत, सिया ओमकार राजुरकर ८५.४ प्रतिशत, सत्यनारायण कमल प्रसाद कामडे ८५ प्रतिशत, विभूति रितेश वाल्दे ८५ प्रतिशत अंक अर्जित किया। इस परीक्षा परिणाम के लिए आइडियल एकेडमी वारासिवनी के संचालक सुनील सिंग, प्राचार्य श्रद्धा वर्मा, उप प्राचार्य हर्ष ठाकुर व गांधी विद्या मंदिर के संचालक आशीष व अवनीश श्रीवास्तव सहित पूरे स्टाफने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

पाली डोंगरे ने प्रदेश में खरखड़ी स्कुल का नाम किया रौशन

प्रदेश की प्रवीण सूची में आठवां स्थान किया प्राप्त

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़खड़ी स्थित शासकीय हाई स्कूल ने इस वर्ष परीक्षा परिणाम में इतिहास रचा है । वहीं स्कूल की कक्षा दसवीं की छात्रा पाली डोंगरे ने प्रदेश की प्रवीण सूची में आठवां स्थान प्राप्त कर अपने माता पिता स्कूल सहित ग्राम का नाम रोशन किया है । माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल का कक्षा दसवीं और बारहवीं का परीक्षा परिणाम ६ में की सुबह १० बजे जारी किया गया। वहीं जिले और प्रदेश में टॉप टेन स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं की सूची भी जारी की गई। जिसमें पाली

पिता दीपक डोंगरे के द्वारा कक्षा दसवीं में ४९३ अंक अर्जित कर प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया गया है। वहीं शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी का १२ वर्षो से स्कूल का रिजल्ट अच्छा रहता है । इस वर्ष भी स्कूल के कक्षा १० वीं के कुल ५० छात्रों में से ३६ बच्चो के द्वारा प्रथम स्थान,९ बच्चे द्वितीय स्थान से पास हुये है। कुल ९० प्रतिशत स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा है। पाली डोंगरे की सफलता पर डीईओ ए के उपाध्याय ,स्कूल प्राचार्य मुकेश कुमार तिवारी, शिक्षक लोकेश तिवारी ,धनेन्द्र मस्करे ,गजानंद तितरमारे ,इनोहर ऊके ,विश्वात्मा मेश्राम ,हीरा उइके ,करिश्मा बिसेन सहित सभी ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सबके प्रयास से ही जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता सिद्ध होगी

भुतहा तालाब में श्रमदान के माध्यम से दिया जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की क्रियात्मकता निरंतर जारी है। बुधवार को भुतहा तालाब बैहर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद बैहर व जन अभियान परिषद के छात्रो नवांकुर मेंटर व नगर पंचायत के कर्मचारियों के संयुक्त तत्वाधान में तालाब में श्रमदान कर साफ सफाई की गई। बताया गया कि तालाब में बडी मात्रा में बेसरम के पेड़ों के कारण तालाब का अस्तित्व ही ढक चुका है। साथ ही वेस्ट मटेरियल को तालाब में डालने से बहुत गंदगी हो चुकी थी जिसे स्वच्छ करने का अभियान चलाया गया। जिसके तहत बेसरम की कटाई तालाब के कचरा न डालने के लिए जन जागरण व शपथ लेकर जन सहयोग व श्रमदान से तालाब को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्री सुरेंद्र गुड्डा मरकाम द्वारा सभी को जल संरक्षण और संवर्धन के लिए साथ मिलकर प्रयास करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि तालाब को बचाने के लिए हम सभी को आपस में मिलजुल कर कार्य करने होंगे। अकेले शासन के प्रयास से यह कार्य संभव नही है। जन भागीदारी होना भी आवश्यक है। इस दौरान बताया गया कि जल संरक्षण के लिए हमें सोखता, गड्डे निर्माण एवं जल प्रबंधन करना चाहिए साथ ही साथ जल स्त्रोतों की साफ सफाई समय-समय पर करते रहना चाहिए। जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं अनेक प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम

करने का एक ही उद्देश्य होता जनभागीदारी खड़ी हो। इस श्रमदान कार्य में सीएमओ दिलीप बांदेबुचे, पार्षद श्री विनोद पांडव, विकासखंड समन्वयक श्री महेश पटले, अमित चटर्जी, नवांकुर संस्था के शिवनाथ यादव, मेंटर सुरेश यादव व मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र/छात्रा अभय यादव ज्योति कुर्वेति मोनिका ठाकरे उपस्थित रहें।

मजबूर करने की रणनीतिः नागरिक सुरक्षा तैयारी अभ्यास

पचास साल से अधिक समय के बाद पहली बार, देश (भारत) को यह बताया गया है कि वह पूरी तरह से युद्ध की दहलीज पर है। अभ्यास (ड्रिल) उस युद्ध को लोगों की चेतना में लाना चाहते हैं, मीडिया इवेंट के रूप में नहीं, बल्कि उन्हें उनकी जिंदगी में घटित हो सकने वाली चीजों के लिए तैयार करने के एक तरीके के रूप में। नागरिक सुरक्षा तैयारी युद्ध रणनीति का एक महत्वपूर्ण अंग है। ये अभ्यास यह जायजा लेने में मदद करेंगे कि आम लोग, महत्वपूर्ण नागरिक संपत्तियों के लिए जिम्मेदार लोग और प्रशिक्षित कर्मी, युद्ध जैसी स्थिति में किस प्रकार मिलकर और अलग-अलग काम करेंगे। रक्षा तैयारी एक बिल्कुल अलग मामला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्रीय, युद्ध-जैसी लामबंदियों में कोई संकोच नहीं किया है। नोटबंदी से लेकर स्वच्छ भारत तक और कोविड-19 के दौरान बत्तियां बुझाने तक (जिसने इलेक्ट्रिक ग्रिड की सहनशीलता को आजमाया), ऐसी कई परियोजनाएं रही हैं जिन्होंने लोगों को यह बताने की कोशिश की कि उन्हें मिशन-मोड में रहना होगा। 'ब्लैकआउट' के जरिए इन अभ्यासों में एक बार ग्रिड की सहनशीलता आजमायी जा रही है।

युद्ध और युद्ध-जैसे अनुकरण चेतना जागृत करने, ज्यादा सामाजिक एकता पैदा करने और एक साझा, बड़े लक्ष्य की ओर तवज्जो लाने में मदद कर सकते हैं। वे लोगों को बिना हौसला खोये कठिनाइयां सहने के लिए तैयार कर सकते हैं। बेशक, इसका दूसरा पक्ष तबाही है। बहुतों की निगाहों में, जिसमें शायद सरकार भी शामिल है, पहलगाम भारत का 9/11 था, भले अपने पैमाने के लिहाज से नहीं, मगर प्रतिक्रिया के लिहाज से। यह नजरिया ये मानता है कि पाकिस्तान सन 2001 का अफगानिस्तान है ङ्क एक ऐसा राष्ट्र जो बिखर रहा है और जिसे सिर्फ धार्मिक कट्टरपंथी आतंक को एकमात्र शासनकला के रूप में इस्तेमाल करके एकजुट रखे हुए हैं। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के मलबे के बीच जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के 卐मैं आपको सुन रहा हूं卐 भाषण के बाद भीषण सैन्य कार्रवाई हुई जिसने बमबारी करके अफगानिस्तान को पाषाण युग में पहुंचा देने की कोशिश की। तब अमेरिका को किसी प्रतिकार का शून्य जोखिम था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के धरती के अंतिम छोर तक आतंकवादियों का पीछा करने के वादे के साथ जोरदार प्रतिकार का जोखिम भी जुड़ा है, खासकर अगर इस पीछा करने का अर्थ पूर्ण-स्तरीय युद्ध है। नागरिक सुरक्षा तैयारी को जांचना एक चीज है, लेकिन असल युद्ध एक बेहद खतरनाक स्तर तक मामला बढ़ जाना है जिससे इस नैरेटिव का कोई भला नहीं होगा कि भारत एक आर्थिक पावरहाउस है जो बहुध्रुवीय दुनिया में एक सच्चे और जिम्मेदार नेता के रूप में अपनी जगह लेने को तैयार है। सरकार को अपने विकल्प खुले रखने होंगे ताकि पाकिस्तान को एलईटी, जेईएम और अन्य अतिवादी संगठनों के आतंकी नेताओं को सौंपने पर सहमत करके, संकट टालने के लिए राजी किया जा सके। 26/11 पर भारत के बिना बल प्रयोग वाले जवाबी कदम से पाकिस्तान को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी और पाकिस्तानी मीडिया ने खुद से अपना ध्यान अजमल कसाब के गांव और परिवार की ओर मोड़कर सरकार के लिए और शर्मिंदगी पैदा की। संभवत- नागरिक सुरक्षा तैयारी अभ्यास मनोवैज्ञानिक अभियान का काम करेंगे। इनसे भारत के इरादे का मिलने वाला संकेत पाकिस्तान को भूराजनीतिक विवादों में आतंक को एक युक्ति की तरह इस्तेमाल करने की बेवकूफी का एहसास करा सकता है।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

- योगेश कुमार गोयल

धरती पर नरक : इजराइल और गाजा

जैसा कि रेड क्रॉस ने कहा है, गाजा पहले ही 卐धरती पर नरक卐 बन चुका है। बीते 19 महीनों के दौरान, इजराइली सेना ने इस इलाके में 52,000 से ज्यादा फिलिस्तीनियों को मार दिया है। इनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा के लगभग सभी 2.3 मिलियन निवासी कई बार विस्थापित हो चुके हैं। हजारों लोग एक ऐसे इलाके में घायल हुए हैं जहां बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं भी मयस्सर नहीं हैं। इजराइल ने 365 वर्ग किलोमीटर इलाके पर नए सिरे से घेराबंदी कर दी है, जिससे पहले से ही छाया भयावह भूखमरी का संकट और गहरा गया है तथा जैसा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने चेतावनी दी है, इससे फिलीस्तीनियों के गाजा में रहने की व्यवहार्यता पर ही खतरा पैदा हो गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने हजारों रिजर्व सैनिकों को बुलाने और उस एन्क्लेव में तेज जमीनी हमला शुरू करने का फैसला लिया है। इस हमले का मकसद उस इलाके पर कब्जा करना व उसे अपने कब्जे में रखना और सहायता आपूर्ति पर सीधा नियंत्रण करना है। इजराइल ने पहले ही उत्तरी गाजा के ज्यादातर हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया है और अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने से पहले वहां रहने वाले दस लाख से ज्यादा लोगों को बलपूर्वक वहां से हटा दिया है। अब, नेतन्याहू का कहना है कि नए अभियान के तहत फिलिस्तीनियों को उनके अस्थायी आश्रयों और शरणार्थी शिविरों से फिर से स्थानांतरित किया जाएगा। इजराइली सरकार का तर्क है कि 卐सैन्य दबाव卐 ही हमास को बाकी बंधकों को रिहा करने के लिए मजबूर करने का एकमात्र तरीका है। लेकिन हमास से लड़ने के नाम पर, नेतन्याहू ने गाजा पट्टी की पूरी आबादी पर लगातार हमला बोल दिया है और बाकी दुनिया चुपचाप तमाशबीन है।

निर्दयी एवं अमानवीय सैन्य रणनीति, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया, के इस्तेमाल के बावजूद इजराइल को सबसे शक्तिशाली देशों की तरफ से बहुत ही कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। पश्चिम एशिया की इस एकमात्र परमाणु शक्ति को अपने पश्चिमी सहयोगियों से हथियार मिलना जारी है। बाइडेन प्रशासन ने पूरे युद्ध के दौरान लगातार सैन्य और कूटनीतिक समर्थन मुहैया कराया। और एक बार गाजा से फिलिस्तीनियों को बाहर निकालने की धमकी देने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नेतन्याहू को पूरी छूट दे दी है। कोई सार्थक रोक-टोक न होने की वजह से नेतन्याहू अब हमले को बढ़ाकर एक और गंभीर गलती करने जा रहे हैं। पिछले 19 महीनों के युद्ध के दौरान, जनवरी 2025 के युद्धविराम समझौते पर अमल शांति के लिए सबसे अच्छा मौका था। इस समझौते के दूसरे चरण में, इजराइल को गाजा से हटना था और हमास को बाकी बंधकों को रिहा करना था। लेकिन इजराइल के इनकार और हमास द्वारा इजराइल की वापसी के बिना बंधकों को सौंपने से मना करने की वजह से लड़ाई दोबारा शुरू हो गई। अगर नेतन्याहू अपनी योजनाओं पर आगे बढ़ते हैं, तो इससे न सिर्फ नैतिक और मानवीय संकट गहराएगा बल्कि वार्ता के जरिए इस संघर्ष को खत्म करने की किसी भी कोशिश को भी विनाशकारी झटका लगेगा। दुनिया को राष्ट्र-राज्यों द्वारा की जा रही सामूहिक हिंसा और जबरिया विस्थापन को रोकने के वास्ते ज्यादा नैतिक एवं संस्थागत साहस दिखाना चाहिए।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफ़ल टारगेटेड कार्रवाई की

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाक़ारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्स: पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नज़र गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्स: पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफ़ल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ़ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

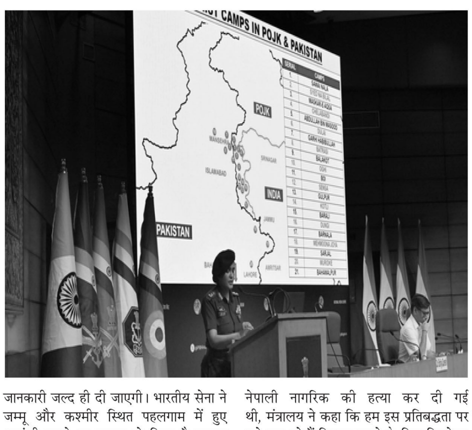

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क?या रहा होगा,डिफेंस एक?सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकर्?यों ने कई ऐसे लोगों को मारा जर्?नकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महर्?लाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कर्? एक-एक आंसू का हर्?साब लर्?या जाएगा,इनमें गुरुग्राम की हर्?मांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पतर्? लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकियों ने विनय को मार डाला।इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आतंकियों को दर्द दिया, पियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पतर्? अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आतंकर्?यों ने उन्?हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया।सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर'पहलगाम के आतंकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंने किसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है।जब आतंकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आतंकियों को सबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अब किसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध के बराबर माना जाएग।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन सिंदूर बेहद सीमित सटीक, रणनीतिक व कानून के दायरे में होने की करें तो, यह कार्रवाई बेहद सीमित, रणनीतिक रही, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने आतंकियों के ठिकाने पर मिसाइले दाग कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है, इससे यह भी साफ हो गया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी करेगा। भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रही, कोई असैन्य ठिकाना या आम नागरिक इस कार्रवाई की चपेट में नहीं आया, भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकवाद के खिलाफ था, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला, हालांकि, इससे पाकिस्तान में घबराहट साफ देखी जा सकती है, कई आतंकी ठिकानों को खाली करा लिया गया है और सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा।

अत: अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई।भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफ़ल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ़ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। ताजा लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में मसूर बाजार बड़त पर रहे। मूंग में सुधार आया। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में कालीमिर्च में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में ताजा लेवाली के चलते भावों में सुधार रहा। मूंग में भी बाजार सुर्खी पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। उधर, किराना जिंसों में कालीमिर्च में मजबूती रही। शक्कर व नारियल बाजार भी बड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4200, खोपरा गोला 205-245, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1050-1200, क्लीन 1220-1330, दालचीनी 250-265, जायफल 725-790, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1625-1900, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2850-2900, (200) 3250-3300, (250) 3250-3300

तेल- सींगदाना 1310-1330, मुम्बई 1340, राजकोट तेलिया 2050-2100, सोया साल्वेंट 1135-1140, सोया रिफाइंड 1210-1215, कपास्या 1200-1205, धूलिया 1210, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1300, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1245,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600-5800, सोयाबीन 4250-4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6250-6300, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7700-7800, पाला 7800-7900, चमकी 7900-8000, नायलोन 8000-8050, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। सोने में 200 रू. प्रति 10 ग्राम की तेजी देखी गयी, जबकि चाँदी में 400 रू. प्रति किलोग्राम की नरमी रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 97600, चाँदी (99) 97500, टंच 96700, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 99100,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 37 पैसे की बढ़त के साथ ही 84.75 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह रुपया 84.64 पर खुला। वहीं मंगलवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 84.38 पर बंद हुआ। सुबह रुपया कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ दिखा। ये आठ पैसे की गिरावट के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर आ गया। डॉलर सूचकांक में तेजी और एशियाई मुद्राओं में गिरावट का दबाव स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में समग्र गिरावट और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये की जोड़ी को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.28 प्रति डॉलर पर खुला।

आज का राशिफल

मेष- राजनीति में कार्यरत लोग अपनी मेहनत से पीछे नहीं हटेंगे। आप अपनी आय को लेकर भी कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते है। स्वास्थ्य में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आपको अपने कामों को लेकर आत्मविश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता है। आपको किसी सदस्य से कोई भी ऐसी बात नहीं बोलनी है, जो कि उन्हें बुरी लगे। आप परिवार का सदस्यों को लेकर कहीं घूमने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपकी प्रोफेशनल लाइफ बेहतर रहेगी। आप कुछ नया करने की कोशिश में लगे रहेंगे। आर्थिक स्थिति को लेकर भी आपको कोई ज्यादा टेंशन नहीं रहेगी। संतान को तरक्की करते देखा आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने व्यवसाय में छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे। आपको यदि बिजनेस के किसी काम को लेकर यात्रा पर जाना हो, तो वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी सोच समझ से आपके काफी काफी काम आसानी से पूरे होंगे। भौतिक संसाधनों में वृद्धि होगी और दांपत्य जीवन में चल रही समस्याएं दूर होगी। आपको अपने कामों को लेकर अपने सहयोगियों से मदद लेनी पड़ सकती है। शासन सत्ता का आपको पूरा लाभ मिलेगा। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे और व्यवसाय में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आपको लोगों का पूरा सहयोग लेना होगा। आपको किसी संतान के कोर्स को लेकर उन्हें कहीं बाहर दाखिला दिलाना पड़ सकता है। आपके खर्च बेतहाशा बढ़ेंगे, जो आपकी टेंशन को बढ़ा सकते हैं। आपको उनको लेकर थोड़ा सावधान रहना होगा। माताजी की सेहत में कोई गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपके कुछ नए दोस्त बनेंगे। दोस्तों के साथ आप किसी पार्टी आदि को करने की योजना भी बना सकते हैं। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। आपको प्रेम जीवन में तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप अपने किसी काम को यदि दूसरों के भरोसे छोड़ेंगे, तो उन्हें पूरा होने में समस्या अवश्य आएगी। रूपए पैसे को लेकर किसी अजनबी पर भरोसा ना करें।

कन्या- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं भी दूर होगी। आपको नौकरी में प्रमोशन के साथ-साथ वेतन वृद्धि जैसी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको कानूनी मामले में सावधान रहकर चलना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको कुछ पुराने झगड़े और झंझटों से छुटकारा मिलेगा। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा। कोई प्रॉपर्टी में निवेश करना आपके लिए अच्छा रहेगा, लेकिन कुछ ऐसे खर्चे आपके सामने आ सकते हैं, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान हो सकता है। आप अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। जीवनसाथी को यदि कोई शारीरिक कष्ट था, तो वह भी काफी हद तक दूर होगा। आपको अपने पारिवारिक मामलों को घर में रहकर निपटाना बेहतर रहेगा। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको कोई खुशखबरी मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। परिवार का कोई सदस्य नौकरी के लिए घर से दूर जा सकता है। आपको काम को लेकर व्यस्तता अधिक रहेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। वैवाहिक जीवन में आपसी प्रेम बना रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए कुछ उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको काम के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपके परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर कोई लड़ाई झगड़ा हो सकता है, जिसके लिए आपको अपने पिताजी से राय लेने की आवश्यकता है। बिजनेस में चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक राहत मिलेगी।

कुंभ- आज के दिन आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप अपनी संतान की किसी बात को लेकर चिंतित रहेंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको अपने खर्चों को लेकर ध्यान देने की आवश्यकता है, इसलिए आप अपनी आय और व्यय में एक बजट बनाकर चलें। आप अपने घर के लिए कुछ नई चीजों की खरीदारी कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने किसी मित्र के साथ कहीं घूमने फिरने जा सकते हैं और आप मौज-मस्ती करके पूरा आनंद लेंगे। आपकी किसी बात को लेकर अपने पिताजी से खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप जीवनसाथी के लिए कोई उपहार लेकर आ सकते हैं।

शब्दजाल - 7892

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं।

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सनी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकीश्रॉफ।

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्री	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	ख्रा	र	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	र	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	व	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त	म

शब्दजाल - 7891 का हल

च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	ती	ग
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6836

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6835

अ	नि	ता		जो	र		बे	ना	म
नु		रा	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		बू		सु		ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8360

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध,खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन,सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश,विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वलय,घेरा-3
15. आंचल,पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर,पिता का घर-3
24. नवीन,नया,नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक,न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी,चित,इच्छा-2
2. करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर,विदूषक-4
5. दुनिया,जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव,हरदम-2
11. जन्म,पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी,नलका-2
18. वश,अधीन-2
19. परिणाम,हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली - 8359 का हल

न		आ	रा	म	दे	ह		न
क	म	रा		स्त			भा	दो
	री	म		क	च	रा		ई
मौ	ज		रा		र	स	म	
त		को	ह	रा	म		स्त	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.49 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	07.48 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.01 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.17 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.29 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.40 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.54 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.10 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.16 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.02 बजे से
1.30 से 3.00		मीन	02.35 बजे से
बजे तक		मेष	04.05 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 128 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 12.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 21.07 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 01.57 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 12.30 बजे तदनन्तर बव 01.42 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 10.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872338
जूलियन दिन 2460803.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 09
विशेष मोहिनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: कंगन का दान

संस्कृत के कवियों में माघ का श्रेष्ठ स्थान है। वह साधन-संपन्न तो थे ही, दान देने में भी अग्रणी थे। लोगों को विश्वास था कि उनके घर से कोई भी जरूरतमंद कभी खाली हाथ नहीं लौटता। दान देते-देते एक अवसर ऐसा भी आया कि जब वह खुद ही निर्धन हो गए। लेकिन मदद करने की उनकी भावना में कोई कमी नहीं आई। वह लोगों की सहायता के लिए पहले की तरह ही तत्पर रहते थे। एक रात किसी गरीब पुजारी ने उनका दरवाजा खटखटाया। माघ ने दरवाजा खोला तो पुजारी ने बाहर आने का निवेदन किया और कहा, 'मेरी बेटी की शादी है। कैसे विवाह कर पाऊंगा, इस बात की चिंता सताती रहती है। मैं आपसे कुछ सहायता मांगने आया हूं।' कविवर ने सोचा कि इस समय न घर में धन है, न कोई ऐसी वस्तु जो याचक को दी जा सके। कुछ देर सोचने के बाद वह अपनी सोयी हुई पत्नी के पास गए और धीरे से उसका हाथ उठाकर उससे कंगन उतारा। पत्नी की नींद खुल गई, परंतु पति को सामने देखकर उसने आंखें बंद कर लीं। माघ ने बाहर आकर वह कंगन उस पुजारी को दे दिया और उसे वहां से जल्दी भाग जाने के लिए कहा। किंतु पत्नी ने दरवाजे की दरार से सब कुछ देख लिया कि उसके पतिदेव किसको वह कंगन दे रहे हैं। उस पुजारी ने माघ से कहा, 'इस सहयोग के लिए मैं आपका आभारी हूं पर एक कंगन मेरे लिए अपर्याप्त है।' माघ ने कहा, 'अभी तुम एक ले जाओ, दूसरा मैं नहीं दे सकता।' पत्नी ने तुरंत दूसरा कंगन उतारा और बाहर आकर कविवर को देते हुए कहा, 'मुझसे क्यों छुपा रहे थे। जरूरतमंदों की मदद के लिए ही तो हमारा जीवन है। इस व्यक्ति को दूसरे कंगन की भी आवश्यकता है। इसे आप यह भी दे दीजिए।' अपनी पत्नी के व्यवहार से माघ बहुत खुश हुए और उन्होंने दूसरा कंगन भी पुजारी को देकर उसे प्रसन्नतापूर्वक विदा किया।

सूडोकु नवताल- 7145

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7144 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई। भारतीय सेना की पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक से उत्साहित शेयर बाजार भी बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ जबकि सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही वह हरे निशान पर आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 105.71 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 80,746.78 पर बंद हुआ। ये अपने इंट्रा-डे के निचले स्तर 79,937.48 से 809.3 अंक करीब 1.01 फीसदी ऊपर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में यह 34.80 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी बढ़कर 24,414.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, अदानी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। ये 5.05 फीसदी की बढ़त के साथ ही बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, सन फार्मा, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज़्यादा नीचे आये । इनमें 0.77 से 3.53 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो इसमें बुधवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज के फ्यूचर्स लगभग 0.6 फीसदी उछले थे। अमेरिका और चीन ने इस सप्ताह के अंत में स्विट्ज़रलैंड में व्यापार वार्ता आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। इससे एशियाई बाजारों में तेजी आई। अंत में टोक्यो का निक्केई 225 इंडेक्स 0.1 फीसदी नीचे आकर 36,779.66 पर बंद हुआ। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी की बढ़त के साथ ही 22,691.88 पर बंद हुआ। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.8 फीसदी बढ़कर 3,342.67 पर पहुंचा। वहीं टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स 40 अंक करीब 0.05 फीसदी नीचे आकर 80,600 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.35 अंक टूटकर 24,375 पर खुला। वहीं मिडकैप शेयरों में तेजी रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 136 अंक करीब 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 53,572 पर था। स्मॉलकैप इंडेक्स 69 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ 16,125 पर था। ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और पीएसई के शेयर सबसे ज्यादा उछले।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने की कीमतें 0.74 फीसदी नीचे आकर 96,772 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयीं जबकि चांदी की कीमतों में 0.20 फीसदी की कमी आई है, ये 96,504 रुपए प्रति किग्रा पर आ गयीं। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 2,400 रुपए बढ़कर 99,750 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 97,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। लगातार तीसरे दिन बढ़त को जारी रखते हुए 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 2,400 रुपए बढ़कर 99,300 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 96,900 रुपए प्रति 10 ग्राम था।चांदी की कीमतें भी 1,800 रुपए बढ़कर 98,500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाजार प्रतिभागियों का ध्यान अमेरिकी फेडरल रिजर्व की वाली बैठक के परिणामों और फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल की टिप्पणियों पर रहेगा।

गीदड़ भभकी देने वाला पाकिस्तान एयर स्ट्राइक के बाद अब हो गया शांत

करांची। भारत ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकियों के 9 ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया। वहीं दूसरी ओर बीते 15 दिनों से लगातार गीदड़भभकी दे रहे पाकिस्तान इस एयर स्ट्राइक के बाद उसकी आवाज बंद हो गई है। ये हम नहीं कह रहे बल्कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुद कहा है कि हम कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पस्त पड़ने के पीछे के कारणों के बारे में, तो इसकी एक नहीं कई वजह हैं। अब तक पाकिस्तान की ओर से भारत को लगातार धमकियां दी जाती रही थीं और यहां तक कि पाकिस्कान सरकार के मंत्री परमाणु हमले तक की धमकी दे रहे थे, लेकिन भारत की एयर स्ट्राइक के बाद इनके सुर बदल गए हैं। पाकिस्तान के मंत्रियों के बयान हैरान करने वाले हैं। दरअसल, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया, तो इस हमले के बाद ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि हम अपनी रक्षा करेंगे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर भारत और कार्रवाई नहीं करता तो हम हम भी कुछ नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते साल 2024 में भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान के खर्च से करीब नौ गुना ज्यादा रहा है। दोनों देशों के बीच जितने भी युद्ध हुए हैं पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय सेना और हथियारों पर भारी-भरकम खर्च के मामले में दुनिया में 5वें नंबर है, जबकि पाकिस्तान सूची में काफी नीचे है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने पिछले साल 2024 में अपनी सेना पर 86.1 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि पाकिस्तान का खर्च महज 10.2 अरब डॉलर का था। आर्थिक मोर्चे पर पाकिस्तान भारत के आगे कहीं नहीं टिकता है। रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से आर्थिक संकट झेल रहे पाकिस्तान की जीडीपी 350 अरब डॉलर है और इसपर कुल बाहरी कर्ज जीडीपी का 42 फीसदी के आसपास है तो वहीं भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब है यानी भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मुकाबला नहीं है।

संदीपनि विद्यालय बोलेगांव का परीक्षा परिणाम रहा शतप्रतिशत

दसवीं की पूर्णिमा कस्बे 97.6 प्रतिशत से अव्वल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एम पी बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में संदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाव लांजी बालाघाट के छात्र/छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित 89 विद्यार्थी में से 82 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में एवं 07 विद्यार्थीयों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। जिसमें 14 विद्यार्थीयों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किया है। जिसमें पुर्णिमा पिता अशोक कस्बे ने 97.6 प्रतिशत, वरमाला पिता रविन्द्र करहाटकरे ने 95.8 प्रतिशत, दिशा पिता खिलेश्वर भारद्वाज ने 95.6 प्रतिशत, चान्दनी पिता महारया कावरे ने 95.2 प्रतिशत एवं निधि पिता सुकेचन्द कावरे ने 94.2 प्रतिशत अर्जित कर अपने माता-पिता एवं विद्यालय को गौरवान्वित किया। इसी प्रकार कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित 34 विद्यार्थीयों में से 31 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए एवं 03 विद्यार्थी को पूरक प्राप्त हुई। इस प्रकार कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 91.1 प्रतिशत रहा। जिसमें छात्रा किरण पिता संदीप असाटी ने 93 प्रतिशत, ज्योति पिता रामकिशन बापुरे ने 87.4 प्रतिशत, गंगोत्री पिता रमन बुढावने ने 86.4 प्रतिशत, मिताली पिता अनिल बिहोने ने 86 प्रतिशत एवं मनीषा पिता सुरेन्द्र कबीरे ने 85.4 प्रतिशत अर्जित कर अपने माता-पिता एवं विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय के प्राचार्य बी आर गुरदे, उप प्राचार्य प्रवीण चन्द्र साहु एवं समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओ ने परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थीयों को बधाइयां प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सीएम राइस विद्यालय लांजी के प्राचार्य पी. के. भीमटे बने विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सीएम राइस विद्यालय लांजी के प्राचार्य पी. के. भीमटे को विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हे नव पद का कार्यभार सौंपा गया है। श्री भीमटे अपने शांत, सरल और समर्पित व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। वे अपने कार्यों के प्रति अत्यंत निष्ठावान एवं अनुशासित अधिकारी रहे हैं। इस आशय का आदेश मिलते ही सीएम राइस विद्यालय लांजी के स्टाफ में खुशी की लहर दौड़ गई। इस दौरान विद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया और उन्हें नये दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। सभी ने विश्वास जताया कि श्री भीमटे अपने नवीन दायित्व का कुशलता से निर्वहन करेंगे और क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेंगे।

व्यवहार न्यायालय लांजी में 10 को नेशनल लोक अदालत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्राणेश कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट, सतीश शर्मा न्यायाधीश व सचिव के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय बालाघाट एवं प्रीतम शाह व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खंड लांजी न्यायालय में 10 मई 2025 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, दिवानी मामले, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, सिविल, विद्युत अधिनियम, निगोशिएबल इस्ट्रूमेंट एक्ट के अंतर्गत चेक बाउन्स प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, राजस्व मामले के प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन के अंतर्गत बैंक, विद्युत, नगरपालिका के जल/सम्पत्ति कर वसूली प्रकरणों व चेक बाउन्स प्रीलिटिगेशन प्रकरण आदि का आपसी राजीनामा के माध्यम से निराकरण किया जावेगा। तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी द्वारा अपील की जाती है कि आप अपने न्यायालयीन प्रकरण या जलकर, सम्पत्तिकर, विद्युत बिल, बैंक रिकवरी संबंधी प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से करवाना चाहते है, तो वह अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपसी सुलह द्वारा 10 मई 2025 को जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाये। अधिक जानकारी के लिये जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट एवं तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के टोल फ्री नंबर 15100 पर नि:शुल्क कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा घोषित सत्र 2024-2025 के हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। घोषित परीक्षा परिणाम में विद्यालय का कक्षा दसवीं 81 प्रतिशत रहा, जिसमें 12 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया। जिसमें कु.युक्ता ज्ञानीराम फरदे 97.8 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, दिव्या खेमेश्वर गेडाम 97.4 प्रतिशत से द्वितीय, राज देवेन्द्र मस्करे 97.2 प्रतिशत से तृतीय, नैना रमेश दशहरे 97 प्रतिशत, गरिमा भागीरथ लिल्हारे 96.6 प्रतिशत, जतिन पुनाराम पिछोरे 96.6 प्रतिशत, आस्था महेश ढेकवारे 96.4 प्रतिशत, गुंजन दिनेश उके 96.4 प्रतिशत, वैष्णवी अरविंद लांडे 96.2, शालिनी संजय कात्रे 93.8, साधना प्रभुदास नगपुरे 91.2 प्रतिशत, रेवती मनोज टांडेकर 90.6 प्रतिशत रहा। विद्यालय में कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 68.5 प्रतिशत रहा, जिसमें रवि नगपुरे 88.6 प्रतिशत से प्रथम, पियूष नेवारे 87.2 प्रतिशत से द्वितीय, जयश्री 82.6 प्रतिशत से तृतीय, हासिनी मस्करे 81 प्रतिशत चतुर्थ, एवं सलोनी पटले 80.2 प्रतिशत ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। छात्रों की इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य गणेश फरदे, शिक्षक सुखमन कुराहे, रेखा लिल्हारे, डी. के. मरकाम, आशु बोरकर, दीपक सोलंकी, संतोष कुमार कुराहे, चंद्र कुमार सोनी, मनोज कुमार कोठारे, सुखदेव रहांगडाले, पंकज खरे, श्रीमती शीला ढोके, ज्योति मोहारे, गोविंद भोयर, भागीरथ लिल्हारे, श्रीमती डिलेश्वरी फरदे, डाली राम उपराड़े, राम निवास अवसरे, शोभेलाल बनोठे, शिव नारायण दहीकर, युगेश गिरेपुंजे, भेरसिंह लिल्हारे, गोविंद भोयर, समस्त अतिथि शिक्षकों एवं समस्त स्टाफ ने छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

लाँजी पुलिस की गौवंश तस्करो के विरूद्ध फिर से की गई बड़ी कार्यवाही

आयसर ट्रक सहित 20 नग बैल किया जप्त, 02 आरोपी गिरफ्तार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेन्द्र सिंह द्वारा जिले मे चल रही अवैध गतिविधियों, अपराधों की रोकथाम तथा अवैध गौवंश तस्करी की रोकथाम पर प्रभावी कार्यवाही हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है। जिसके पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट विजय डाबर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लांजी ओमप्रकाश द्वारा भी लगातार मार्गदर्शन दिये जा रहे है। 06 मई 2025 को ट्रक में क्रूरतापूर्वक भरकर गौवंश पशुओ को ले जाने की सूचना प्राप्त हुई, सूचना पर बकरामुंडी नाका के पास पहुंचकर सूचना की तस्दीक की गयी तो वाहन क्रमांक एमएच 40 सीटी 2069 आयसर लाँजी की ओर आ रहा था, जिसे रोककर ट्रक के अंदर चेक करने पर कुल 20 नग गौ वंश बैल क्रूरतापूर्वक भरे पाये गये। ट्रक के चालक से नाम पूछने पर अपना नाम शेख साहिल पिता महबूब शेख जाति मुसलमान उम्र 19 वर्ष निवासी नई बस्ती टेकानाका नागपुर, इरफान अहमद पिता फिरोज अहमद जाति मुसलमान उम्र 26 वर्ष निवासी मस्जिद के पास ईटाभट्टा चौक झोपड़पट्टी नागपुर का होना बताया। आरोपीगण का कृत्य मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6,9 एवं पशुओ के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 का पाये जाने उपरोक्त धारा सदर के तहत अपराध क्रमाँक 97/2025 पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया है। ज्ञात हो 10 दिन पूर्व भी लाँजी पुलिस ने एम्बुलेन्स के अंदर से 12 नग गौवंश जप्त कर बड़ी कार्यवाही थी।

इनकी रही भूमिका

उक्त कार्यवाही मे थाना लांजी से थाना प्रभारी निरीक्षक बीभेन्दरु व्यंकट टांडिया, उनि संजय सिंह किरार, सउनि तोपसिंह उईके, आरक्षक चेतन सोनी, रण्जीत प्रजापति एवं पवन धाकड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय लांजी का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

उत्कृष्ट विद्यालय कक्षा दसवीं की आयुषी सोनवाने ने अंग्रेजी माध्यम 97.08 प्रतिशत व हिंदी माध्यम में प्रेरणा गोदुले ने पाया 94.8 प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा घोषित सत्र 2024-2025 के हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी से कु. आयुषी सोनवाने अंग्रेजी माध्यम कक्षा 10 वीं की छात्रा ने 97.08 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वी में सैयद रूवैद अंग्रेजी माध्यम के छात्र ने 92.4 प्रतिशत एवं हिन्दी माध्यम में कक्षा 12 वीं में कु. शिवानी अजीत 89.2 प्रतिशत अंक तथा 10 वीं में प्रेरणा गोदुले ने 94.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। सत्र 2024-2025 में कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 88.6 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 76 प्रतिशत रहा। कक्षा 10 वीं में विद्यालय स्तर पर अंग्रेजी माध्यम में कु. आयुषी रविन्द्र कुमार सोनवाने 97.8 प्रतिशत लेकर प्रथम, विनयदास युगलदास बोहने 96.8 प्रतिशत से द्वितीय स्थान एवं कु. तनुश्री प्रताप मुरकुटे 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार से हिन्दी माध्यन में कु. प्रेरणा रेखराम गोदुले 94.8 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान, विकास अशोक भोण्डेकर 93.4 प्रतिशत से द्वितीय स्थान एवं कु. काजल रमेश पांचे 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12 में विज्ञान समूह हिन्दी माध्यम में प्रथम स्थान पर कु. शिवानी लवकुश अजीत 89.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान आयुष दिलीप बसोड 88.4 प्रतिशत, तृत्तीय स्थान कु. साक्षी अशोक चौधरी 83.2 प्रतिशत, विज्ञान समूह अंग्रेजी माध्यम में प्रथम स्थान पर सैयद रूवैद सैयद रिजबान 92.4 प्रतिशत, द्वितीय स्थान कु. सुरभि संतोष गज्जाम एवं समर्थ श्यामराव मंडाले 85 प्रतिशत, तृतीय स्थान कु. श्रेया भूपेन्द्र दुरुगकर 84.2 प्रतिशत। कला समूह प्रथम स्थान पर बादल दिलीप बागडे 88.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान मयंक कुमार सुरेन्द्र पाण्डे 82.21 प्रतिशत, तृतीय स्थान निर्भय मनोज कचचाहे 76 प्रतिशत। कृषि समूह में प्रथम स्थान पर डेविड मदनमोहन धुर्वे 85.4 प्रतिशत, द्वित्तीय स्थान पूरब पुरुषोत्तम 78.8 प्रतिशत, तृतीय स्थान मिनित वमारूलाल घोरमारे 72 प्रतिशत। कॉमर्स समूह में प्रथम स्थान पर साहिल पालकुमार बागडे 85 प्रतिशत, द्वितीय स्थान सत्यम जिवनलाल नारनौरे 83.6 प्रतिशत, तृतीय स्थान वैभव सियाराम कुशले 81.8 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। उक्त समस्त छात्र- छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन संस्था प्राचार्य पी.के. भीमटे के नेतृत्व में प्रदर्शित किया। जिस पर समस्त छात्रों को शुभाशिर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। संस्था में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षक डी. के. फुल्लारे एवं एस.आई. बनोठे, अभिलाषा मौर्य, रविता टाण्डेकर, सारिका बिसेन, जी.आर. चिखले, पवन चौधरी, आशा दुरुगकर, शीतल तुरकर, बबीता चौरे, किरण चौबे, छायाकिशोर घरते, रामगोपाल नगपुरे, सरिता भालेवार, पदमाकर लटारे, शिवानी खरगाल, प्रेमलता अवसरे, बिरेश्वर सोनवाने, समता बागडे, ज्योत्सना वैद्य, भूमेश्वरी बघेले, अंजू कर्राहे, अनतराम फुण्डे, मुकेश हरिनखेडे, खेमराज कोठारे, ममता भरने, चन्द्रकुमार वैद्य, मुरलीधर मेश्राम, मनोज लाडे, ओंकार बढई, अंकित मेश्राम एवं समस्त अतिथि शिक्षक व विद्यालयीन परिवार ने छात्रों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु हार्दिक शुभकामनायें देते हुये इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

खाई तालाब पर श्रमदान कर जल संरक्षण का दिया संदेश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी के ऐतिहासिक किला परिसर से लगे खाई तालाब पर श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान की सक्रियता निरंतर निकाय क्षेत्र में बनी हुई है। जिसके तहत नगर परिषद् लांजी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.एल.लिल्हारे के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान

परिषद् एवं नवांकुर संस्था स्पोर्ट एंड स्काउट गाइड ऑगेनाइजेशन, मोस्ट मध्यप्रदेश संस्था, यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण समिति लांजी के सहयोग से सामूहिक श्रमदान कर जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। खाई तालाब में दोनो छोर पर फैले कचरे एवं खरपतवार को मानवबल एवं जेसीबी के माध्यम से साफ सफाई कर लगभग 1.50 टन कचरा निकाला गया। इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से नगर परिषद् उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश आसटकर एवं वार्डवासियों के साथ-साथ मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र छात्रा एवं नगर परिषद् कर्मचारियों/सफाईमित्रो का सहयोग रहा।

लक्ष्मीकान्ता कॉलेज का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लाँजी स्नातक का परीक्षा परिणाम शत्-प्रतिशत रहा राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा द्वारा 06 मई 2025 को बी.कॉम. (कॅम्प्यूटर एप्लीकेशन) तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है इसी के अंतर्गत श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लाँजी का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इसमें बी.कॉम. कॅम्प्यूटर एप्लीकेशन तृतीय वर्ष में छात्रा भाग्यश्वरी कुशले 82.5 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, छात्रा सना खान 79.5 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं छात्रा आशा मेश्राम 79.00 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार महाविद्यालय में बी.कॉम. (कॅम्प्यूटर एप्लीकेशन) तृतीय वर्ष में 70.00 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के नाम इस प्रकार है - प्रियंका पांचे, पीयूष कोठारे, लोकेश कारलेकर, कृष्णा कुमार कोठारे व सलीम फैज खान। छात्रों की इस सफलता पर महाविद्यालय के संस्थापक लक्ष्मीचन्द कर्राहे, संचालक किशोर कुमार कर्राहे, गुलाबचन्द बड़घैया, डॉ. ताराचन्द बड़घैया, एवं श्रीराम कर्राहे, प्राचार्य एवं समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ ने शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पीएम श्री विद्यालय कुम्हारीकला का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुम्हारीकला का वर्ष 2024-2025 कक्षा दसवीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। कक्षा दसवीं में कुल दर्ज 147 छात्र-छात्राओं में से 144 छात्र छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से कुल 122 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में सफलता प्राप्त किया। इस प्रकार कक्षा दसवीं का कुल परीक्षा परिणाम 84.8 प्रतिशत रहा। जिसमें प्रथम स्थान में जैविका रजनीरे 94.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान दुर्गावती कंकरायने 91प्रतिशत, तृतीय स्थान में कल्याणी उरोडें 84.4 प्रतिशत में सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में कुल दर्ज 122 विद्यार्थियों में से 121 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुई और कुल 100 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की। कक्षा 12वीं का कुल परीक्षा परिणाम 82.6 प्रतिशत रहा। जिसमें जीवविज्ञान संकाय में छात्र रूशाली समरिते ने 76.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, संगीता कालबेले 70.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं योगिता मेश्राम व वीरेंद्र ठकरेले ने 67.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। गणित संकाय में छात्र साहिल बोरकर 95. 8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम एवं जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र समीर भीमटे ने 83.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान एवं खुशबू राजनिरे ने 79.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि संकाय में अवधेश बापूरे ने 74.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, प्रियंका उरोडे 71.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान ,आंचल खेरे 70.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कला सकाय में ढालेश्वरी सुलाखे ने 79.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, रोहित कुमार कार 77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं वेद प्रकाश नारनौरे ने 76.02 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। पीएमश्री विद्यालय में संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रम कक्षा दसवीं आईटी का परिक्षा परिणाम 100 प्रतिशत, 12वी आईटी का परिक्षा परिणाम 84.9 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वी के इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर का परिणाम 86.9 प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रीमा हनोते एवं शाला परिवार की ओर से कमल किशोर मेश्राम, शशिकांत चौहान, टीकाराम नेवारे, सुषमा गेड़ाम, लीलचंद घोरमारे, रूपलाल वाहने, मिलिंद मेश्राम, सरिता मालवीय, अंजना चौहान, अरविंद मंडलोई, गजेंद्र बोपचे, भरतलाल घरते, उदयचंद रहांगडाले, मधुपुष्पा ठाकुर, टिकेश्वर कर्राहे, पुरुषोत्तम गिरेपूंजे, विजय वासनिक, लेखराम हरिनखेडे, आत्मेश रिन्हायत, बागमोरे सर, प्रकाश श्रीवास्तव, जितेंद्र पटले, अरुण रणदीवे, मिलिंद सुखदेव आदि सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शुभकामनाएं प्रेषित की एवं

सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल लॉजी का 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल मध्यप्रदेश बोर्ड के द्वारा सत्र 2024-25 कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम 06 मई 2025 को घोषित किया गया है, जिसमें नगर के विद्यालय सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल, लॉजी का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। जिसमें कक्षा 10वीं से मीनल बोरकर 95.8 प्रतिशत से प्रथम, रिद्धिमा उमरे 93.4 प्रतिशत से द्वितीय, भूमिका नागेश्वर 93.02 प्रतिशत से तृतीय तथा आस्था किरमें 91.4 प्रतिशत, प्रणिता भीमटे 91.2 प्रतिशत, ईशा आसटकर 88.02 प्रतिशत, अनुष्का अंभोरे 86.4, जानवी केकरें 83, चिराग वानखेड़े 82.5, रूद्र प्रताप सिंह बैस 82.5, पंकज दलेमाल 82.02 प्रतिशत। इसी प्रकार हिंदी माध्यम में उमा अस्तने 68.6 प्रतिशत, चेतना गायकवाड 64.02, मानवी सकुलकर 63.02, मेहुल वाकडे 61.4 , प्रीति कुचलाहे 56.6 प्रतिशत रहा। इसी तरह विद्यालय में कक्षा 12वीं में प्रथम दामिनी पटले 88.41 प्रतिशत , द्वितीय वरुण मिश्रा 85.8 प्रतिशत , तृतीय रितेश रामटेक 81.2 प्रतिशत, हर्ष मस्करे 81, अमन मसराम 79.8 , दीपक वासनिक 79.6, मिहिर कावडे 79.6, प्रणव वानखेड़े 74.6 , प्रांजल सहारे 72.4 , हाशमी खान 70.81, शिवांश फुल्लरे 69.81 प्रतिशत रहा । विद्यालय प्राचार्य हेमंत बनकर ने सभीं विद्यार्थियों व अभिभावकों को अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए हार्दिक बधाई दी। समिति सचिव श्रीमती मीरा बनकर द्वारा सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी निरंतरता बनाये रखने की शुभकामनाएं दी। शिक्षक श्रीमती एस मिश्रा, श्रीमती सी भटेरे श्री एस लिलहारे, जे कचवाहें, जे बम्बारे, जे परिमल, के लाड़ेकर, पी येरपुड़े, टी चौहान, एच खान, आर वल्थरे, आर कालबेले, वी रामटेककर, वी कश्यप, एस आसटकर, आर सोनवाने ने छात्रों के अच्छे परिणाम में हर्ष व्यक्त किया । समिति अध्यक्ष श्रीमति विभा अनिल तिवारी ने सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए प्रेषित करने के साथ ही परीक्षा परिणाम को विद्यालय के सभी शिक्षक -शिक्षिकाओं के अथक परिश्रम का परिणाम बताया। समिति के अन्य पदाधिकारियो द्वारा भी बोर्ड परीक्षा में अच्छे परीक्षा परिणाम पर सभी छात्रों को व उनके परिवार को शुभकामनाए दी।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में होगी ओबीसी वर्ग की पुर्नसंरचना!

भोपाल । भारत सरकार ने जातिगत जनगणना की घोषणा कर दी है। इसके आंकड़े आने के बाद संभावना जताई जा रही है कि पिछड़ा वर्ग में शामिल जातियों पर इसका असर देखने को मिलेगा। कुछ जातियों को ओबीसी से बाहर करने के साथ ही कुछ जातियों को ओबीसी में शामिल किया जा सकता है। दरअसल, अन्य पिछड़ा वर्ग में उन जातियों को भी शामिल किया गया था, जो पैमाने के अनुसार पिछड़ी रह गई थीं। वहीं, बीते कुछ सालों में कुछ जातियों ने खूब तरक्की की है और आज उनका समाज में स्थान बराबरी का है। इसलिए संभावना जताई जा रही है कि जातिगत जनगणना के बाद कुछ जातियां अन्य पिछड़ा वर्ग से बाहर हो जाएंगी।

बता दें कि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग को पहचान दिलाने का काम पहली बार बीपी मंडल ने किया, जिसे मंडल कमीशन के नाम से जाना जाता है। यह कमीशन तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 1976 में बनाया था। बीपी मंडल 1980 में मप्र आए थे। उन्होंने मप्र सरकार से भी कहा था कि मप्र में अन्य पिछड़ा वर्ग की जातियों की गणना होनी चाहिए। उस समय मप्र के मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने विधायक राम जी महाजन के नेतृत्व में एक कमीशन का गठन किया, जिसे महाजन कमीशन कहा जाता है। इस कमीशन ने मप्र में अन्य पिछड़ा वर्ग की जातियों का अध्ययन शुरू किया। रामजी महाजन मप्र में पिछड़ा वर्ग आयोग के पहले अध्यक्ष थे।

पिछड़े वर्ग में जाति के शामिल होने की क्या है प्रक्रिया

महाजन कमीशन के दस्तावेज में इस बात का उल्लेख है कि हमारे समाज में जातियों की ऊंच-नीच के नियम थे, जो हमारे पुराने धार्मिक ग्रंथों में मिलते हैं। महाजन कमीशन पाया उन्हीं नियमों के अनुसार समाज में जातियों को स्थान मिला है। समाज में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य के अलावा शूद्र हैं। इसमें से भी कुछ जातियां अछूत और कुछ ऐसी हैं, जिन्हें लोग छू सकते हैं, इन्हें सछूत कहा गया। धार्मिक ग्रंथों के आधार पर जातियों को वर्गीकृत किया गया। महाजन कमीशन ने कुल 92 जातियां अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग में शामिल की थी, इनमें कई उपजातियां थीं, जिन्हें एक समूह के रूप में एक साथ शामिल किया गया था। इनकी

संख्या 92 से कहीं अधिक थी।

सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के आधार पर वर्गीकरण

इसके बाद इस आयोग ने इन जातियों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक स्थिति की जानकारी लेना शुरू की। यह भी जांचा गया कि सरकारी नौकरियों में किस जाति के कितने लोग हैं। जमीन पर किसका, कितना अधिकार है। व्यापार व्यवसाय में कौन लोग आगे हैं। पीने का पानी लोगों को कहां से मिल रहा है। मंदिर में प्रवेश और पूजा पाठ में लोगों का क्या स्थान है, इन सब पैरामीटर पर जांच करने के बाद इस कमीशन ने अपनी रिपोर्ट दी थी। इसके बाद अर्जुन सिंह ने मप्र में पहली बार अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण दिया था।

कुछ पिछड़ी जातियां संपन्न हो चुकी हैं

मप्र हाई कोर्ट में अन्य पिछड़ा वर्ग के मुद्दे की लड़ाई लडने् वाले सीनियर एडवोकेट रामेश्वर सिंह का कहना है कि जातिगत जनगणना के बाद परिस्थिति और अधिक साफ होगी। हो सकता है कुछ ऐसी जातियां और मिलें जिन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किया जाए। यह भी संभव है कि बहुत सी जातियां ऐसी हैं जो पिछड़े नहीं बची हैं, ये जातियां वह अगड़ी जाति के रूप में परिभाषित की जा सकती हैं। उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग से अलग किया जा सकता है। अन्य पिछड़ा वर्ग में जातियों को शामिल करने का अधिकार पहले संसद के पास था, लेकिन 105 में संविधान संशोधन के बाद यह अधिकार राज्य को दे दिया गया है।

कौन सी जातियां अलग हो सकती हैं

बीते कुछ सालों में कुछ जातियां ऐसी हैं जिन्होंने बहुत तरक्की की और समाज में भी आज अच्छी स्थिति में है। इनमें यादव, सोनी, जायसवाल, साहू, कौरव, कुर्मी और कुछ स्थानों पर लोधी, दांगी, राजपूत, ब्राह्मणों की कुछ उपजातियां, जाट, बिश्नोई। ये कुछ जातियां ऐसी हैं जिन्होंने बीते सालों में काफी तरक्की की है। उनकी सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक स्थिति बहुत अधिक सुधर गई है। यदि जातिगत जनगणना में यह बात सामने आती है तो इन जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग से अलग किया जाएगा।

मप्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की स्थिति

मप्र में फिलहाल अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पहले मप्र में अन्य पिछड़ा वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण मिलता था लेकिन कमलनाथ सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा कर दी थी। आरक्षण लागू भी हो गया था लेकिन इसके बाद मामला हाई कोर्ट आ गया। कुछ लोगों ने आपत्ति की। हाईकोर्ट ने 27 प्रतिशत आरक्षण को लगभग हरी झंडी दे दी थी, लेकिन राज्य सरकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट चली गई और फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में यह मामला लंबित है। अभी मप्र में कुछ मामलों में 14 प्रतिशत और कुछ मामलों में 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ अन्य पिछड़ा वर्ग को दिया जा रहा है।

मप्र-महाराष्ट्र के बीच होगा बड़ा समझौता

10 मई को भोपाल में होगा एमओयू, किसानों और आम जनता को मिलेगा फायदा

भोपाल। मध्य प्रदेश और महाराष्ट के बीच बड़ा समझौता होने जा रहा है। यह समझौता एमपी की तीसरी नदी जोडने् के लिए होगा। 10 मई को राजधानी भोपाल में ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए दोनों राज्यों के बीच एमओयू होगा। इससे किसानों और आम जनता को बड़ा फायदा होगा। साथ ही दोनों राज्यों में सिंचाई क्षेत्र के विस्तार और पेयजल उपलब्धता बढ़ेगी।

मप्र लगातार अपने पड़ोसी राज्यों से जल विवाद खत्म करने के साथ उनसे नदी समझौता भी कर रहा है। इससे प्रदेश के किसानों और आम जनता को काफी फायदा होने की उम्मीद है। राजस्थान और गुजरात के बाद अब महाराष्ट के साथ भी एमपी सरकार नदी जोड़ो अभियान के तहत एक एमओयू करने जा रही है। जिससे सिंचाई के साथ पेयजल उपलब्धता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मप्र शीघ्र ही तीसरी नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन की ओर अग्रसर हो रहा है। यह परियोजना महाराष्ट के सहयोग से क्रियान्वित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में पूर्व पीएम स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ो परियोजना की संकल्पना को क्रियान्वित करने में मप्र, देश में अग्रणी रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद महाराष्ट के साथ ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए एमओयू होने जा रहा है। महाराष्ट के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी 10 मई को भोपाल में मौजूद रहेंगे। दोनों राज्यों में सिंचाई क्षेत्र के विस्तार और पेयजल उपलब्धता को सुगम बनाने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे गुजरात भी लाभान्वित होगा।

शहर में आपात स्थिति से निपटने के लिए की गई मॉक ड्रिल की रिहर्सल

भोपाल। मध्यप्रदेश के 5 शहरों में बुधवार को मॉक ड्रिल के दौरान भोपाल में भी कई स्थानो पर यह मॉक ड्रिल की गई। इसमें सबसे पहले पुलिस लाइन नेहरू नगर में आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की रिहर्सल की गई। इस दौरान बताया गया कि हमले या आपदा के दौरान कैसे घायलों को प्राथमिक उपचार दिया जाए और उन्हें सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया जाए। ड्रिल के दौरान सीपीआर देना भी सिखाया गया। एक नकली हमले की स्थिति में घर में आग लगने का दृश्य दिखाया गया, जहां फायर फाइटर्स ने आग पर काबू पाया और घायलों को सुरक्षित निकाला।

मॉक ड्रिल के दौरान डीबी मॉल में आयोजित फायर ड्रिल में आगजनी की स्थिति में त्वरित अग्निशमन एवं घायलों की सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया गया। सभी को सरोजनी नायडू महाविद्यालय में स्थापित अस्थायी अस्पताल में उपचार दिये जाने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया। न्यू मार्केट में लोगों की सुरक्षित निकासी कर पुलिस लाइन तक पहुँचाने का अभ्यास किया गया, जहाँ भीड़ प्रबंधन और राहत कार्यों का समन्वय कुशलतापूर्वक किया गया। भेल क्षेत्र में सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन में बचाव दल ने लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं कोकता मल्टी में भवन ध्वस्तीकरण के दौरान फँसे व्यक्तियों की रेस्क्यू प्रक्रिया को प्रभावी तरीके से अंजाम दिया गया।

बैतूल में स्वच्छ भारत मिशन में घोटाला, सीएम से मिले विधायक, जांच की मांग

चिचोली-भीमपुर जनपद में 13.21 करोड़ का फर्जी भुगतान

भोपाल । बैतूल जिले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में बड़ा घोटाला सामने आया है। चिचोली और भीमपुर जनपद पंचायतों में 13.21 करोड़ रुपए का फर्जी भुगतान किया गया। इस मामले को लेकर बैतूल जिले के चार विधायकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से वल्लभ भवन में मुलाकात की।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की जांच में यह मामला सामने आया है। 2021-22 से 2024-25 के दौरान ब्लॉक समन्वयक राजेंद्र परिहार ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग किया। बिना काम कराए ही वेंडर्स और फर्मों को भुगतान कर दिया गया।

विधायकों ने सीएम को दी जानकारी

बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख, भैसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान और घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगाबाई उइके ने मुख्यमंत्री को पूरे मामले की जानकारी दी। विधायकों ने बताया कि अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। केवल कुछ कर्मचारियों पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री ने दिया उच्चस्तरीय जांच का आश्वासन

विधायकों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है। साथ ही भविष्य में ऐसे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने का आश्वासन दिया है। मुलाकात के दौरान विधायकों ने बैतूल जिले के विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने सीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर भी उनसे चर्चा की है।

मप्र में बनेंगे 4 बड़े कॉरिडोर, 3 राज्यों को सीधा जोड़ेगी 8 लेन चौड़ी हाईस्पीड सडक़

भोपाल। मप्र में कई बड़े कॉरिडोर बनाए जाने की योजना है। इनके माध्यम से देश के प्रमुख शहरों और राज्यों को सीधा जोड़ा जाएगा। प्रदेश के जबलपुर से ये कॉरिडोर बनाए जाएंगे। खास बात यह है कि जबलपुर से हाईस्पीड कॉरिडोर प्रस्तावित किए गए हैं जोकि 8 लेन तक चौड़े होंगे। ये यूपी के यमुना एक्सप्रेस वे और महाराष्ट के मुंबई एक्सप्रेस वे की तरह के होंगे। एमपी में अभी तक एक भी हाईस्पीड कॉरिडोर नहीं हैं। एमपी में अनेक नेशनल हाईवे हैं और दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे भी तीन जिलों से गुजर रहा है लेकिन यूपी के यमुना एक्सप्रेस के जैसा हाई स्पीड कॉरिडोर एक भी नहीं है। ये कॉरिडोर आमतौर पर 8 लेन के और कम से कम 6 लेन के होते हैं। हाई स्पीड कॉरिडोर की सडक़ें बिल्कुल सीधी होती हैं जिनमें गति के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता। कॉरिडोर को स्पीड सेंसर, जीपीएस ट्रैकर जैसी सुविधाओं के साथ एक्सीडेंट फ्री बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए कॉरिडोर को दोनों ओर से कवर किया जाता है, ताकि सडक़ों पर वाहन तो सरपट दौड़ते रहें लेकिन दुर्घटना भी न हो। हाई स्पीड कॉरिडोर में जबलपुर से अंबिकापुर-वाराणसी और जबलपुर से प्रयागराज एमपी को यूपी से जोड़ेंगे। महाराष्ट के लिए जबलपुर से नागपुर कॉरिडोर प्रस्तावित है। लखनादौन से रायपुर हाईस्पीड कॉरिडोर छत्तीसगढ़ से जोडने् के लिए बनाने की योजना है। इन 4 कॉरिडोर के अलावा जबलपुर भोपाल हाई स्पीड कॉरिडोर की भी योजना बनाई जा रही है।

मप्र में माओवादी संगठन पर जारी रहेगा बैन

भोपाल। मध्य प्रदेश में माओवादी संगठन पर बैन जारी रहेगा। गृह विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के दो संगठन पर बैन को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। बता दें कि गृह विभाग ने क्रांतिकारी जन कमेटी और क्रांतिकारी किसान कमेटी पर बैन को एक साल के एक्सटेंशन कर दिया है। यह बैन पिछले साल इन संगठनों के खिलाफ जारी किया गया था। यह फैसला राज्य में माओवादी गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

गौरतलब है कि बालाघाट समेत आसपास के जिलों में माओवादी सक्रिय हैं। इन संगठनों पर बैन का मतलब है कि उनकी सभी गतिविधियां गैरकानूनी होंगी।

हर महीने करोड़ों के अनाज डकार रहे थे फर्जी हितग्राही

ई-केवायसी में अभी तक मिल चुके हैं 15.46 लाख फर्जी हितग्राही

भोपाल। गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सरकारी सस्ते राशन की सुविधा बिना रुकावट मिलती रहे, इसके लिए मप्र सरकार ने ई-केवायसी को अनिवार्य कर दिया है। इसका सीधा मकसद यह है कि राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाई जाए और हर दाना सही व्यक्ति तक पहुंचे। अभी तक सरकार की ई-केवायसी की प्रक्रिया में प्रदेशभर में 15.46 लाख फर्जी हितग्राही मिले हैं जो हर महीने गरीबों के करोड़ों रूपए के अनाज डकार रहे थे।

ई-केवायसी प्रक्रिया से फर्जी राशन कार्ड बनवाने वाले बेनकाब होने लगे हैं। वहीं ऐसे पात्र हितग्राहियों को भी राशन मिलेगा, जो किन्हीं कारणों से छूट जाया करते थे। ऐसे में अब फर्जी कार्ड बनवाने वालों में हडक़ंप मच गया है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार की सख्ती के चलते प्रदेशभर में राशन लेने वाले हितग्राहियों की ई-केवायसी शुरू कराई गई थी। विभागीय अफसरों का कहना है कि ई-केवायसी करके सभी अपात्रों को चिह्नित करके उनके नाम काटे जा रहे हैं। कमिश्नर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग कर्मवीर शर्मा का कहना है कि नए पीडीएस सिस्टम लागू होने पर ई-केवायसी अनिवार्य किया गया है। इसके लिए हम लगातार अभियान चला रहे हैं। जो भी अपात्र हितग्राही हैं, उन्हें ई-केवायसी के जरिए ट्रैस कर रहे हैं। अब तक 15.46 लाख अपात्र हितग्राही सामने आ चुके हैं। जिनके नाम सिस्टम से हटाने की

कार्रवाई की जा रही है।

हर महीने 7730 टन अनाज की हेराफेरी

जब से ई-केवायसी प्रक्रिया शुरू हुई है इसमें अब तक 15.46 लाख हितग्राही फर्जी मिल चुके हैं। जो कि बीते 5 साल से हर महीने 7730 टन अनाज लेते आ रहे हैं। इनमें मृतक, डुप्लीकेट और दूसरे राज्यों से अनाज लेने वाले शामिल हैं। विभागीय अफसरों का कहना है कि ई-केवायसी करके सभी अपात्रों को चिह्नित करके उनके नाम काटे जा रहे हैं। राशन वितरण से जुड़ी गड़बडिय़ों की पड़ताल में पता चला कि केन्द्र सरकार तो अब तक मप्र के लिए तय कोटे से अधिक हितग्राहियों के लिए अनाज भेजती आ रही थी। इसका खुलासा भी ई-केवायसी की सख्ती के बाद हुआ। इधर, अफसरों को अब राशन वितरण और पात्रता पर्चियां जारी करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वे हितग्राही जिनकी ई-केवायसी नहीं हो पाई है। उन्हें राशन मिलना बंद हो चुका है। इसमें अधिकांश नाम फर्जी हितग्राहियों के थे। वहीं, पात्रता पर्ची के इंतजार में दो साल से परेशान हितग्राहियों को भी अफसर जल्द पर्चियां जारी करने की बात कह रहे हैं।

फर्जी हितग्राहियों के नाम हटाए जा रहे

अधिकारियों का कहना है कि फर्जी हितग्राहियों को चिह्नित करके उनके नाम लगातार हटाए जा रहे हैं। यह काम पूरा होते ही नए नाम जुड़ सकेंगे। मप्र के लिए केन्द्र की ओर से 5.46 करोड़ हितग्राहियों का टारगेट निर्धारित किया गया था। लेकिन प्रदेश में 5.54 करोड़ हितग्राही हो चुके हैं। इनमें अंतर 8 लाख अधिक हितग्राहियों का है। ई-केवायसी की अनिवार्यता के बाद से केन्द्र द्वारा कोटे के अनुपात में ही राशन आवंटित किया जा रहा है। यही कारण है कि कोटे से अधिक हो चुके हितग्राहियों को राशन देने में भी खाद्य विभाग को मुश्किल हो रही है। अफसरों का कहना है कि राशन वितरण की समस्या जल्द ही खत्म हो जाएगी। प्रदेश में बीते दो साल से राशन पर्ची लेने के लिए हितग्राही परेशान हो रहे हैं। कोटे से अधिक हितग्राही होने के चलते सरकार की ओर से राशन पर्ची जारी नहीं की जा रही है। ऐसे करीब 14 लाख हितग्राही लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा वे लोग हैं जो या तो नए राशन कार्ड बनावा चुके हैं या राशन कार्ड में नाम जुड़वा रहे हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में वास्तवित हितग्राही मुफ्त अनाज लेना तो छोड़िए राशन पर्ची की मदद से सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहे हैं।

तय समय पर पूरी हों सभी वृहद परियोजनाएं - मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल (ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य की सभी विकास परियोजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति में गति लायी जाए और हर स्तर पर नियोजन की स्पष्टता हो। मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि परियोजनाओं की सफलता का मूल मंत्र समर्पण, पारदर्शिता और समय प्रबंधन है। उन्होंने कहा कि अधूरी अथवा लंबित परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य में तेजी लायी जाए, जिससे जनहित में समय रहते लाभ पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 126 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी सहित जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में प्रदेश में चल रही विभिन्न वृहद परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को समुचित दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के हर पहलू को प्राथमिकता दे रही है। सरकार के प्रयासों का जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिले, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इन 2 वृहद परियोजनाओं को मिली मंजूरी

इसके तहत वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2 वृहद परियोजनाओं को मंजूरी दी। टर्न की पद्धति पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) पेट्रोकेमिकल परियाजना के लिए महुता घाट के डाउनस्ट्रीम में बैराज एवं संबंधित कार्यों का निर्माण कराया जाएगा। विदिशा एवं सागर जिले में इस परियोजना के तहत 42.94 मिलियन घन मीटर जल संग्रहण क्षमता वाला बांध निर्माण किया जाएगा। कुल 229.78 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली इस वृहद परियोजना में 6.6 कि.मी. लम्बाई की पाइप लाइन बिछाने का काम, पम्प हाउस एवं इंटेकवेल के निर्माण सहित 1.25 मेगावाट के पम्प हाउस का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा। यह सम्पूर्ण कार्य अगले 33 माह में पूरा किया जाएगा।

उज्जैन जिले के गोठड़ा से शनि मंदिर तक कान्ह नदी के दोनों ओर तटों पर घाटों का निर्माण (कुल लम्बाई लगभग 29.21 किमी) एवं क्षिप्रा नदी के बाएं एवं दाएं तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक घाट निर्माण कार्य एवं कान्ह नदी पर पंथ पिपलई, जमालपुरा, गोठड़ा स्टॉप डेम, पिपलिया राधौ बैराज नम, रामवासा बैराज नं. 2 का स्टॉप डेम का निर्माण कार्य एवं क्षिप्रा नदी पर किथोदाराव बैराज का निर्माण कार्य एवं उन्डासा और जस्ताखेड़ी तालाब का मरम्मत कार्य तथा दुर्गादास की छतरी के पास सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल की द्वितीय परीक्षा

भोपाल। सत्र 2024-25 की हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिये एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 7 मई से फार्म भरे जाना शुरू हो गये है। फार्म 21 मई 2025 तक रात्रि 12 बजे तक भरे जा सकेंगे। हाई स्कूल द्वितीय परीक्षा 17 जून से 26 जून 2025 तक और हाई सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई 2025 तक प्रात- 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम मण्डल की वेब साइट www.mpbse.nic.in पर देखी जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद एमपी में दिखा उत्साह

भोपाल। पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एयर स्ट्राइक की है। इस सैन्य अभियान को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया है, जिसमें तीनों सेनाओं ने साझा रूप से 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इस कार्रवाई के बाद देशभर में प्रतिक्रिया देखने को मिली, खासकर मध्य प्रदेश में देशभक्ति का माहौल नजर आया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय सेना की पोस्ट को

रीपोस्ट किया और लिखा कि भारत माता की जय। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद पटेल ने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि ये नया भारत है, भारतीय सेना जिंदाबाद, जय हिंद।

कांग्रेस नेता कमलनाथ ने भी इस सैन्य कार्रवाई को लेकर गर्व व्यक्त किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने भी भारत माता की जय, जय हिंद लिखा। यह कार्रवाई न केवल आतंकी ठिकानों पर सीधा हमला है, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी है कि भारत अब हर हमले का जवाब दृढ़ता से देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं वह होता है

ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यंमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं वह होता है। हमारी सेना भी जगत जननी मां जगदंबा नवदुर्गा के समान शक्ति संपन्न है, जो दुश्मनों से निपटने में सक्षम है। पाकिस्तान के 9 आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब दिया है, पूरा देश गौरांवित है पूरे देश आनंद में है। ऑपरेशन सिंदूर नाम से ही स्पष्ट है, सिंदूर पर हाथ लगाने वाले- गलत निगाह दौडने् वाले को भारतीय सेना ने जवाब दिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि वह दृश्य अपने सामने दिखाई दे रहा है जिसमें यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि हर वह स्थान और हर वह व्यक्ति जो भारत की तरफ गलत निगाह से दिखेगा उसे मिट्टी में मिला देंगे। यह परिणाम सबने देखा है, मेरी अपनी ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को आतंकी खातमें के इस जबर्दस्त प्रहार की कोटिश- बधाई... हमारे रक्षा मंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री ,सरकार और पूरे भारतवासी जिन्होंने पहलगाम पर एकजुटता दिखाई, वह सबके लिए गौरव का विषय है। डॉ. यादव ने कहा कि हम सब प्रधानमंत्री मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर कदम के साथ है। हमारे देश के दुश्मनों को सबक सिखाते हुए भारतीय वीरता का जो परचम फहराया है, यह हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का आधार है। इस ऑपरेशन में किसी को व्यक्तिगत हानी ना होते हुए आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। यह घटना 56 इंच के सीने के सामर्थ्य को दर्शाती है....

पंजाब पर जीत के इरादे से उतरेगी दिल्ली

धर्मशाला। आईपीएल में गुरुवार को अक्षर पटेल की दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में दिल्ली का लक्ष्य किसी भी प्रकार जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। इस मैच में मिली हार से उसकी प्लेऑफ की संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। पिछले पांच मैचों में तीन हारने और एक का परिणान नहीं निकलने से दिल्ली के 11 मैचों में 13 अंक हैं और वह पांचवें स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में दिल्ली की बल्लेबाजों ने निराशाजन प्रदर्शन किसा था जिससे वह उबरना चाहेंगे। इस मैच में उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज असफल रहे थे। पिछले मैच में करूण नायर से पारी की शुरूआत कराने का प्रयोग भी असफल रहा।

फाफ डु प्लेसी भी शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट खो बैठे। अभिषेक पोरेल अच्छी शुरूआत का लाभ नहीं उठा पाये। वहीं टीम के मुख्य बल्लेबाज केएल राहुल भी पिछले मैच में विफल रहे थे। कप्तान अक्षर पटेल भी इस मैच में रन नहीं बना पाये। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम बल्लेबाजों का सहायक रहा है ऐसे में यहां जमकर रन बनने की संभावनाएं हैं। यहां पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच मैच में बड़ा स्कोर बना था।

वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। वह अब तक 11 में से केवल तीन मैच हारी है और तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसके बाद शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेल रहे हैं जिसका लाभ उसके मिला है। उसके बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह शानदार फार्म में हैं। इस बल्लेबाज ने अबतक 437 रन बनाये हैं । कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी 405 रन बना लिए हैं जिसमें चार अर्धशतक शामिल है। वह इस आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। प्रियांश आर्य ने 347 रन बनाये हैं जबकि नेहाल वढेरा और शशांक सिंह भी निचले क्रम पर तेजी से खेलते हैं। गेंदबाजी की बात करें तो दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल जैसे गेंदबाज हैं जिनका सामना करना पंजाब के लिए आसान नहीं होगा। वहीं दूसरी ओर पंजाब के पास युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह के अलावा मार्को जानसेन जैसे गेंदबाज हैं जो दिल्ली के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं ः

पंजाब किंग्स ः श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।

दिल्ली कैपिटल्स ः अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

ट्रेनर की सलाह पर ध्यान दें भारतीय फुटबॉलर -एडमिल्सन

मुम्बई । ब्राजील के पूर्व फुटबॉलर जोस एडमिल्सन ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाड़ियों को बेहतर बनने के लिए ट्रेनर की सलाह पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। एडमिल्सन रियाल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना की ओर से भी खेले हैं। एडमिल्सन के अनुसार फुटबॉल प्रबंधन को ये भी देखना चाहिये की खिलाड़ी क्या चाहते हैं। एडमिल्सन ने कहा, ''एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बनने की तकनीक हासिल करने से पहले कई तरह की चीजों को सीखना होता है। इसलिए खिलाड़ियों को ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना होगा और देखना होगा कि वे क्या चाहते हैं।'' ब्राजील की 2002 विश्व कप विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य रहे इस खिलाड़ी ने कहा, ''एक अच्छा खिलाड़ी बनाने से पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना होगा और यह बहुत अहम है। कई जगहों पर बच्चे खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं पर उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिनका समाधान करना होगा। '' पेपे अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी की तुलना में पुर्तगाल टीम के उनके साथी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अच्छा डिफेंडर मानते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम लेना होगा क्योंकि मैं उनके साथ ट्रेनिंग करता हूं। मुझे पता है कि उनके खिलाफ कितना कठिन है। '' उन्होंने कहा, ''क्रिस्टियानो एक ऐसे फुटबॉलर रहे हैं जिन्होंने संघर्ष किया है और रियाल मैड्रिड को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने मैनचेस्टर युनाइटेड, युवेंटस, पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने हमेशा बहुत सारे मैच जीते हैं। मुझे पता है कि उनके साथ ट्रेनिंग करना कैसा होता है। उन्होंने बहुत मेहनत की है।

क्रिकेट जगत ने भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक को सही जवाब बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट जगत ने भी पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक की प्रशंसा की है। क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के अलावा सचिन तेंदुलकर , वीरेंद्र सहवाग , हरभजन सिंह व सुरेश रैना सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को सही जवाब करार दिया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही सेना को कार्रवाई के लिए कहा गया था। ऐसे में सेना ने पाक आतंकियों के 9 ठिकानों पर जबरदस्त हमले किये। सेना अधिकारियों ने इसे संयमित लेकिन ठोस जवाब बताया। गंभीर के अलावा पूर्व क्रिकेटर व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा और प्रज्ञान ओझा ने भी सोशल मीडिया पर सेना की प्रशंसा करते हुए जय हिंद लिखा। वहीं हरभजन सिंह ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, जय हिंद, यह हमारे निर्दोष भाइयों की निर्मम हत्या का जवाब है। रैना ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस ऑपरेशन से जुड़ी तस्वीरें साझा कर सेना का समर्थन किया। सचिन तेंदुलकर ने भी एक्स पोस्ट पर लिखा, भारत की ढाल उसके लोग हैं। इस दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हम एक टीम हैं! जय हिंद इसके अलावा पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, अगर कोई आप पर पत्थर फेंके तो उसपर फूल फेंकों, लेकिन गमले के साथ। जय हिंद। युव क्रिकेटर वरुण चक्रवर्ती ने भी इस ऑपरेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया में जारी की हैं। पूर्व गेंदबाज चेतन शर्मा ने कहा, जब बात सुरक्षा की हो, तो भारत संकोच नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर कोई जवाब नहीं, बल्कि हमपर हमला करने वालों को एक सख्त संदेश है। वहीं पूर्व महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने भी कहा, सटीकता, उद्देश्य और ताकत। भारत इसी तरह जवाब देता है। सेना इस कार्रवाई में आम लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया और केवल आतंकियों पर निशाना साधा गया।

धीमी ओवर गति के लिए हार्दिक, आचारसंहिता उल्लंघन के लिए नेहरा पर जुर्माना

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में दोहरा झटका लगा है। टीम की हार के बाद धीमी ओवर गति के लिए उनपर जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में धीमी ओवर गति से जुड़ा मुंबई इंडियंस का दूसरा मामला था। इसलिए, पांड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित अंतिम ग्यारह के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

हार्दिक से पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, शुभमन गिल (गुजरात टाइटन्स), अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), रियान पराग (राजस्थान रॉयल्स) और हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस) पर इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया था।

इसके अलावा, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा को अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई। उन पर फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया।एक बयान में कहा गया है, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उन्हें एक नकारात्मक अंक भी दिया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है। यह खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है इसमें उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया है।

गंभीर दो पूर्व कप्तानों पर भड़के बोले, भारतीय क्रिकेट को निजी जागीर समझ रहे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि जो शीशे के घरों में रहते हैं उन्हें किसी और पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिये। गंभीर ने किसी का नाम नहीं लेते हुए दो पूर्व कप्तानों पर तंज कसा है। गंभीर ने इन दो पूर्व दिग्गजों पर भारतीय क्रिकेट को अपनी 'निजी जागीर' समझने का भी आरोप लगाया है।

गंभीर ने कहा, 'मैं आठ महीने से काम में लगा हूं इसके बाद अगर परिणाम नहीं आते हैं तो आलोचना होनी चाहिये पर कुछ लोगों का काम ही आलोचना करना है। साथ ही कहा कि ऐसे लोग भी हैं जो 25 साल से कमेंट्री बॉक्स में बैठे हैं और उन्हें लगता है कि भारतीय क्रिकेट उनकी निजी जागीर है पर भारतीय क्रिकेट किसी की निजी संपत्ति नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की है। इन लोगों ने मेरी कोचिंग, मेरे रिकॉर्ड से लेकर सिर में लगी चोट और चैंपियंस ट्रॉफी की इनामी राशि तक में सवाल उठाए थे। मुझे किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि मैंने कहां पैसा खर्च किया है और कहां निवेश किया है लेकिन इस देश को यह पता होना चाहिए कि ऐसे खिलाड़ी एनआरआई हैं जो भारत में कमाते हैं और पैसा बाहर ले जाते हैं। मैं 180 दिन बिताने के लिए 11ः55 बजे भारत नहीं आता। मैं एक भारतीय हूं। मैं टैक्स बचाने के लिए कभी एनआरआई नहीं बनूंगा।'

आईपीएल छोड़ सकते हैं वेस्टइंडीज के ये तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली। रोमारियो शेफर्ड सहित आईपीएल में खेल रहे वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ी शेरफेन रदरफोर्ड और शमार जोसेफ अपनी अपनी टीमों का साथ छोड़ सकते हैं। इसका कारण है कि इन्हें इसी माह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की ओर से खेल रहे हैं। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड गुजरात टाइटंस और जोसेफ शेफर्ड लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से खेल रहे हैं।वेस्टइंडीज को 21 मई से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ 3-3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। वहीं दूसरी ओर, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ मुकाबले 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे। इसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। शेफर्ड आईपीएल छोड़कर एकदिवसीय सीरीज खेलने आयरलैंड जाते हैं तो यह आरसीबी के लिए बड़ा झटका होगा। इसी तरह रदरफोर्ड भी गुजरात टाइटंस के अहम खिलाड़ी हैं। वहीं शमार को अब तक सुपरजायंट्स से खेलने का अवसर नहीं मिला है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भी इस बारे में अभी तक अपने खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बनाया है. संभव है कि आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों में शामिल खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज बोर्ड थोड़ा समय दे दे। वेस्टइंडीज की टीम पहले आयरलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी. इसके मैच 21, 23 और 25 मई को खेले जाएंगे।

हार्दिक की एक गलती से हारी मुम्बई

मुम्बई (ईएमएस)। कप्तान हार्दिक की एक गलती से मुम्बई इंडियंस को गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर गुजरात ने जीत हासिल की। इसी के साथ ही गुजरात 11 मैच में 16 अंक के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। गुजरात ने इस मैच में टॉस जीतकर मुम्बई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मुम्बई ने आठ विकेट पर 155 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा हुए गुजरात ने 18 ओवर में छह विकेट पर 132 रन बना लिए उसी दौरान बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। दोबारा शुरू होने पर टाइटंस को डकवर्थ लुईस प्रणाली के तहत एक ओवर में 15 रन बनाने थे और ये रन उसने बना लिये।

गुजरात को आखिरी गेंद पर जीत के लिए एक रन चाहिए था और बल्लेबाजी कर रहे दीपक चाहर ने ऑफ स्टंप के ठीक बाहर एक फुल लैंथ गेंद फेंकी। नए बल्लेबाज अरशद खान ने उसे खेलकर एक रन के दौड़ लगायी पर पंड्या ने स्टंप्स पर निशाना लगाया पर गेंद नहीं लगी जिससे मुकाबला मुम्बई के हाथ से निकल गया।

कव्या की नकल करती दिखीं पीएसएल में अभिनेत्री माया अली

लाहौर। भारत में जिस प्रकार आईपीएल चल रहा है उसी प्रकार पाकिस्तान में भी पीएसएल चल रहा है। ऐसे में पीएसएल का भी एक वीडियो आया है। इसमें कराची किंग्स और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच मुकाबला खेला गया था। इसमें कराची किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए जबकि क्वेटा ग्लेडिएटर्स की टीम 119 रन बनाकर हार गयी। इस दौरान क्वेटा ग्लेडिएटर्स की हार के साथ ही सबसे निराश अभिनेत्री माया अली नजर आयीं। माया क्वेटा ग्लेएडिएटर्स की प्रशंसक हैं और अपनी खूबसूरत अदाओं के लिए जानी जाती हैं।

मैच के दौरान उनके चेहरे के हाव-भाव भी अलग तरह के थे। इससे सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि माया , काव्या मारन की नकल कर रही हैं। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या भी मैदान पर इसी तरह अपनी टीम का उत्साह बढ़ाती नजर आयी हैं। विकेट गिरने से लेकर, चौके-छक्के उड़ने और कैच गिरने तक उनके चेहरे का रंग बदलता रहता है। वहीं माया पिछले कई सीजन से बतौर ब्रांड एंबेसडर क्वेटा ग्लैडिएटर्स के साथ जुड़ी हैं। माया पाकिस्तान की सबसे अमीर अभिनेत्रियों में से एक हैं।

जेमिमा सबसे तेज शतक लगाने वाली तीसरी भारतीय महिला क्रिकेट बनी

कोलंबो। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स ने श्रीलंका में जारी महिला त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के पांचवें मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आक्रामक शतक लगाया है। जेमिमा ने में 89 गेंदों पर ही ये शतक बना दिया। ये किसी भी भारतीय महिला बल्लेबाज का तीसरा सबसे तेज शतक है। जेमिमा ने 101 गेंदों में 123 रन बनाये। इससे भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाये। रोड्रिग्स ने अपनी शतकीय पारी में 15 चौके जड़े और एक छक्का लगाया। वहीं दीप्ति शर्मा ने 93 और स्मृति मंधाना ने 51 रन बनाये।

जेमिमा का ये अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मैचों में दूसरा शतक है। ये किसी भी भारतीय महिला क्रिकेटर की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी पारी भी है। ये भारतीय महिला क्रिकेटर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज शतक भी है। वहीं एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की तरफ से सबसे बड़ी पारी स्मृति मंधाना ने खेली थी। मंधाना ने साल 2018 में किंबरली में 136 रन बनाये थे।

वहीं भारत की ओर से महिला क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी मंधाना के ही नाम है। उन्होंने इसी साल आयरलैंड के खिलाफ 70 गेंद में शतक लगाया था। दूसरा सबसे तेज शतक हरमनप्रीत कौर के नाम है जिन्होंने 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 87 गेंद में शतक लगाया था। अब इस सूची में जेमिमा का नाम भी जुड़ गया है।

धोनी के कारण अनकैप्ड खिलाड़ी नियम में बदलाव से नाराज हैं गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि इस आईपीएल सत्र से पहले महेन्द सिंह धोनी के लिए अनकैप्ड खिलाड़ी नियम में जो बदलाव किया गया था वह सही नहीं था। गावस्कर के अनुसार इससे खेल को नुकसान हुआ है। इस नियम के अनुसार पांच या उससे ज़्यादा साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर चार करोड़ रुपये में बरकरार रखा जा सकता है। इसी नियम के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम धोनी को शामिल करने में सफल रही। गावस्कर का कहना है इससे नये अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी चार करोड़ की बड़ी रकम मिल रही है जो नहीं दी जानी चाहिये।

गावस्कर ने कहा है कि इतनी अधिक कीमत मिलने से युवा, अनकैप्ड खिलाड़ियों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पूर्व कप्तान ने कहा, भारतीय क्रिकेट किसी भी खिलाड़ी के जाने से थोड़ा दुखी होता है, चाहे वह सफल रहा हो या असफल। धोनी पिछले साल नीलामी से पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए थे और उन्हीं को टीम में रखने करने के लिए अनकैप्ड खिलाड़ी को मिलने वाली राशि बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये कर दी गयी थी। उन्होंने कहा, अचानक ही करोड़पति बनने वाले ज़्यादातर खिलाड़ी अति उत्साहित होते हैं। अचानक ही ये बड़ी राशि उन्हें मिली होती है जबकि वे आम तौर पर अपने राज्य के शीर्ष 30 खिलाड़ियों की टीम में भी शामिल नहीं होते हैं। गावस्कर ने साथ ही कहा , पिछले कुछ सालों में ऐसे अनकैप्ड खिलाड़ियों को याद करना मुश्किल है जिन्हें बड़ी रकम दी गई और वो कुछ कमाल करने में सफल रहे. हो सकता है कि अगले कुछ सालों में वह अनुभव के साथ थोड़ा बेहतर हो जायें पर अगर वह उसी स्थानीय लीग में खेल रहे हैं तो अधिक सुधार की संभावना नहीं होगी।

आईपीएल मैच में छायी अवनीत

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री अवनीत कौर मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मैच में नजर आयीं। अवनीत सबसे पहले तब चर्चाओं में आई थीं जब विराट ने उनकी तस्वीर लाइक की थी। मैच में जैसे ही अवनीत नजर आयी। सोशल मीडिया पर हल्ला हो गया। इसके बाद से ही सभी मीडिया प्लेटफार्म पर अवनीत की तस्वीरें छायी रहीं।

अवनीत ने रिएलिटी शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। अवनीत की अबतक कोई फिल्म हिट नहीं हुई है पर विराट के उनकी तस्वीर लाइक करने के बाद अवनीत की पोस्ट वैल्यू 30 फीसदी तक बढ़ गयी है। पहले यह अभिनेत्री एक पोस्ट के दो लाख तक देती थीं पर अब उन्हें 2.6 लाख रुपये मिलेंगे। इस मैच में मुंबई इंडियंस को को डकवर्थ लुईस नियम के तहत अंतिम गेंद पर गुजरात टाइटंस से हार का सामना करना पड़ा।

बाउचर ने शुरुआत में मेरी सहायता की थी- विराट

बेंगलुरु । आईपीएल में आजकल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की ओर से शानदार बल्लेबाजी कर रहे विराट कोहली ने कहा है कि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर ने एक समय उनकी सहायता की थी। विराट के अनुसार फ्रैंचाइजी के साथ आईपीएल के शुरुआती सत्र में उन्हें शॉर्ट गेंदों को खेलने में परेशानी आ रही थी। जिसे दूर करने में बाउचर आगे आये थे। विराट ने कहा कि बाउचर इस मानसिकता के साथ आए थे कि वह भारतीय खिलाड़ियों की सहायता करने जा रहे हैं। बाउचर ने उनसे कहा था कि अगर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए नहीं खेलते हैं तो वह खुद को ही नुकसान पहुंचाने जैसा होगा।

कोहली ने कहा, इसलिए उन्होंने पता लगाया कि मेरी कमजोरियां क्या हो सकती हैं। साथ ही कहा कि अगर मैं अगले स्तर पर जाना चाहता हूं, तो मुझे अपनी कमजोरियों को ठीक करन होगा। इसके बाद वह मुझे नेट्स पर ले गए। इसके बाद उन्होंने कहा कि तुम्हें शॉर्ट बॉल पर काम करने की जरूरत है। अगर तुम गेंद को खींच नहीं सकते तो कोई भी तुम्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका नहीं देगा। और मुझे याद है कि हम चेन्नई या कोलकाता में एक मैच खेल रहे थे, जहां उन्होंने मुझसे कहा था कि जब मैं चार साल बाद भारत में कमेंट्री करने आऊंगा, तो अगर मैं तुम्हें भारत के लिए खेलते हुए नहीं देखूंगा, तो मानूंगा कि तुमने अपने को ही नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि बाउचर के साथ उनकी बातचीत ने उन्हें हैरान किया इससे उन्हें बेहतर करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, उन शुरुआती सालों में उनका मुझ पर बहुत बड़ा प्रभाव था। मैं अपनी क्षमताओं को लेकर बहुत यथार्थवादी था। क्योंकि मैंने बहुत से अन्य लोगों को खेलते देखा था। और मुझे ऐसा नहीं लगता था कि मेरा खेल उनके खेल के कहीं करीब है। मेरे पास सिर्फ दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति थी कि अगर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं कुछ भी करने को तैयार हूं। बाउचर ने साल 2008-10 तक आरसीबी की ओर से खेला था। उस समय विराट धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह बनाने का प्रयास कर रहे थे।

गिलक्रिस्ट ने किया अर्शदीप की तारीफ

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने आईपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे बांए हाथ के युवा गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जमकर प्रशंसा की है। गिलक्रिस्ट ने अर्शदीप को विश्व स्तर का गेंदबाज़ बताया और कहा कि वह लगातार बेहतर होते जा रहे हैं और किसी भी प्रकार के हालातों में मैच को बदलने की क्षमता रखते हैं। गिलक्रिस्ट ने कहा, मैं अर्शदीप की परिपक्वता और आत्मविश्वास से काफी प्रभावित हूं। जिस तरह से वह दबाव में गेंदबाज़ी करता है, खासकर डेथ ओवर्स में, वो किसी भी विश्व स्तर के गेंदबाज से कम नजर नहीं आत है। अर्शदीप ने इस सीज़न में अपनी लाइन और लेंथ से बल्लेबाज़ों के लिए परेशानी खड़ी की है।

रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास का ऐलान कर दिया है। हालांकि, वनडे में रोहित शर्मा खेलते रहेंगे।

इस फैसले के साथ ही रोहित शर्मा के 11 साल के लंबे टेस्ट करियर का अंत हो गया। रोहित ने 67 टेस्ट खेले, जिनमें से 23 टेस्ट में उन्होंने कप्तानी की। उन्होंने 12 शतकों और 18 अर्धशतकों सहित 40.57 की औसत से कुल 4301 रन बनाए। रोहित ने टेस्ट में 88 छक्के और 473 चौके लगाए।

रोहित साल 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नागपुर में अपना टेस्ट डेब्यू करने वाले थे, लेकिन उस मुकाबले में टॉस से कुछ क्षण पहले उन्हें एक अजीब चोट लग गई। इसके बाद उनका टेस्ट डेब्यू तीन साल बाद हुआ। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ साल 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर अपने डेब्यू टेस्ट पर शतक बनाया। मुंबई में अपने अगले टेस्ट में उन्होंने एक और शतक बनाया। वहीं, रोहित ने आखिरी टेस्ट मैच 26 दिसंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला था।

बता दें कि इंग्लैंड में 20 जून से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। चर्चा थी कि रोहित शर्मा इस सीरीज में कप्तानी नहीं करेंगे और उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को ये मौका दिया जाएगा। इस सीरीज के लिए टीम की घोषणा अगले दो हफ्तों में होनी थी। चयनकर्ता नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत में ही एक नए कप्तान को नियुक्त करने पर विचार कर रहे थे। लेकिन इससे पहले ही रोहित ने संन्यास का ऐलान कर दिया।

एमएसएमई सशक्तिकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के उद्यमों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से हुई कार्यशाला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और उनके व्यवसाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभा हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) स्कीम के अंतर्गत स्टेट नोडल एजेंसी (एसएनए), मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एमपी एल्युएन) द्वारा आयोजित की गई। इस दौरान बताया गया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ज़ेड स्कीम और एमएसएमई कॉम्पेटिटिव लीन स्कीम (एमसीएलएस) को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। जिससे कि स्थानीय उद्यमी इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार कर सकें। इस दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र प्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले, एलडीएम संजीव कुमार,उद्यमी मोहक शर्मा एवं अन्य उद्योगपति मौजूद रहें। कार्यशाला में रैम्प योजना के लाभ और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्थानीय उद्यमियों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया गया। वहीं भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के विशेषज्ञ राजेश सरवटे ने ज़ेड (जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट) योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इस योजना के तहत मिलने वाले लाभ, प्रमाणन प्रक्रिया और उद्योगों के लिए इसके दीर्घकालिक प्रभावों पर चर्चा की। इसके अलावा, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के सहायक निदेशक नमन उपाध्याय ने एमएसएमई कॉम्पेटिटिव लीन स्कीम (एमसीएलएस) पर एक तकनीकी सत्र लिया। उन्होंने बताया कि इस योजना को अपनाने से उद्यमों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और लागत में कमी आएगी, जिससे उनके व्यवसाय को प्रतिस्पर्धी बढ़त मिलेगी। डिंडौरी जिले के विभिन्न उद्यमियों ने इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया और ज़ेड एवं लीन स्कीम को लेकर गहरी रुचि दिखाई। उपस्थित उद्योगपतियों ने अन्य उद्यमियों को भी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और अपने व्यवसायों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित किया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, डिंडौरी के अधिकारियों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला को एमएसएमई क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

लोक सेवा गारंटी में समय पर सेवा नही देने पर, 7 पदाभिहित अधिकारियों पर लगाया जुर्माना

कलेक्टर श्री मीना में तहसीलदारों, सीईओ और सीएमओ पर की कार्यवाही

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मप्र लोक सेवा गारंटी अधिनियम-2010 के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं को सेवा और देना अनिवार्य है। अधिनियम के तहत सेवाओं के लिए पदाभिहित अधिकारियों को नियुक्त भी किया गया है। नियुक्त पदाभिहित अधिकारियों द्वारा समय पर सेवा प्रदाय नही करने पर कलेक्टर मृणाल मीना ने 7 पदाभिहित अधिकारियों की राशि अधिरोपित किये जाने के आदेश जारी किए है। इन 7 अधिकारियों से कुल 20500 रुपये शास्ति किये जायेंगे। ज्ञात हो कि अधिनियम के तहत प्रति आवेदन पर प्रति दिवस 250 रुपये विलंब जुर्माना किया जाता है। लांजी तहसीलदार श्री हिम्मत सिंह भवेदी इनके द्वारा 9 आवेदनों पर समय पर सेवा प्रदाय नही की गई है। इन आवेदनों में 9 दिन से 3 माह तक देरी हुई है। इन पर 5000 हजार रुपये का अधिनियम के तहत जुर्माना लगाया गया है। जबकि बालाघाट नपा सीएमओ श्री बीडी कतरोलिया पर एक आवेदन पर एक दिन लंबित समय सीमा में सेवा प्रदाय नही करने पर 250 रुपये,बिरसा तहसीलदार श्री राजूलाल नामदेव पर एक आवेदक को समय पर सेवा नही देने पर 12 दिनों का विलंब होने पर प्रतिदिन 250 रुपये के हिसाब से 3000 रुपये जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह लालबर्रा तहसीलदार श्री कन्हैय्यालाल टेकाम पर 3000 रुपये, लामता तहसीलदार श्री दशवंता लाल मरावी पर 4000 हजार,लालबर्रा सीईओ श्री चंदर सिंह मंडलोई पर 250 रुपये और बिरसा जनपद सीईओ श्री डीके करपे पर 9 शिकायतो के लंवित होने पर 5000 हजार रुपये की शास्ति करने के आदेश जारी किए है।

मोटरसाइकिल साइकिल से टकराई, दो घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड पर स्थित ग्राम खैरी और कुम्हारी के बीच मोटरसाइकिल, साइकिल को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में साइकिल सवार ओमकार पिता आसाराम बिरनवार 45 वर्ष ग्राम बोट्टे थाना लालबर्रा और मोटरसाइकिल सवार प्यारेलाल पिता प्रीतम लाल धामड़े 25 वर्ग ग्राम धपेरा मोहगांव थाना लालबर्रा निवासी घायल हो गए। दोनों का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमकार बिरनवार सेंट्रिग काम करते हैं। 6 मई की रात 11:00 बजे ओमकार बिरनवार साइकिल में देवटोला बालाघाट से अपने घर जा रहे थे। समनापुर रोड ग्राम खैरी और कुम्हारी के बीच प्यारेलाल धामड़े मोटरसाइकिल से अपने घर धपेरा जा रहा था। तभी मोटरसाइकिल अनियंत्रित ओंमकार बिरनवार की साइकिल को। पीछे से ठोस मार कर अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में ओमकार बिरनवार और प्यारेलाल धामड़े दोनों घायल हो गए। दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

छात्रा परागी ने 12 वी में 92 प्रतिशत अंक लेकर अपने गांव कायदी का नाम किया रोशन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल भोपाल बोर्ड की कक्षा दसवीं और बारहवीं के 6 मई को घोषित किये गए परीक्षा परिणाम में वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी निवासी कु. परागी लिल्हारे ने कक्षा 12 वीं में 500 में से 460 अंक गणित समूह में लाकर शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कायदी सहित पूरे ग्राम पंचायत कायदी का नाम क्षेत्र में रोशन किया है। ग्राम कायदी निवासी कमल लिल्हारे की बेटी परागी लिल्हारे ने 12 वी बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप कर प्रथम स्थान पर रही। इस दौरान चर्चा करते हुये कु. परागी लिल्हारे ने बताया कि उन्होने बगैर टयुशन की पढ़ाई कर सिर्फ घर में व स्कूल में ही रहकर पढाई की है। उन्होने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व स्कूल के समस्त स्टाफ को दिया है। पढ़ाई के प्रति उसकी लगन और मेहनत ने उसे यह मुकाम दिलाया है। उन्होने कभी हिम्मत नहीं हारी और पूरी निष्ठा से अपनी पढ़ाई में जुटी रही। कु.परागी बेटी की सफलता पर पापा कमल लिल्हारे,मम्मी श्रीमती निर्मला लिल्हारे, श्रीमती दुगेश्वरी लिल्हारे बडी मम्मी, मूलचंद लिल्हारे, भाई वैभव लिल्हारे बीएसएफ , भाई दुपेश लिल्हारे सीजीएसबी ,राकेश लिल्हारे, अंजली लिल्हारे, जे.एल.माहुले लालबर्रा, जितेन्द्र सुलाखे पूर्व सैनिक, धमेन्द्र सुलाखे पूर्व सैनिक सहित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कायदी के प्राचार्य करण मेरावी, शिक्षकगण पदमा बिसेन, वाहने मेडम, पवार सर, दरवडे मेडम सहित समस्त स्टाफ व ग्रामीणजनों ने हर्ष व्यक्त कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कन्या स्कूल उकवा में प्रतिभावान छात्राओं का सम्मान समारोह

उकवा(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश शासन माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10वीं एवं 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उकवा में विद्यालय टॉपर छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुनीता बोरकर द्वारा समस्त टॉपर छात्राओं को फूलमाला पहनाकर सत्कार किया गया इसके पश्चात समस्त अतिथि जैम्स बारिश, संजय रामा, श्रीमती सुनीता बोलकर, अशोक राऊत ,आनंद गोदरे आदि का विद्यालय स्टाफ द्वारा स्वागत किया गया इसके पश्चात कार्यक्रम में देवदत्त चौधरी , जेम्स बारिक ने अपने विचार व्यक्त किया विद्यालय प्राचार्य श्रीमती सुनीता बोरकर ने उपस्थित लोगों को उत्तरीण छात्राओं के समक्ष विद्यालय की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की प्रगति का ब्यौरा विगत दो वर्षों से देते हुए बताया कि विद्यालय का कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षाफल सत प्रतिशत रहा विद्यालय की कुल 66 छात्राओं में 56 छात्राये प्रथम श्रेणी में तथा 10 द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण रही विद्यालय की छात्रा रन्ना पटले 95 प्रतिशत तथा आकांक्षा पंचतिलक ने 92 प्रतिशत प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया वहीं माही धारकर ने 93 प्रतिशत खुशी नागेश्वर ने 92 प्रतिशत भक्ति तलवरे ने 92 प्रतिशत स्वरा यादव ने 91 प्रतिशत तथा नियती रावत ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किया विद्यालय की 12वीं कक्षा की परीक्षा फल में कुल 85 छात्र को जिसमें 55 छात्राएं प्रथम श्रेणी में 25 छात्र द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण तथा पाच छात्र अनुत्तीर्ण हुई है गणित संख्या में शीतल हरिनखेडे ने 94 प्रतिशत तथा नम्रता राणा ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किया इसी तरह 80 से 89त्न में पाच छात्राओं ने बाजी मारी वाणिज्य संख्या में प्रज्ञा तिवारी ने 87 प्रतिशत तथा राशि चौहान ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए कुल 10 छात्राओं में नौ प्रथम श्रेणी तथा एक द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुई कला संकाय में 35 में से 31 उर्त्तीण तथा चार अनुत्तीर्ण 13 प्रथम श्रेणी 18 द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है जीव विज्ञान में परीक्षा फल शत प्रतिशत रहां उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक मदन गेडाम, देवदत्त चौधरी , हरीश बांसोड़, श्रीमती पंकज राणा आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 10 मई को

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत आगामी दिनांक 10.मई 2025 दिन शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है । तत्संबंध मे जानकारी देते हुए खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ.वर्ष चौबे ने बताया कि मोतियाबिंद के मरीजो को ऑपरेशन हेतु देवजी नेत्रालय जबलपुर भेजा जाएगा। इस हेतु मरीज को आधार कार्ड की फोटो कॉपी तथा 2 मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य है। डॉ चौबे ने संबंधितों से इस शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश के कई शहरों में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

-युद्ध के हालात से निपटने तैयार है देश

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद गृह मंत्रालय के निर्देश पर बुधवार को देशभर में एक व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास का उद्देश्य युद्ध जैसे हालात और दुश्मन के हवाई हमलों के वक्त तैयारियों को परखना और आम जनता को जागरूक करना था। देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 244 जगहों पर युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल हुई। शाम को ब्लैकआउट एक्सरसाइज की भी गई। जो इस बात का संकेत है कि देश युद्ध के हालात से निपटने को तैयार है।

सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया। कैटेगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली के खान मार्केट में बुधवार को एक मॉक ड्रिल की गई, जिसमें सुरक्षाबलों और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों ने भाग लिया। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भी शाम को मॉक ड्रिल की जाएगी। इसी प्रकार, बेंगलुरु के हलसूरु झील, जयपुर के एमआई रोड, पुणे के काउंसिल हॉल और हैदराबाद के काचेगुड़ा रेलवे स्टेशन पर भी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। पंजाब के अमृतसर में पुलिस और सिविल डिफेंस टीमों ने मिलकर यह अभ्यास किया। वहीं मुंबई में क्रॉस मैदान और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर मॉक ड्रिल के जरिए हमले से निपटने की तैयारी का प्रदर्शन किया गया।

मुंबई में रेलवे ने आयोजित की ड्रिल

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ। स्वप्निल निला ने जानकारी दी कि सिविल डिफेंस यूनिट की ओर से सीएसएमटी पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान रेलवे की तत्परता का प्रदर्शन किया गया और आम जनता को सतर्क रहने का संदेश दिया गया। मुंबई के अलावा कल्याण में भी मॉक ड्रिल की गई और नागरिकों को बिल्डिंग से बाहर निकाला गया। हरियाणा में ऑपरेशन अभ्यास नाम से राज्यव्यापी मॉक ड्रिल की गई, जिसमें ब्लैकआउट अभ्यास और आम नागरिकों की भागीदारी भी शामिल रही।

मप्र के पांच शहरों में मॉक ड्रिल

मप्र के पांच शहरों इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में मॉक ड्रिल की गई। भोपाल में शाम 4 बजे डीबी मॉल में आग से बचाव और लोगों को बाहर निकालने के साथ नूतन कॉलेज में बने अस्थाई अस्पताल पहुंचाने की रिहर्सल की गई। वहीं न्यू मार्केट में भी लोगों को हमले के दौरान सुरक्षित निकलने की रिहर्सल हुई। इधर, डीबी मॉल से मरीजों को लेकर एम्बुलेंस नूतन कॉलेज में बनाए गए अस्थाई अस्पताल पहुंची। जहां घायलों का इलाज शुरू किया गया। एक मरीज गंभीर होने पर उसे रेड जोन में शिफ्ट किया गया। अस्थाई अस्पताल में मॉक ड्रिल के दौरान एक चूक भी आई सामने आई। यहां स्टाप ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंचा लेकिन मास्क किट भूल गए। जिसके बाद मरीज को दूसरे बेड में इलाज के लिए भर्ती किया गया। हालांकि टीम ने तत्काल गलती सुधारते हुए जेपी अस्पताल से मास्क किट मंगवाई। अस्थाई अस्पताल में स्वस्थ विभाग द्वारा कुल 110 लोगों का स्टाफ तैनात किया गया है इसमें स्पेशलाइज्ड डॉक्टर, मेडिकल ऑफिसर, सपोर्टिंग स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ, फार्मासिस्ट समेत अन्य शामिल है। इससे पहले सबसे पहले पुलिस लाइन नेहरू नगर में आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की रिहर्सल की गई। इसमें बताया गया कि हमले या आपदा के दौरान कैसे घायलों को प्राथमिक उपचार दिया जाए और उन्हें सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया जाए। ड्रिल के दौरान सीपीआर देना भी सिखाया गया। एक नकली हमले की स्थिति में घर में आग लगने का दृश्य दिखाया गया, जहां फायर फाइटर्स ने आग पर काबू पाया और घायलों को सुरक्षित निकाला।

मतदाता सूची के संबंध में प्रेक्षक ने ली समीक्षा बैठक

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक श्री अमर सिंह चंदेल (सेवानिवृत्त) ने मंगलवार को कार्यालय कलेक्ट्रेड के सभाकक्ष क्रमांक 205 में मतदाता सूची के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं पुनरीक्षण के संबंध में जनपद पंचायत बालाघाट के समस्त प्राधिकृत कर्मचारियों से चर्चा की गई। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं तहसीलदार तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी मौजूद रहें।

थैलेसीमिया उन्मूलन के लिए देशभर में उत्कृष्ट कार्य करके गुजरात अन्य राज्यों के लिए आदर्श राज्य बना

अहमदाबाद। घातक बीमारी थैलेसीमिया के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए 8 मई को अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस मनाया जाता है। थैलेसीमिया एक लाइलाज वंशानुगत रक्त विकार है जो शरीर में हीमोग्लोबिन के उत्पादन को सीधे प्रभावित करता है। जन जागरूकता के माध्यम से इस खतरनाक बीमारी के प्रकोप को कम करने तथा इस बीमारी के बारे में नागरिकों की अज्ञानता को समाप्त करने के लिए हर वर्ष 8 मई को यह विशेष दिवस मनाया जाता है। कोई भी माता-पिता अपने बच्चे को खून की बोतल के बंधन में फंसा हुआ नहीं देखना चाहते, लेकिन थैलेसीमिया जैसे वंशानुगत रक्त विकारों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण, दुनिया भर में कई बच्चे थैलेसीमिया जैसी जानलेवा बीमारी के साथ पैदा होते हैं। आज देश और दुनिया के साथ-साथ गुजरात राज्य भी थैलेसीमिया जैसी लाइलाज बीमारी को जड़ से खत्म करने की दिशा में काम कर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर थैलेसीमिया के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रही हैं। चूंकि अधिकांश लोग थैलेसीमिया से अनभिज्ञ हैं, इसलिए उनके मन में सबसे पहला सवाल यही उठता है कि

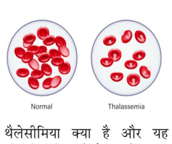

थैलेसीमिया क्या है और यह बीमारी गंभीर क्यों है?... तो आइए आज थैलेसीमिया रोग के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें विस्तार से जानें।

थैलेसीमिया क्या है?

थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रोग है जिसमें शरीर पर्याप्त हीमोग्लोबिन का उत्पादन करने में विफल हो जाता है। सामान्यत: हमारी लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन नामक प्रोटीन होता है, जो मानव शरीर के प्रत्येक अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। हम जो भोजन खाते हैं उससे हमें आयरन मिलता है, और हमारी हड्डियों के बीच स्थित अस्थि मज्जा इस आयरन को हीमोग्लोबिन में परिवर्तित कर देती है। थैलेसीमिया से पीड़ित व्यक्ति की अस्थि मज्जा लौह को हीमोग्लोबिन में परिवर्तित नहीं कर सकती। परिणामस्वरूप, शरीर के अन्य अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और अंगों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। थैलेसीमिया से पीड़ित व्यक्ति के शरीर के अंग कमजोर हो जाने के कारण अंतत: उन्हें कई समस्याओं और बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

थैलेसीमिया के प्रकार-

थैलेसीमिया आमतौर पर दो प्रकार का होता है, थैलेसीमिया माइनर और थैलेसीमिया मेजर। जब किसी बच्चे को माता-पिता में से किसी के गुणसूत्रों में कोई दोष या असामान्यता विरासत में मिलती है, तो वह थैलेसीमिया माइनर का शिकार हो जाता है। जब किसी बच्चे को माता-पिता दोनों के गुणसूत्रों में दोष या असामान्यता विरासत में मिलती है, तो वह थैलेसीमिया मेजर का शिकार हो जाता है।

कमेटी ने कैश कांड की जांच रिपोर्ट सीजेआई को सौंपी

प्रयागराज। जस्टिस यशवंत वर्मा इस्तीफा दे सकते हैं। कैश कांड की जांच रिपोर्ट कमेटी ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना को सौंप दी है। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। सोर्स के मुताबिक, जस्टिस वर्मा को इस्तीफा देना होगा। अगर वे इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उनकी बर्खास्तगी के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश भेजी जाएगी।

जस्टिस वर्मा को सीजेआई को जवाब देने के लिए शुक्रवार तक का समय दिया गया है। सीजेआई संजीव खन्ना द्वारा बनाई गई कमेटी में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थे। जांच कमेटी ने 25 मार्च को जांच शुरू की थी। इसके बाद 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

घर में आग लगने के बाद विवादों में घिरे जस्टिस

जस्टिस वर्मा तब विवादों में घिर गए थे, जब उनके लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। सीजेआई खन्ना के आदेश पर 21 मार्च को मामले की जांच के लिए 3 सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई थी।24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस यशवंत वर्मा का दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर की सिफारिश की। कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश के बाद 28 मार्च को केंद्र सरकार ने ट्रांसफर की अधिसूचना जारी की। जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में 5 अप्रैल 2025 को शपथ ली। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए।

सर्व आदिवासी समाज ने न्याय जनाक्रोश रैली निकाल कर भरी हुंकार

सामूहिक दुष्कर्म मामले में मुख्यमंत्री और भाजपा के मौन रहने पर जतायी नाराजगी, कलेक्टर कार्यालय का किया घेराव

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सर्व आदिवासी समाज द्वारा हट्टा मामले में पीड़ित बालिकाओं को न्याय दिलाने के उद्देश्य से शहर में एक जनआक्रोश रैली का आयोजन किया गया। सर्व आदिवासी समाज द्वारा सबसे पहले स्थानीय अंबेडकर चौक में सभा का आयोजन किया गया । आदिवासी महिलाओं सहित बच्चियों पर हो रहे अत्याचार को लेकर सभा ली गई। बालिकाओं पर दुष्कर मामले में समाज के जनप्रतिनिधि सहित कांग्रेस विधायकों ने सरकार को जमकर आडे हाथों लिया ,उसके बाद अंबेडकर चौक से जन आक्रोश रैली गोंदिया रोड होते हुए हनुमान चौक पहुंची, हनुमान चौक से सुभाष चौक, चक्र चौराहा ,राजघाट चौक होते हुए आक्रोश रैली काली पुतली चौक पहुंची ,उसके बाद यह रैली धीरे-धीरे कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ती गई , यहां कलेक्ट्रेट के गेट पर पुलिस द्वारा जन आक्रोश रैली को रोक दिया गया यहां समाज के पदाधिकारी ने अपर कलेक्टर को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा, जिसमें बालिकाओं को एक करोड रुपए के मुआवजे और पीड़ित परिवार के सदस्यों को डराने और मामले को दबाने के मामले में सम्मिलित लोगों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की गयी हैं, सरकार पर दुष्कर मामले में अभी तक मौन रहने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की गई ।

आपको बता दे कि शादी से घर लौटते समय, आदिवासी तीन नाबालिग और एक बालिग, बालिका से 23 अप्रैल की रात हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में आदिवासी समाज ने बुधवार को हुंकार भरी। न्याय जनाक्रोश रैली में पूरे जिले से आदिवासी समाज के लोग, मुख्यालय पहुंचे और भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। समाज ने आदिवासी बालिकाओं के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में, सभी पीड़िताओं को एक-एक करोड़ की आर्थिक मदद और उनके सुरक्षा की मांग की। समाज ने मामले में, सरकार और भाजपा के मौन रहने पर सवाल भी खड़े किए। उन्होंने कहा कि, चार आदिवासी बालिकाओं से सामूहिक दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मामले में सरकार, की असंवेदनशीलता, से आदिवासी समाज नाराज है। जो बताता है कि सरकार आदिवासी समाज के लोगो के प्रति संवेदनशील नहीं है। बुधवार को इस आंदोलन की शुरूआत दोपहर 2 बजे, आंबेडकर चौक से हुई। जहां पहले आदिवासी समाज के न्याय जनाक्रोश रैली से पूर्व सभा का आयोजन किया गया। जहां विधायकों और संगठन पदाधिकारियों ने घटना और देरी से मामले में एफआईआर होने पर आक्रोश जाहिर किया। जिसके बाद यह रैली, आंबेडकर चौक से शुरू होकर, हनुमान चौक, मेनरोड, काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक से विश्वेश्वरैया चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। जहां एडीएम जी.एस. धुर्वे को 14 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें पीड़िताओं को एक-एक करोड़ रूपए की आर्थिक मदद, पीड़िता और परिवार को सुरक्षा, मामले को दो दिनों तक समझौते के लिए दबाए रखने, घटना क्षेत्र के पुलिस चौकी और थाने की घटना पर त्वरित एक्शन नहीं लेने सहित 14 सूत्रीय मांग की गई।

आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है - संजय उईके

विधायक संजय उईके ने बताया कि आदिवासी समाज की यह आक्रोश तब तक रहेगा, जब तक पीड़िताओं को न्याय नहीं मिल जाता। उन्होंने सरकार से प्रत्येक पीड़िताओ को एक-एक करोड़ रूपए की आर्थिक मदद और सुरक्षा की बात कही। उन्होंने बताया कि इस संवेदनशील मामले में सरकार और भाजपा ने किसी प्रकार का कोई वक्तव्य नहीं दिया है, वह जानना चाहते है कि क्या आदिवासी समाज, उनकी प्राथमिकता में है या नहीं इसका जवाब दे। मुख्यमंत्री का मौन रहने से लगता है कि कहीं, सरकार, आरोपियों को बचाने का तो प्रयास नहीं कर रही है। जिसको लेकर समाज में आक्रोश है।

सरकार का रवैया, असंवेदनशील है-ओंमकार मरकाम

विधायक ओंमकार मरकाम ने कहा कि आदिवासी चार बालिकाओं से सामूहिक दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मामले में सरकार का रवैया, असंवेदनशील है। जिससे हमें न्याय चाहिए। यह आदिवासी समाज का अपमान है। मामले में संवेदनशीलता के साथ काम नहीं किया है। सरकार के दबाव में सत्तापक्ष के लोग सामाजिक लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे है। सरकार की असंवेदनशीलता हमारे लिए आपत्तिजनक है। जो गंभीर विषय है।

एक करोड़ से अधिक का मुआवजा दिया जाए - दिनेश धुर्वे

आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने कहा कि घटना के साथ ही मुख्यमंत्री का इस मामले में कोई वक्तव्य नहीं देना, निंदनीय है। यदि वे कोई वक्तव्य देते तो लगता कि मुख्यमंत्री आदिवासी समाज के प्रति संवेदनशीलता रखते है। सभी वर्गो ने उस पर चिंता और संवेदनाए जाहिर की, लेकिन बालाघाट में चार आदिवासी बालिकाओं के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में भाजपा सरकार सामने नही आयी। उन्होंने ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रशासन से यह भी मांग की है कि पीड़ित परिवार को एक करोड़ से अधिक का मुआवजा दिया जाए और साथ में फास्ट्रेक न्यायालय के माध्यम से आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा सुनाते हुए फांसी दी जाए और जिन भी लोगों द्वारा उक्त घटना में पीड़ित परिवार को दबाने का काम किया गया है उन पर भी कार्रवाई हो।

पुलिस मामले को दबाने वालो के खिलाफ कार्यवाहीं करे - शुभम उइके

परिषद युवा अध्यक्ष शुभम उइके ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले को दबावपूर्वक दबाने के मामले में कई लोग शामिल रहे है, जिस पर पुलिस ने कार्यवाही किए जाने की बात कही थी, लेकिन पुलिस ने अब तक ऐसे लोगों पर कोई कार्यवाही नहीं की है। हम चाहते है कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले को दबाने वालो के खिलाफ, मामला दर्ज करे।

भारी पुलिस बल रहा तैनात

जिस प्रकार से आदिवासी समाज द्वारा कुछ दिन पहले से ही मीडिया के माध्यम से 7 मई को आक्रोश रैली निकाले जाने की सूचना दे दी गई थी ।उस अनुसार पुलिस सहित जिला प्रशासन द्वारा भी आंबेडकर चौक में सुबह से ही अलग-अलग थानों का पुलिस बल लगा दिया गया था । जैसे ही सभा शुरू हुई जिला प्रशासन के अधिकारियों सहित पुलिस प्रशासन का भारी भरकम अमला स्थानीय आंबेडकर चौक में देखा गया। जैसे-जैसे जन आक्रोश रैली आंबेडकर चौक से गोंदिया रोड होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची उस दौरान पुलिस विभाग द्वारा जिले के अलग-अलग थानों से भारी पुलिस बल सहित पुलिस के बड़े अधिकारी बुला लिए गए थे, जो पूरे प्रदर्शन के दौरान अलग-अलग चौक चौराहों सहित रैली के साथ उपस्थित नजर आए। इस रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह और अलग-अलग थानों के थाना प्रभारी भी इस रैली के दौरान उपस्थित रहे ।

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)
विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

पिकअप मोटरसाइकिल से टकराई - डेढ़ साल की बच्ची और उसके माता-पिता घायल

झबालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना अंतर्गत खैरलांजी रोड रामपायली चौक के पास पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार पति-पत्नी और उनकी डेढ़ साल की बेटी चोटिल हो गए। जिन में अत्यधिक चोट लगने से घायल आरती पति आशीष बिसेन 25 वर्ष ग्राम बकेरा थाना रामपायली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है यह दुर्घटना में

इस महिला के पति आशीष पिता दुर्गा प्रसाद बिसेन 30 वर्ष और उनकी डेढ़ साल की बेटी नियति बिसेन को मामूली चोटे आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष बिसेन ग्राम बकेरा निवासी खेती किसानी करते हैं। जिनका ससुराल ग्राम खुर्सीपार (खैरलांजी) का है। 7 मई को आशीष बिसेन अपनी पत्नी आरती बिसेन और बेटी नियति बिसेन के साथ मोटरसाइकिल में अपने ससुराल खुर्सीपार तेरहवी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। 8=30 बजे करीब रामपायली बस स्टैंड से खैरलांजी रोड रामपायली चौक के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में आशीष बिसेन उनकी पत्नी आरती बिसेन और बेटी नियति बिसेन मोटरसाइकिल सहित गिर गए। हालांकि इस दुर्घटना में आरती बिसेन सिर को सिर में चोट लगी वहीं आशीष बिसेन और उनकी बेटी नियति बिसेन को मामले चोंटे आई। तीनों का इलाज रामपायली के शासकीय अस्पताल में किया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आरती बिसेन को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट